@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 26 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 232 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'कभी माफ न करें, कभी न भूलें'

● आपातकाल की 51वीं बरसी पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लगाए गए आपातकाल की 51वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिन को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय बताया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने नागरिकों से कहा कि इस दाग को बार-बार याद करने की जरूरत है, ताकि देश में फिर कोई ऐसा पैदा न हो, जिसको इस पाप के रास्ते पर जाने की इच्छा हो जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर हैशटैग 'संविधान हत्या दिवस' के साथ पोस्ट किया, 'क्या आप जानते हैं कि हमारे लोकतांत्रिक इतिहास में 25 जून इतना महत्वपूर्ण क्यों है?' उन्होंने लिखा, 'आपातकाल लगाने वालों के माथे पर उस गंभीर पाप का कलंक हमेशा के लिए लग गया है। आज हम उन सभी लोगों को सलाम करते हैं, जो डटकर खड़े रहे। उन्हीं की वजह से लोकतंत्र बचा रहा। कभी माफ न करें और कभी न भूलें।' पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में शुरुआत में इंदिरा गांधी के आपातकाल की घोषणा का अंश

शेयर किया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री को कहते सुना गया, 'राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की है।' प्रधानमंत्री ने इसका शीर्षक दिया, 'आपातकाल की 51वीं बरसी- जानिए क्यों इसे भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना जाता है। 'पीएम मोदी ने संदेश में कहा, 'आपातकाल लगाने वालों ने न सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की, बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया।

इसके अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जॉर्ज फर्नांडिस साहब को जंजीरों में बांधा गया था और अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गईं। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। छात्रों को भी परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया था। साथियों, उस दौर में जो हजारों लोग गिरफ्तार किए गए, उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार हुए।'

चुनाव से पहले भाजपा ने उत्तर प्रदेश की नई टीम का किया ऐलान, कई नए चेहरे को मिली एंट्री

चुनाव से पहले भाजपा ने उत्तर प्रदेश की नई टीम का किया ऐलान, कई नए चेहरे को मिली एंट्री

एजेंसी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने संगठनात्मक ढांचे का व्यापक विस्तार करते हुए प्रदेश पदाधिकारियों की नई टीम की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी लिस्ट में 19 प्रदेश उपाध्यक्ष, आठ प्रदेश महामंत्री, 19 प्रदेश मंत्री समेत विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। पार्टी ने संगठन में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने के साथ आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए नए चेहरों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। घोषित टीम में सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, धर्मेंद्र सिंह, प्रियंका रावत, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल, राजेश यादव और आलोक गुप्ता समेत कई नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, रामप्रताप सिंह चौहान, गीता शाक्य, अभिजात मिश्रा, उपेंद्र रावत और संजय राय को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रदेश मंत्रियों की सूची में विजय शिवहरे, बसंत त्यागी, शिवभूषण सिंह, सहजानंद राय, अनिल यादव, अवधेश श्रीवास्तव, विजय राजभर, राकेश बिंद, राहुल वाल्मीकि, आकांक्षा सोनकर सहित कई नेताओं को स्थान दिया गया है।

सूची से स्पष्ट संकेत मिलता है कि भाजपा ने संगठन में पिछड़े, दलित, महिला और युवा नेतृत्व को व्यापक प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया है। पार्टी ने छह क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय अध्यक्षों की भी घोषणा की है। पश्चिम क्षेत्र की कमान नबाब सिंह नागर, ब्रज क्षेत्र की पूरन लाल लोधी, कानपुर क्षेत्र की राम किशोर साहू, अवध क्षेत्र की अवधेश द्विवेदी, काशी क्षेत्र की अशोक चौरसिया तथा गोरखपुर क्षेत्र की विनोद राय को सौंपी गई है।

संगठनात्मक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत दीक्षित को कार्यालय मंत्री, अतुल अवस्थी और लक्ष्मण सिंह को कार्यालय सह-मंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं, दिनेश प्रताप सिंह को मुख्य प्रवक्ता, मनीष दीक्षित को प्रदेश मीडिया संयोजक और हिमांशुराज पंडित को प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है।

भाजपा ने विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की भी घोषणा की है। रोहित मिश्रा को युवा मोर्चा, प्रकाश पाल को पिछड़ा मोर्चा, देवेंद्र सिंह को किसान मोर्चा, अशोक रावत को अनुसूचित मोर्चा, सरोज कुशवाह को महिला मोर्चा और विद्याभूषण गोंड को अनुसूचित जनजाति मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा की यह नई संगठनात्मक टीम आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, सामाजिक आधार को और मजबूत बनाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में राजनीतिक पकड़ बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है।

भाजपा इतिहास को तोड़-मरोड़ रही, आज देश में अघोषित इमरजेंसी : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा कक्षा 9 की पाठ्यपुस्तक में आपातकाल पर एक नया सेक्शन शामिल किए जाने को लेकर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शिक्षा के माध्यम से छात्रों को एकतरफा जानकारी देने और इतिहास को अपने नजरिए से प्रस्तुत करने की कोशिश की जा रही है।

आत्मनिर्भरता ही संकट में देश का असली रक्षक: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली। आज के दौर में आत्मनिर्भरता सिर्फ विकास का लक्ष्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक मजबूती की भी अहम जरूरत बन गई है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ कर दिया कि किसी देश की सैन्य तैयारी और

रणनीतिक प्रभाव को मजबूत बनाने में स्वदेशी रक्षा क्षमताओं की कितनी बड़ी भूमिका होती है। यह बातें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज के 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। मुर्मू ने आगे कहा कि दुनिया इस समय संघर्षों और भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में वही देश ज्यादा मजबूत स्थिति में रहता है, जो अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर कम और खुद पर ज्यादा निर्भर हो। आत्मनिर्भर देश संकट की घड़ी में अपनी आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ विकास संबंधी प्राथमिकताओं को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 7 से 10 मई 2025 के बीच चलाया गया अभियान था। इस दौरान पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मौजूद आतंकवादी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया कई पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है और ऐसे समय में सतत विकास कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से ग्रीन टेक्नोलॉजी अपनाने, ऊर्जा और पानी की बचत करने, हरियाली बढ़ाने, कचरा कम करने और अपने काम के हर स्तर पर पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने की अपील की। मुर्मू ने कहा कि मजबूत, कुशल और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल वर्तमान जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के हितों की भी रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि स्वदेश देश के रक्षा ढांचे की रीढ़ है।

रणनीतिक महत्व के सैन्य ठिकानों का निर्माण और रखरखाव कर यह संगठन सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमता को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। राष्ट्रपति ने रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सेना, नौसेना, वायुसेना और अन्य रक्षा संगठनों में महिलाएं लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं और उन जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभा रही हैं, जिन्हें कभी उनकी पहुंच से बाहर माना जाता था। महिलाओं की पेशेवर दक्षता, नेतृत्व क्षमता, साहस और समर्पण ने देश के संस्थानों को और मजबूत बनाया है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में स्वदेश में भी बड़ी संख्या में महिला अधिकारी नजर आएंगी।

बेनकाब हुए चढ़ावा चोरी के आरोपी, आठ लोगों के एफआईआर में नाम

अयोध्या: राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गुरुवार को स्वङ्क्र दर्ज करा दी। इसमें ट्रस्ट महासचिव चंपत राय के ड्राइवर समेत 8 आरोपी बनाए गए हैं। ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने एफआईआर की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कराया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी टिन्नू, लवकुश और अनुकल्प को हिरासत में लिया गया है। वहीं, एफआईआर की आंच किसी बड़े तक नहीं पहुंची। ट्रस्ट के बड़े नाम चंपत राय और अनिल मिश्रा व निर्माण समिति के सहायक गोपाल राव का केस में कहीं कोई जिक्र नहीं है। अज्ञात लोगों को शामिल किए जाने से जांच का दायरा और बढ़ गया है। अभी जांच में और कई लोग निशाने पर आ सकते हैं। एफआईआर में जिन लोगों को नामजद किया गया है वह सभी गणना व गहने के रखरखाव के कार्य से जुड़े रहे हैं। कानून के जानकारों का कहना है कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद तत्काल प्रभाव से आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकेगी। फैजाबाद बार एसोसिएशन के पूर्व मंत्री गिरीश चंद्र तिवारी का कहना है कि जिन धाराओं में ट्रस्ट में प्राथमिकी दर्ज कराई है उनमें आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी होगी। ट्रस्ट ने एफआईआर दर्ज कराकर बड़ा संदेश देने का प्रयास किया है। यह मामला छह जून को पहली बार प्रकाश में आया था। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए प्रदेश सरकार ने एसआईटी का गठन किया था। 20वें दिन राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के कदम को मामले की निष्पक्ष जांच और तथ्यों को सामने लाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों के आधार पर एफआईआर दर्ज कराई गई है, जबकि अब सभी की निगाहें एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि अंतिम रिपोर्ट में जिम्मेदार व्यक्तियों, वित्तीय प्रक्रियाओं और कथित अनियमितताओं की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकती है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई तय होगी। एसआईटी की प्रारंभिक जांच में वित्तीय लेनदेन और चढ़ावा व्यवस्था से जुड़े बिंदुओं पर सवाल उठे थे। इसके बाद ट्रस्ट ने कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेते हुए एफआईआर दर्ज कराई। इससे यह संदेश गया है कि यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई है तो उसकी जांच से कोई परहेज नहीं किया जाएगा। मामला सामने आने के बाद पिछले कई दिनों से अयोध्या में चर्चाओं और अटकलों का दौर जारी था। विपक्षी दलों, संत समाज और विभिन्न संगठनों की ओर से भी मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही थी। ऐसे माहौल में एफआईआर दर्ज होने को जांच प्रक्रिया को महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

देवरहा बाबा की पावन भूमि देवरिया के बरहज एवं रुद्रपुर विधान सभा क्षेत्र में
₹456 करोड़+
की 106 विकास परियोजनाओं का
लोकार्पण/शिलान्यास
विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण

शिक्षा, सड़क, मकान, रोजगार
देवरिया बन रहा और खुशहाल

एकेडमिक ब्लॉक और छात्रावास भवन, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, भलुअनी

देवरिया

द्वारा
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
कमलेश पासवान
राज्य मंत्री, ग्रामीण विकास, भारत सरकार

सूर्य प्रताप शाही
मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, उत्तर प्रदेश

दयाशंकर सिंह
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), परिवहन, उत्तर प्रदेश

विजय लक्ष्मी गौतम
राज्य मंत्री, ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम्य विकास तथा ग्रामीण अभियंत्रण, उत्तर प्रदेश

गिरीश चन्द्र तिवारी
अध्यक्ष, जिला पंचायत, देवरिया

शशांक मणि
सांसद, देवरिया

जयप्रकाश निषाद
विधायक, रुद्रपुर

दीपक कुमार मिश्र 'शाका'
विधायक, बरहज

डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी
विधायक, देवरिया

सुरेन्द्र चौरसिया
विधायक, रामपुर कारखाना

सभाकुंवर
विधायक, भाटपार रानी

डॉ. रतन पाल सिंह
सदस्य, विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

बरहज विधान सभा क्षेत्र
लोकार्पण : ₹28 करोड़+ की 10 परियोजनाएं
शिलान्यास : ₹302 करोड़+ की 23 परियोजनाएं

26 जून, 2026 पूर्वाह्न 10:30 बजे
ग्राम पंचायत-बरांव, तहसील-बरहज, देवरिया

रुद्रपुर विधान सभा क्षेत्र
लोकार्पण : ₹36 करोड़+ की 15 परियोजनाएं
शिलान्यास : ₹88 करोड़+ की 58 परियोजनाएं

लोकार्पण होने वाली प्रमुख परियोजनाएं
- ₹9 करोड़+ से ब्लॉक बैतालपुर एवं रुद्रपुर में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के एकेडमिक ब्लॉक और छात्रावास भवन
- ₹4 करोड़+ से ब्लॉक भलुअनी में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का एकेडमिक ब्लॉक और छात्रावास भवन
- ₹7 करोड़ से राप्ती नदी के बाएं तट पर निर्मित नगवा छपरा तटबंध के कि.मी. 0.00 से 15.15 के मध्य विभिन्न चैनेजों पर 9.15 कि.मी. की लंबाई में तटबंध के सुदृढ़ीकरण में मिट्टी का कार्य एवं कि.मी. 7 की लंबाई में ब्रिक सोलिंग

शिलान्यास होने वाली प्रमुख परियोजनाएं
- ₹172 करोड़+ से बरहज मार्ग पर चैनेज 0.00 से 21.75 तक के खंड में 4-लेन चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य
- ₹17 करोड़+ से ए.एन.एम. प्रशिक्षण केंद्र के भवन का पुनर्निर्माण कार्य
- ₹17 करोड़+ से इन्दूपूर-लबकनी मार्ग पर चैनेज 0.00 से 6.75 तक चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

यमुना बाजार में चला बुलडोजर, सैकड़ों परिवार हुए बेघर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के यमुना बाजार इलाके में गुरुवार सुबह से ही दिल्ली नगर निगम ने तोड़फोड़ की बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है, जिसके चलते सैकड़ों परिवार बेघर होने को मजबूर हो गए हैं। निगम बोध घाट के पास अनधिकृत निर्माणों और अतिक्रमणों को हटाने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इस इलाके में रहने वाले पीड़ितों ने बताया कि यहां लगभग 310 मकान हैं, जिनमें तकरीबन 1100 लोग रहते हैं। इनमें से अधिकांश मकान पक्के हैं, जिन्हें अब ढहाया जा रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को ही बताया था कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने कश्मीरी गेट इलाके के यमुना बाजार में रहने वाले लोगों को घर खाली करने का नया नोटिस जारी किया था। नोटिस में इलाके के घाट नंबर 2 से 32 के बीच रहने वाले लोगों से कहा गया था कि वे अपनी मर्जी से जगह खाली कर दें, अन्यथा तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश के बाद कई परिवार पहले ही अपने घरों को खाली कर यहां से जा चुके हैं, जबकि अब भी कई लोग वहीं रह रहे हैं, कार्रवाई को लेकर उनमें भय का माहौल देखने को मिला। घरों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। यहां रहने वाले लोगों का आरोप है कि उनके पानी के कनेक्शन पहले ही काट दिए गए थे, और उन्हें बुधवार रात तक घर खाली करने को कहा गया था। ऐसे में कुछ लोगों ने अपना सामान हटा लिया है, लेकिन कई परिवार अभी भी अपनी जगह पर डटे हुए हैं। स्थानीय निवासी गणेश ने बताया कि यहां से हटाए जाने वाले लोगों के लिए दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के अस्थायी आश्रयों में रहने का विकल्प दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया, यह कहां का न्याय है? हमारे घर उजाड़कर नाइट शेल्टर में रहने को मजबूर किया जा रहा है। यमुना घाट पंडा एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि वे इस मामले में कोर्ट का रुख कर चुके हैं, और ध्वस्तीकरण के लिए कोर्ट का कोई आदेश नहीं है, फिर भी उन्हें हटाया जा रहा है।

कर्नाटक में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी, एमडीएमए और गांजे समेत पांच गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में पुलिस ने मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया। पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की और गैर-कानूनी रूप से बेचे जा रहे एमडीएमए और गांजे को जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया है। जानकारी के मुताबिक शिवमोग्गा पुलिस ने रागीगुड्डा चैनल अर्दन रोड के पास छापा मारा और अजहर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से करीब 15 ग्राम एमडीएमए नशीला पदार्थ, एक मोबाइल और नकदी जब्त की। जब्त किए गए एमडीएमए और गांजे की कुल कीमत करीब 1.50 लाख रुपए है। आनंदापुरा पुलिस स्टेशन ने सागर-आनंदापुरा रोड पर एक ऑपरेशन चलाया और मुज्जू और हफीजुल्ला को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 95 ग्राम गांजा और एक बाइक बरामद की। इसी तरह सागर टाउन पुलिस ने अरालिकोप्पा लेआउट क्रॉस के पास छापा मारकर अल्ताफ और अकबर को गिरफ्तार किया। इनके पास से करीब 330 ग्राम गांजा और 4 लाख कीमत की एक कार जब्त की। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इससे पहले अप्रैल में बेंगलुरु सिटी पुलिस ने शहर में चलाए गए कई समन्वित अभियानों में 16 लोगों को गिरफ्तार किया था और करीब 36.67 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में चार विदेशी नागरिक, आठ अन्य राज्यों से आए व्यक्ति और चार स्थानीय लोग शामिल थे।

मोहर्रम के मौके पर मुस्लिमों ने लखनऊ अग्निकांड के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के लखनऊ के अलीगंज कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड का दर्द कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस हादसे में 15 लोगों की जिंदगियां खत्म हो गईं। बुधवार को मोहर्रम के मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अग्निकांड के मृतकों को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर मृतकों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी की नेता सुमैया राणा भी मौजूद रहीं। बुधवार को मुहर्रम के मौके पर लखनऊ में मुस्लिम समाज के लोगों ने अलीगंज अग्निकांड में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में बड़ी सख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी शामिल हुए। ये सभी लोग हाथों में मोमबत्तियां लेकर पहुंचे थे, जहां उन्होंने मृतकों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर हादसे में जान गंवाने वालों को याद किया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में काफी भावुक माहौल देखने को मिला। इस कार्यक्रम में सपा नेता सुमैया राणा ने भी हिस्सा लिया. उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं जताई और फूल अर्पित किए। लोगों ने सरकार से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की और कहा कि सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू किया जाए ताकि फिर से ऐसी कोई दर्दनाक घटना न हो सके। इसके साथ ही उन्होंने इस हादसे के ज़िम्मेदार लोगों पर भी सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की। बता दें 22 जून को लखनऊ के अलीगंज में एक कोचिंग सेंटर में अचानक आग लग गई थी जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद बिल्डिंग को लेकर कई नियमों के उल्लंघन और लापरवाही की बात सामने आई थी।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दो विमान आमने-सामने आए, बड़ा हादसा टला

अहमदाबाद(एजेंसी)। अहमदाबाद हवाई अड्डे परन 'पार्किंग बे' की ओर जाते समय एअर इंडिया का एक विमान गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे वह इंडिगो के एक विमान के सामने आ गया। हालांकि दोनों विमान एक-दूसरे से सुरक्षित दूरी पर रुक गए। सूत्रों ने बताया कि मुंबई जा रहा इंडिगो का विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी एअर इंडिया का विमान गलत दिशा में मुड़ गया और वह उसी टैक्सीवे पर आ गया, जिस पर इंडिगो का विमान खड़ा था। सूत्रों के मुताबिक टैक्सीवे पर दोनों विमान समय रहते एक-दूसरे से करीब 200 मीटर की सुरक्षित दूरी पर रुक गए। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि हमें उस घटना की जानकारी है, जिसमें 24 जून को मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली हमारी एआई 2493 उड़ान लैंडिंग के बाद 'पार्किंग बे' की तरफ जाते समय अनजाने में गलत रास्ते पर मुड़ गई थी। विमानन कंपनी ने कहा कि विमान में सवार यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। उसने बताया कि बाद में विमान को सुरक्षित रूप से 'पार्किंग बे' में ले जाया गया। एअर इंडिया ने कहा कि नियामक प्राधिकरण को मामले की जानकारी दे दी गई है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बागियों की सांसदी पर जल्द लेंगे फैसला

दो-तिहाई बहुमत का नियम अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जल्द ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों के दल-बदल मामले में अपना महत्वपूर्ण फैसला सुना सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र से पहले स्पीकर इस पर कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं, जिसका भारतीय राजनीति पर गहरा असर पड़ सकता है। स्पीकर ने दोनों मूल पार्टियों और उनके बागी गुटों के प्रतिनिधिमंडलों से पहले ही मुलाकात कर ली है ताकि सभी पक्षों को सुना जा सके। संसद से जुड़े कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञ इस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि लिया गया निर्णय कानूनी रूप से पूरी तरह सही हो, दल-बदल विरोधी कानून से जुड़े पुराने मामलों और मिसालों की भी गहन समीक्षा की जा रही है।

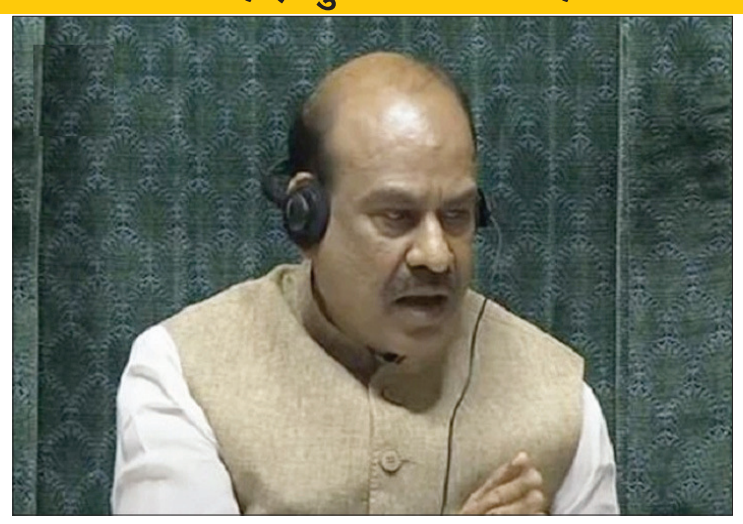

टीएमसी के मामले में, पार्टी ने 2024 के आम चुनाव में लोकसभा की 29 सीटें जीती थीं, जिनमें से एक सांसद के निधन के बाद फिलहाल एक सीट खाली है। पार्टी के 20 सांसदों ने बगावत करते हुए पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्थित एक रजिस्टर्ड लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) का दामन थाम लिया है। इन बागियों ने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की है। इसके साथ ही इन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अपना समर्थन जताते हुए एनडीए में शामिल होने की इच्छा भी जाहिर की है। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पार्टी के बागी गुट के साथ स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा है। बनर्जी ने इन 20 बागियों को अयोग्य ठहराने के लिए स्पीकर को अलग-अलग याचिकाएं भी सौंपी हैं, जिसमें दल-बदल विरोधी कानून के उल्लंघन का हवाला दिया गया है। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के मामले में भी ऐसी ही स्थिति है। शिवसेना (यूबीटी) के टिकट पर 9 सांसद चुने गए थे, जिनमें से 6 सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनिल देसाई और अरविंद सावंत ने स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और संविधान के प्रावधानों को बनाए रखने की अपील की। उद्धव गुट के नेताओं ने स्पीकर से शिंदे गुट में शामिल होने वाले 6 बागी सांसदों द्वारा दिए गए किसी भी लिखित ज्ञापन की कॉपी मांगी। इस पर स्पीकर ने उन्हें बताया कि बागी सांसदों की तरफ से अभी तक उन्हें लिखित में कुछ भी नहीं मिला है। टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) दोनों ने स्पीकर से दल-बदल विरोधी कानून के तहत अपने बागी सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। दोनों पार्टियों का तर्क है कि दल-बदल कानून के तहत अयोग्यता से संरक्षण केवल तभी मिलता है, जब पूरी राजनीतिक पार्टी के कम से कम दो-तिहाई हिस्से का किसी दूसरी पार्टी में विलय हो, न कि केवल विधायकों या सांसदों के एक समूह का। अभिषेक बनर्जी ने स्पष्ट किया कि केवल विधायकों या सांसदों के एक समूह के विलय को कानूनी रूप से मान्यता नहीं दी जा सकती। वहीं अनिल देसाई ने भी जोर देकर कहा कि 10वीं अनुसूची बिल्कुल स्पष्ट है कि किसी भी विधायक दल का कोई समूह अपने आप किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकता, भले ही उनके पास दो-तिहाई बहुमत ही क्यों ना हो। लोकसभा सचिवालय आगामी मॉनसून सत्र के लिए सांसदों के बैठने की नई व्यवस्थाओं का आकलन कर रहा है। टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) के बागी गुटों के अलावा, डीएमके ने भी संसद में कांग्रेस से अलग बैठने की मांग की है। दरअसल, डीएमके ने कांग्रेस के साथ अपना पुराना गठबंधन खत्म कर लिया है और अब मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन कर लिया है। यह स्थिति संसद के भीतर राजनीतिक समीकरणों और बैठने की व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है।

वेनेजुएला भूकंप : पीएम मोदी ने दुख जताया, कहा- हर संभव मदद करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला के उत्तरी तट पर गुरुवार को आए भीषण भूकंप ने व्यापक तबाही मचाई, जिसके बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए भारत की ओर से हरसंभव मदद का ऐलान किया है। 7.5 तीव्रता के इस शक्तिशाली भूकंप ने राजधानी कराकास में दहशत फैला दी, जहां कई इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ ढह गईं। भूकंप के झटके इतने तीव्र थे कि लोग अपने घरों और दफ्तरों से निकलकर सड़कों पर आ गए, अपने परिवारों और पालतू जानवरों को बचाने का प्रयास करते हुए देखा गया। घटना के बाद सामने आए वीडियो में इमारतों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त दिखाया गया, जिनमें से कई झुक गईं, जिससे उनके भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी वेनेजुएला के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए मदद का ऐलान किया है, और देश को नया दोस्त बताया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, मुख्य भूकंप की तीव्रता 7.5 मापी गई, जबकि इससे ठीक 40 सेकंड पहले 7.2 तीव्रता का एक फोरशॉक भी महसूस किया गया था। भूकंप का केंद्र मोंटालबान से लगभग 28 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था, जो वेनेजुएला की कई महत्वपूर्ण तेल रिफाइनरियों के निकट है। शुरुआत में अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने प्यूर्टो रिको और वर्जिन आइलैंड्स सहित आसपास के इलाकों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया था, लेकिन बाद में स्थिति की समीक्षा के बाद इस चेतावनी को वापस ले लिया गया, जिससे सुनामी का खतरा टल गया। सोशल मीडिया पर कराकास की इमारतों के ढहने और दीवारों के टूटने के दृश्य सामने आए, जिससे कई इलाकों में धूल का गुबार छा गया। हालांकि अभी तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हुई है, बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

अब बिना रजिस्ट्रेशन कुत्ता रखना व नियमों के उल्लंघन पर लगेगा भारी जुर्माना

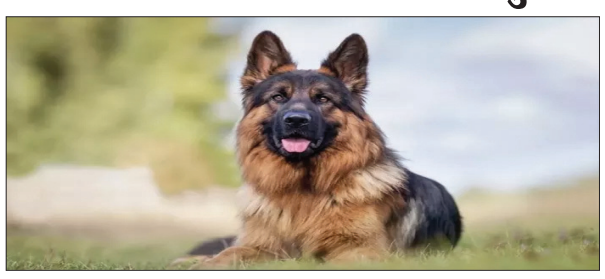

-कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं के चलते गुरुग्राम नगर निगम एक्शन में

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं और लोगों की सुरक्षा को देखते हुए नगर निगम ने बड़ा और सख्त फैसला लिया है। अब यहां बिना रजिस्ट्रेशन कुत्ता रखने वालों पर प्रशासन सख्त एक्शन लेगा। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने पालतू कुत्तों का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन और नियंत्रण को लेकर आदेश जारी किए हैं। अब बिना रजिस्ट्रेशन के कुत्ता रखना नियमों का उल्लंघन होगा और इसके लिए भारी खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पालतू कुत्तों के मालिक नगर निगम के ऑनलाइन पोर्टल या नागरिक सुविधा केंद्रों पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ मालिक का आईडी प्रूफ, कुत्ते की फोटो और सबसे जरूरी रेबीज वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट जमा करना होगा। सिर्फ एक बार रजिस्ट्रेशन कराना काफी नहीं होगा, समय-समय पर इसे रिन्यू-अपडेट भी कराना होगा। नगर निगम ने निर्देश दिया है कि शौक अपनी जगह है, लेकिन जनता की सुरक्षा सबसे पहले है। इसके लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की गई हैं। सड़कों, पार्कों, ग्रीन बेल्ट या बाजारों में कुत्ते को खुला नहीं छोड़ा जा सकेगा। घर से बाहर निकलते ही पट्टा बांधना जरूरी होगा। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर कुत्ते के मल-मूत्र को साफ करने की पूरी जिम्मेदारी मालिक की होगी। रेबीज समेत सभी जरूरी टीके समय पर लगवाने होंगे। वहीं, अगर आपका कुत्ता किसी को नुकसान पहुंचाता है या हमला करता है, तो पूरी कानूनी जिम्मेदारी मालिक की होगी। ?भारत सरकार की ओर से बताए गए खतरनाक और आक्रामक नस्लों- जैसे पिटबुल टेरियर, रॉटवीलर, डोगो अर्जेंटीनो, केन कोर्सो, अकिता और मास्टिफ के लिए निगम ने और भी सख्त रुख अपनाया है। इन ब्रीड्स के कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों पर ले जाते समय गले में पट्टे के साथ-साथ मुंह पर सुरक्षा कवर लगाना अनिवार्य किया गया है।

उद्धव ने बैठक में पूछा क्या हम सच में एकजुट हैं?

-ठाकरे ने नेताओं को दिया एकजुटता का मंत्र

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को मजबूत करने की कोशिशों में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इसी कड़ी में उन्होंने महाअघाड़ी से जुड़े विधायकों और नेताओं के साथ सीधी समीक्षा बैठकें आयोजित की हैं, जिसका उद्देश्य गठबंधन के भीतर एकजुटता को बढ़ावा देना है। हाल ही में आयोजित महाविकास अघाड़ी की एक महत्वपूर्ण बैठक में, उद्धव ठाकरे ने उपस्थित विधायकों और नेताओं से कुछ तीखे और विचारोत्तेजक सवाल पूछे, साथ ही राज्य की वर्तमान स्थितियों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब शिवसेना (यूबीटी) ने हाल ही में अपने कुछ सांसदों की बगावत देखी है, जिससे गठबंधन के भीतर एकजुटता की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

एमवीए की इस बैठक में उद्धव ठाकरे ने बेहद सीधे शब्दों में कहा, हम कहते हैं कि हम महाविकास अघाड़ी के रूप में एकजुट हैं, लेकिन

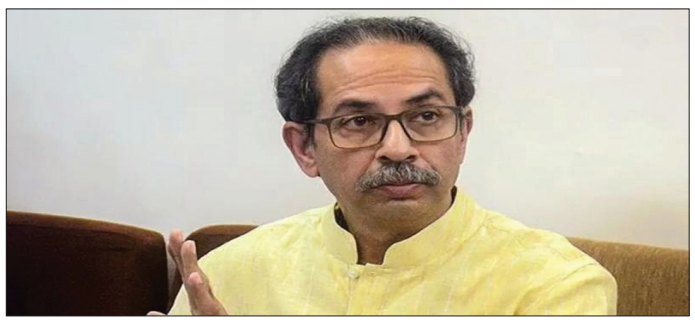

क्या सच में हम एक हैं? अगर हां, तो आज से हमें एक साथ काम करना होगा और एकजुट रहना होगा। उनका यह सवाल गठबंधन के भीतर आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता को दर्शाता है और नेताओं को वास्तविक एकजुटता के लिए प्रेरित करता है। इस बैठक में गठबंधन के सभी शीर्ष नेताओं ने विधायकों और एमएलसी को एकजुट रहने का स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने यह भी जोर दिया कि आम जनमानस से जुड़े मुद्दों को न केवल विधानसभा के भीतर, बल्कि इसके बाहर भी प्रभावी ढंग से उठाना चाहिए। नेताओं ने स्वीकार किया कि उन्हें यह कठिन युद्ध साथ रहकर लड़ना है और इसलिए आपसी समन्वय और सहयोग अत्यंत आवश्यक है। बैठक में यह भी कहा गया कि जो सांसद या नेता गठबंधन को छोड़ चुके हैं, अब उनके बारे में सोचने की कोई जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एमवीए के नेतृत्व को इसी तरह अक्सर मिलना चाहिए और विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करना चाहिए ताकि भविष्य की रणनीतियां तैयार की जा सकें। इस बात पर भी विशेष बल दिया गया कि विधानसभा के अंदर ही नहीं, बल्कि इसके बाहर भी महाविकास अघाड़ी के विधायकों और एमएलसी को अच्छे समन्वय के साथ काम करना चाहिए और एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। यह निर्देश दर्शाता है कि गठबंधन केवल सदन की चार दीवारी तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि जमीनी स्तर पर भी अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहता है। बता दें कि इस महत्वपूर्ण बैठक में एमवीए में शामिल 60 विधायक और 36 एमएलसी मौजूद थे, जो गठबंधन की व्यापक उपस्थिति को दर्शाता है। महाविकास अघाड़ी महाराष्ट्र विधानसभा का प्रमुख विपक्षी गठबंधन है, जिसमें शिवसेना (यूबीटी) के साथ-साथ कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) जैसी प्रमुख पार्टियां शामिल हैं। इस दौरान, एमवीए नेतृत्व ने राज्य की वर्तमान स्थिति को लेकर भी विस्तार से चर्चा की और संगठनात्मक रूप से आगे बढ़ने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने पर जोर दिया, ताकि जनता से जुड़ाव बढ़ाया जा सके। यह बात उल्लेखनीय है कि हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 सांसदों ने बगावत कर दी थी और पार्टी छोड़ दी थी। इन सांसदों में संजय जाधव, संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टिकर, ओमराजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और संजय दीना पाटिल शामिल थे। इन बगावतों ने निश्चित रूप से उद्धव ठाकरे के लिए चिंताएं बढ़ाई हैं और यही कारण है कि वे गठबंधन को मजबूत करने और एकजुटता का संदेश देने पर इतना जोर दे रहे हैं।

सरकारी अस्पताल में जन्मे शिशुओं को मिलेगी 1 ग्राम सोने की अंगूठी,420 किलो सोना हर साल बंटेगा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने प्रमुख चुनावी वादा पूरा करते हुए सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं को 1 ग्राम सोने की अंगूठी देने की योजना शुरू कर दी है। राज्य सरकार का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव को बढ़ावा देना है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करना है। योजना के तहत प्रत्येक पात्र नवजात को जन्म के बाद 1 ग्राम सोने की अंगूठी प्रदान की जाएगी। अनुमान है, इस योजना के लिए हर वर्ष लगभग 420 किलोग्राम तमिलनाडु सरकार वितरित करेगी। सरकार ने इसके लिए विशेष बजटीय प्रावधान किए हैं। राज्य सरकार का कहना है, यह पहल गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए सहायक साबित होगी। सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी। योजना की शुरुआत के बाद स्वास्थ्य विभाग को इसके क्रियान्वयन और वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकार को उम्मीद है, इससे मातृ एवं शिशु कल्याण कार्यक्रमों को भी नई मजबूती मिलेगी।

गलतफहमी हुई...बयान शिवराज सिंह या कार्तिकेय चौहान के बारे में नहीं था

-मानहानि मामले में राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में आवेदन देकर किया खेद व्यक्त

जबलपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आठ साल पुराने मानहानि मामले में केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह पर बयान देने के लिए खेद व्यक्त किया है। राहुल की तरफ से इस संबंध में कोर्ट में लिखित रूप से आवेदन दिया गया है। जबलपुर हाईकोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान राहुल गांधी की ओर से पेश वकील ने एक लिखित आवेदन दिया, जिसमें राहुल गांधी अपने बयान पर खेद जताया है। उन्होंने कहा कि यह बयान गलतफहमी में दिया गया था। हाईकोर्ट ने इस आवेदन पर कार्तिकेय से जवाब मांगा है और कहा है कि उनकी तरफ से लिखित प्रतिक्रिया कोर्ट में पेश की जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में पहले से चल रहा है,

जहां राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज है। कोर्ट ने इस मामले में पहले ही समन भी जारी कर दिया था। यह मुकदमा शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान ने दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने 2018 के चुनावी भाषण में पनामा पेपर्स लीक से जुड़े बयान में उनका नाम लिया था। इसी बयान को लेकर यह मानहानि का मामला दर्ज किया गया था। अब इस मामले पर अगली सुनवाई फिर से होगी।

राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि जिस बयान के आधार पर मानहानि का मामला दर्ज किया गया है, वह मध्य प्रदेश के तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान या उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान के बारे में नहीं था। उन्होंने कहा कि इस बयान को लेकर गलत समझ पैदा हुई है और इसे शिकायतकर्ता से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह मामला साल 2018 के विधानसभा चुनाव प्रचार का है, जब राहुल गांधी ने झाबुआ में एक जनसभा को संबोधित किया था। कार्तिकेय का आरोप है कि उस भाषण में राहुल गांधी ने पनामा पेपर्स का जिक्र करते हुए ऐसा बयान दिया था, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। इस आरोप के आधार पर भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया गया था और कोर्ट ने समन जारी किया था।

भारतीय विमान के पाकिस्तान सीमा पार करने पर जांच तेज

-नई दिल्ली से उड़ा था विमान रास्ता भटक अमृतसर की जगह पहुंचा पाकिस्तान

-पाक एयर ट्रैफिक कंट्रोल की चेतावनी के बाद लौटा था, पायलट पर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के खराब रिश्तों की वजह से आमतौर पर दोनों देशों ने विमानों के लिए हवाई क्षेत्र के दरवाजे बंद हैं, सोमवार रात दिल्ली से अमृतसर के लिए निकला एयर इंडिया का विमान एआई-321 अपने रास्ते से भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में पहुंच गया। इसके बाद पाकिस्तान के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने इसे चेतावनी देकर वापस लौटने को कहा। इस मामले की जांच तेज हो गई है और संभावना जताई जा रही है कि पायलट पर एक्शन लिया जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर इंडिया का विमान ने सोमवार को रात नई दिल्ली से अमृतसर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन रास्ता भटककर यह पाकिस्तान पहुंच गया। सूत्रों के मुताबिक पायलट को पाकिस्तान पहुंचने की जानकारी तब मिली, जब कंट्रोल सिस्टम पर पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी की चेतावनी आई। इसके बाद स्थानीय एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को दिल्ली लौटने का निर्देश दिया। इसके बाद विमान दिल्ली लौट आया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक विमान में उड़ाने के दौरान नेवीगेशन सिस्टम में खराबी आ गई थी। इसलिए यह रास्ता भटक गया। एयरपोर्ट अधिकारी के मुताबिक विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में करीब डेढ़ मील तक अंदर चला गया था। उन्होंने इसे छोटी घटना बताते हुए कहा कि यह असामान्य नहीं है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान से वापस आते समय विमान को अमृतसर में ही क्यों नहीं रोका? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वापस आते समय विमान स्टेबलाइज नहीं हो सका था इसलिए इसे वापस भेज दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पायलट को भारतीय सीमा के भीतर ही प्वाइंट पर चक्कर लगाने के लिए कहा गया था, लेकिन पायलट ने विमान को लगातार आगे बढ़ाना जारी रखा और फिर बाईं ओर मुड़ गया। इसकी वजह से वह पाकिस्तान पहुंच गया। इस घटना के सामने आने के बाद एयरलाइंस ने जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही पायलट को भी ड्यूटी रोस्टर से हटा दिया गया है। बता दें, भारत और पाकिस्तान के बीच असामान्य रिश्तों की वजह से दोनों देशों के बीच में हवाई संपर्क नहीं है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर पाबंदी है, जिसकी वजह से दोनों देशों के विमानों को लंबा रास्ता तय करके जाना पड़ता है।

25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय: सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। इमरजेंसी की 51वीं सालगिरह पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे देश के लिए काला अध्याय बताया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान देश में लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों को चोट पहुंचाई गई और लोकतंत्र की लड़ाई लड़ने वालों को यातनाएं सहनी पड़ीं। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इमरजेंसी को याद किया। उन्होंने लिखा- 25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है, जब आपातकाल थोप कर देश की संवैधानिक आत्मा को कुचलने की कोशिश की गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सत्ता के अहंकार में कांग्रेस द्वारा थोपे गए आपातकाल के अंधकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व नागरिक अधिकारों को गहरी चोट पहुंचाई। उस कठिन दौर में कठोर यातनाएं सहकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी महान लोकतंत्र सेनानियों को कोटिशः नमन।

वहीं यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पोस्ट मरें लिखा- भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून, 1975 वह काला दिन है, जब पीएम इंदिरा गांधी ने 'सत्ता के अहंकार' में चूर होकर देश पर आपातकाल थोपा था। इसके जरिए उन्होंने संविधान को अपने शिकंजे में कसकर जनता के मूलभूत अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर जमकर प्रहार किया। उन्हें गहरी चोट पहुंचाई। 'संविधान हत्या दिवस' हमें उस काले दौर की याद दिलाता है, जब असहमति की आवाज़ों को कुचला गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर पहरा बिठाया गया और लोकतंत्र सेनानियों को बेरहमी से जेलों की सलाखों के पीछे डाल दिया गया।

यह आपातकाल कांग्रेस की 'तानाशाही मानसिकता' का नतीजा था। लोकतंत्र की रक्षा के लिए तब की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अडिग रहकर संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का साहस, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। इस काले दौर का डटकर मुकाबला करने वाले उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को बारंबार कोटि-कोटि नमन!

हम हिंदू हैं, बहन मान जाओ; ये कह डेढ़ मिनट में भाई ने घोंटा गला

फतेहपुर। बहन...हम लोग हिंदू हैं। दूसरे समुदाय में शादी नहीं हो सकती है। अब, तो तुम्हारी शादी भी हो चुकी है। तुम अपने पति के घर की लक्ष्मी हो। वहीं रहो...और खुशी-खुशी जीवन बिताओ। बहन मान जाओ, प्रेमी के पास मत जाने की सोचो। साहब! इसी तरह मैंने बहन को खूब समझाया। जब वह नहीं मानी तो उसका गला घोंट दिया और फिर शव को कुएं में फेंक दिया। ये बातें पुलिस के सामने आरोपी भाई ने कबूलीं। थरियांव थाना क्षेत्र के हसवा में बहन को मौत के घाट उतारने के बाद पुलिस की पूछताछ में आरोपी भाई संदीप ने बताया कि बहन का प्रेमी विशेष समुदाय के कसाई बिरादरी का है। हम हिंदू यादव हैं। वह और परिवार के लोग किसी हालत में इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर सकते थे। वह और परिवार के लोग किसी हालत में इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर सकते थे। आरोपी ने बताया कि अहमदाबाद से लौटकर बहन की ससुराल पहुंचा था। यहां उसने समझाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं मानी और वहां भी हंगामा करती रही। बाद में वह बहन को साथ घर ले जाने लगा और रास्ते में भी समझाता रहा। इसके बाद भी वह मानने को तैयार नहीं थी। इसी दौरान गुस्से में उसने हत्या कर दी और बाद में शव को कुएं में फेंक दिया। आरोपी ने यह भी कहा कि पहले वह भागना चाहता था लेकिन बाद में उसे लगा कि इससे शक परिवार और ससुराल वालों पर जाएगा। इसलिए, वह खुद पुलिस के पास चला गया। आरोपी ने बताया कि वह बहन को समझाने से थक गया था। रास्ते में अचानक गुस्से में उसने जोर से चिल्लाया और उसका गला दबाकर खेत में गिरा दिया। जान बचाने के लिए वह हाथ-पैर चलाकर छटपटाती रही लेकिन करीब डेढ़ मिनट बाद उसकी सांसें थम गईं। परिजन के अनुसार करीब तीन साल से युवती का गांव के एक विशेष समुदाय के युवक से प्रेम संबंध था। पिता शिव सिंह यादव ने बताया कि घर मुख्य मार्ग पर होने के कारण युवक का आना-जाना था। इसी दौरान उसने बेटी से संपर्क बढ़ाया और बाद में फोन पर बातचीत शुरू हो गई। परिवार का आरोप है कि धीरे-धीरे उसका ब्रेनवॉश कर दिया गया। इससे वह परिवार की बात मानने को तैयार नहीं थी। बाद में उसकी शादी कर दी गई थी लेकिन स्थिति नहीं बदली। पिता ने बताया कि घटना से पहले रात में बेटे ने कई बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उसका फोन बंद आ रहा था। रिश्तेदारों और आसपास गांव में भी तलाश की गई। इसके बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली। सुबह ग्रामीणों से घटना की जानकारी मिली। परिजन का आरोप है कि तीन दिन पहले युवती के प्रेमी ने पुलिस चौकी में उसकी जान को खतरे की शिकायत दी थी। पिता शिव सिंह यादव ने बताया कि इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि चौकी प्रभारी अरुण मौर्या ने कहा है कि उनके पास ऐसा कोई शिकायती पत्र नहीं आया है। थरियांव थाने के हसवा कस्बे के चौधराना मोहल्ले में 16 जनवरी को प्रेम संबंध के चलते हुए दोहरे हत्याकांड की घटना की यादें एक बार फिर ताजा हो गई हैं। इस वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया था और लोग अभी तक उसे भूले नहीं थे। चौधराना मोहल्ला निवासी दिलदार कुरैशी ने अपनी सगी भाभी जिकरा और दोस्त फैजान की चापड़ व चाकू से हत्या कर दी थी। वारदात के बाद वह पुलिस चौकी पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया था। हमले के दौरान बहन पर भी चाकू से हमला किया गया था। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में अवैध संबंधों को लेकर हत्या की बात स्वीकार की थी। अब एक बार फिर हसवा क्षेत्र में भाई द्वारा बहन की हत्या की घटना सामने आने से लोग उस पुराने हत्याकांड को याद कर रहे हैं। पांच माह के भीतर रिश्तों के कत्ल की दूसरी बड़ी वारदात से क्षेत्र में दहशत और स्तब्धता का माहौल है। शादी के बाद विशेष समुदाय के युवक के साथ रहने की जिद पर अड़ी युवती की शुक्रवार रात भाई ने गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को कुएं में फेंक दिया और पूरी रात जंगल में बिताई। शनिवार सुबह करीब आठ बजे आरोपी स्वयं पुलिस चौकी पहुंचा और बहन की हत्या करने की बात कबूल कर ली। यह सुनकर पुलिसकर्मी भी सन्न रह गए। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। इसके बाद फौरन दमकल टीम की मदद से शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। थरियांव थाना क्षेत्र के हसवा कस्बा निवासी शिव सिंह यादव उर्फ कल्लू की पुत्री की शादी एक माह पहले ही राधानगर थाना क्षेत्र के सोनहीं बड़नपुर निवासी पिंटू उर्फ अजय के साथ हुई थी। शादी के बाद वह पहली बार चौथी पर मायके आई थी। परिजन ने बताया कि 13 मई की रात वह गांव के रहने वाले प्रेमी विशेष समुदाय के युवक के साथ चली गई थी। इसकी सूचना चौकी पुलिस को दी गई थी। करीब तीन दिन बाद 16 मई को परिजन उसे खोजकर घर ले आए। इसकी जानकारी ससुराल पक्ष को होने के बाद दोनों के बीच पंचायत हुई। समझौते के बाद युवती की विदाई कर दी गई लेकिन ससुराल में भी उसकी प्रेमी से बातचीत जारी रही। इसकी जानकारी अहमदाबाद में मजदूरी करने वाले भाई संदीप को हुई। वह 10 जून को बहन की ससुराल पहुंचा और दो दिन तक वहीं रुका। यहां भाई से बहन प्रेमी के साथ रहने की जिद करती रही। शुक्रवार देर शाम संदीप बहन को गांव ले जाने के बहाने बिलंदा लेकर पहुंचा। टैक्सी से उतरने के बाद दोनों पैदल गांव की ओर जा रहे थे। परिजन ने बताया कि हसवा कस्बा स्थित गुड्डू सिंह के खेत के पास संदीप ने गुस्से में आकर बहन का गला दबा दिया। इससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसने शव को कुएं में फेंक दिया। दूसरे समुदाय के युवक से युवती के प्रेम संबंध थे। युवती ससुराल में नहीं रहना चाहती थी।

दिल्ली में अदृश्य दुश्मन: हवा में उड़ रहा घातक बैक्टीरिया

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा लंबे समय से प्रदूषण के लिए कुख्यात रही है, लेकिन अब एक नए अध्ययन ने और भी गंभीर खतरे का खुलासा किया है। हवा में न केवल धूल और जहरीली गैसें, बल्कि रोग पैदा करने वाले बैक्टीरिया भी बड़ी मात्रा में मौजूद हैं, जो दिल्लीवासियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रहे हैं। ये बैक्टीरिया सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों, पेट, त्वचा और मुंह से जुड़ी कई बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। बोस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों की तरफ से किए गए एक ताजा शोध ने दिल्ली की हवा में खतरनाक बैक्टीरिया की मौजूदगी को उजागर किया है। यह शोध एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन के अनुसार, दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हवा में रोगजनक बैक्टीरिया की मात्रा ग्रामीण या कम भीड़ वाले इलाकों की तुलना में दोगुनी है। ये बैक्टीरिया सांस, पेट, त्वचा और मुंह से संबंधित कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद पीएम2.5 कण, जो बेहद सूक्ष्म धूलकण हैं, बैक्टीरिया के लिए वाहक का काम करते हैं। ये कण बैक्टीरिया को हवा में लंबी दूरी तक ले जाते हैं और सांस के जरिए हमारे फेफड़ों तक पहुंचाते हैं। इस तरह, पीएम2.5 न केवल प्रदूषण, बल्कि बैक्टीरिया के प्रसार का भी माध्यम बन रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली एक है, जो सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में बसी है, जहां घनी आबादी और प्रदूषण की समस्या पहले से ही गंभीर है। सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में गिरावट और हवा की गति कम होने से प्रदूषक कण और बैक्टीरिया हवा में फंस जाते हैं। नमी का बढ़ना इन बैक्टीरिया के लिए अनुकूल माहौल बनाता है, जिससे ये लंबे समय तक हवा में जीवित रहते हैं। अध्ययन के मुताबिक, सर्दियों से गर्मियों की ओर मौसम बदलने के दौरान, खासकर धुंध या हल्की बारिश के समय, बैक्टीरिया सबसे ज्यादा सक्रिय होते हैं। इस दौरान हवा में नमी और प्रदूषण का मिश्रण बैक्टीरिया के लिए आदर्श स्थिति बनाता है, जिससे ये लंबे समय तक जीवित रहते हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। दिल्ली में हर दिन करोड़ों लोग प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं। इस हवा में बैक्टीरिया की मौजूदगी स्वास्थ्य के लिए दोहरा खतरा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि प्रदूषण और बैक्टीरिया के इस संयुक्त खतरे से निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। प्रदूषण नियंत्रण, बेहतर स्वच्छता और सार्वजनिक जागरूकता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। साथ ही, व्यक्तिगत स्तर पर मास्क पहनना, घर के अंदर हवा को शुद्ध करने वाले उपकरणों का उपयोग और स्वच्छता बनाए रखना जैसे कदम इस खतरे को कम करने में मददगार हो सकते हैं। दिल्ली की हवा अब केवल प्रदूषण की बात नहीं, बल्कि एक अदृश्य दुश्मन की मौजूदगी की चेतावनी दे रही है। यह समय है कि हम इस खतरे को गंभीरता से लें और अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाएं।

सुपरटेक का दावा, 15 हजार खरीदार अब भी कर रहे घर का इंतजार

नई दिल्ली। दिवालियापन प्रक्रिया का सामना कर रही संकटग्रस्त रियल्टी फर्म सुपरटेक लिमिटेड ने पिछले तीन वर्षों में 6,121 फ्लैट अपने ग्राहकों को सौंपे हैं। कंपनी के पूर्व निदेशक आरके अरोड़ा ने बताया कि ये इकाइयां 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं में राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (एनसीएलटी) की ओर से नियुक्त रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की देखरेख में सौंपी गई हैं। हालांकि, अभी भी 15,000 फ्लैट सौंपे जाने बाकी हैं। 25 मार्च 2022 को एनसीएलटी ने सुपरटेक लि. को कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में भेजा था। इसके खिलाफ प्रमोटर ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) में अपील दायर की। जून 2022 में एनसीएलएटी ने केवल परियोजना के लिए लेनदारों की समिति (सीओसी) गठित करने का निर्देश दिया, जबकि अन्य परियोजनाओं को पूर्व प्रबंधन द्वारा अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) की देखरेख में पूरा करने का आदेश दिया गया। सोमवार को एक बयान में, सुपरटेक लि. के निलंबित बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष आरके अरोड़ा ने कहा कि कंपनी ने 10 जून, 2022 से रिवर्स दिवालियापन के दौरान 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं में 6,121 फ्लैट सौंपे हैं। ये परियोजनाएं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और मेरठ में हैं। यह उपलब्धि कंपनी के पूर्व प्रबंधन ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की निगरानी में हासिल की है। अरोड़ा ने बताया कि कंपनी अगले तीन महीनों में 1,000 और फ्लैट सौंपने की योजना बना रही है। अरोड़ा ने बताया कि सुपरटेक और एपेक्स हाइट्स प्रा. लि. ने संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट में 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं को सह-डेवलपर के रूप में पूरा करने के लिए एक समाधान योजना पेश की है। इस योजना के तहत, एपेक्स हाइट्स 12 महीनों में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश निर्माण कार्य पूरा करने, इकाइयां आवंटियों को सौंपने, और ऋणदाताओं व भूमि प्राधिकरणों को भुगतान करने के लिए होगा। दो वर्ष में परियोजनाएं पूरी करने का लक्ष्य : अरोड़ा ने कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट इस संयुक्त समाधान योजना को मंजूरी देता है, तो सभी 16 परियोजनाएं दो वर्षों में पूरी हो सकती हैं। यह खरीदारों के लिए एक बड़ी राहत होगी, जो लंबे समय से अपनी इकाइयों का इंतजार कर रहे हैं। इस योजना से कंपनी की वित्तीय स्थिति को भी स्थिर करने में मदद मिल सकती है। पिछले महीने, एनसीएलएटी ने सुपरटेक ग्रुप की कंपनी, सुपरटेक रियल्टर्स के खिलाफ दिवालियापन कार्यवाही का रास्ता साफ किया। यह कंपनी नोएडा में सुपरनोवा परियोजना विकसित कर रही है, जिसमें आवासीय फ्लैट, कार्यालय, रिटेल स्थान और एक लक्जरी होटल शामिल हैं। भविष्य पर और स्पष्टता की उम्मीद है। सुपरटेक की यह प्रगति उन खरीदारों के लिए उम्मीद की किरण है जो वर्षों से अपने घर का इंतजार कर रहे हैं। कंपनी का अगले तीन महीनों में 1,000 और फ्लैट सौंपने का लक्ष्य और सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत समाधान योजना खरीदारों को राहत दे सकती है। हालांकि, 15,000 फ्लैट के सौंपे जाने का इंतजार अभी भी एक बड़ी चुनौती है।

13 की उम्र में पहली हत्या 16 में बन गया शातिर, नाबालिग ने खेला खूनी खेल

नई दिल्ली। मालवीय नगर में खूनी खेल को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी नाबालिग है। 13 साल की उम्र में हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले 16 वर्षीय नाबालिग पर कत्ल, हत्या का प्रयास समेत पांच मामले दर्ज हैं। आरोपी नाबालिग ने रंजिश में चार युवकों की मदद से मौसेरे भाइयों पर चाकू से हमला कराया, जिसमें एक भाई की जान चली गई। हमले का मास्टर माइंड खुद की पिटाई का वीडियो दोनों मौसेरे भाइयों की ओर से इंस्टाग्राम में डाले जाने से नाराज था। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि अब तक मुख्य आरोपी सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दिल्ली के मालवीय नगर में चार नाबालिगों ने दो मौसेरे भाई विवेक (19) और अमन (21 साल) पर शुक्रवार रात चाकुओं से हमला किया था। घटनास्थल पर चारों ओर खून ही खून बिखर गया। विवेक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि अस्पताल में भर्ती अमन की हालत गंभीर है। पुलिस के आला अधिकारी ने बताया कि मालवीय नगर में दोनों भाइयों और मुख्य आरोपी का इंस्टाग्राम एकाउंट है। इस खूनी खेल का मुख्य आरोपी नाबालिग है और बदमाशी में पूरे मालवीय नगर में प्रसिद्ध है। करीब एक माह पहले विवेक ने अपने साथियों के साथ उसे पीट दिया था और इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर डाल दिया था। वीडियो के वायरल होने पर नाबालिग की दादागिरी कम हो रही थी और उसकी बेइज्जती होने लगी थी। इससे नाराज होकर उसने दोनों भाइयों से बदला लेने का फैसला किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मुख्य नाबालिग आरोपी ने चारों नाबालिगों को निर्देश दिए थे कि विवेक और अमन पर तब तक चाकुओं से हमला करना है जब तक मौत न हो जाए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार साजिश का आरोपी नाबालिग हाल में साथियों के साथ कांवड़ लेने गया था। इस दौरान वह हरिद्वार से छह धारदार चाकू लेकर आया था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि हर बार हरिद्वार से चाकू लेकर आता था।

शाहदरा में महिला का फोन छीनने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके में महिला का मोबाइल फोन छीनने और भागते समय मोटरसाइकिल में टक्कर मारने के मामले में दो आरोपियों मोहम्मद राशिद उर्फ साहिल और फैसल को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वारदात के समय वे नशे की हालत में थे। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पेशे से ड्राइवर हैं और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। शाहदरा जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला से मोबाइल छीनने की घटना 30 अगस्त को उस समय हुई जब शिकायतकर्ता रोशनी काम पर जा रही थीं। उसी दौरान सफेद रंग के स्कूटी पर सवार दो युवकों ने उनका फोन छीन लिया और भाग गए। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पीड़िता के शोर मचाने पर बाइक सवार ने आरोपियों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने उसकी बाइक में टक्कर मार दी और भागने में सफल हो गए। सीसीटीवी फुटेज की जांच में स्कूटी का नंबर सीलमपुर निवासी मोहम्मद नदीम अहमद के नाम शाहदरा जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला से मोबाइल छीनने की घटना 30 अगस्त को उस समय हुई जब शिकायतकर्ता रोशनी काम पर जा रही थीं। उसी दौरान सफेद रंग के स्कूटी पर सवार दो युवकों ने उनका फोन छीन लिया और भाग गए। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पीड़िता के शोर मचाने पर बाइक सवार ने पर पंजीकृत पाया गया। पूछताछ के दौरान नदीम ने बताया कि उसने स्कूटी अपने परिचित मोहम्मद राशिद को दी थी। इसके आधार पर न्यू सीलमपुर में छापा मारकर दोनों को पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महिला का मोबाइल फोन, सिम कार्ड और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद की गई।

साइकिल पर प्रचार कर पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में महज 17 दिन का समय शेष है। ऐसे में संभावित प्रत्याशी प्रचार के अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। प्रशासन की सख्ती और डूसू चुनाव को स्वच्छ व हरित बनाने में प्रत्याशी लगे हैं। इसी कड़ी में एबीवीपी के संभावित प्रत्याशियों ने सोमवार को प्रचार करने के लिए साइकिल का सहारा लिया। कैंपस को स्वच्छ व हरित बनाने के लिए एबीवीपी संभावित प्रत्याशियों ने कैंपस में साइकिल रैली निकाल कर प्रचार किया। यह रैली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से शुरू हुई और रामजस कॉलेज, हिन्दू कॉलेज, किरोड़ीमल कॉलेज व दौलत राम कॉलेज से होते हुए कला संकाय पर जाकर संपन्न हुई। एबीवीपी ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और पर्यावरण अनुकूल ही संपन्न होने चाहिए। एबीवीपी के सभी संभावित प्रत्याशी दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा जारी दिशा निर्देश का पालन करते हुए चुनाव प्रचार विभिन्न कॉलेजों में कर रहे है और छात्रों से मिलकर उन्हें एबीवीपी-डूसू के कार्यों व उपलब्धियों से अवगत करा रहे हैं। इसके साथ ही आगामी छात्रसंघ चुनाव के प्रति मतदाताओं को जागरूक कर रहे हैं।

रिटायर्ड प्रोफेसर को सात दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, मनी लॉड्रिंग के जाल में फंसाकर 1.02 करोड़ ठगे

नोएडा। साइबर जालसाजों ने मनी लॉड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर एक रिटायर्ड प्रोफेसर से 1.02 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने डरा धमका कर पीड़ित को सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और ठगी की वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में पीड़ित की तरफ से पुलिस से शिकायत की गई। साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। नोएडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। नोएडा सेक्टर-30 में रहने वाले 92 वर्षीय बुजुर्ग एक कॉलेज से सेवानिवृत प्रोफेसर हैं। उनके पास 26 अगस्त को एक शख्स ने कॉल की और खुद को ट्राई का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि आपका नंबर मनी लॉड्रिंग केस की जांच में शामिल है। इसके बाद उसने कथित पुलिस अधिकारियों से वीडियो कॉल पर बात कराई। कथित पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉल पर बताया कि आपका नाम जेट एयरवेज के नरेश गोयल के मनी लॉड्रिंग केस में आ रहा है। जालसाजों ने बुजुर्ग को कहा कि आप जांच में सहयोग करें, नहीं तो कार्रवाई की जाएगी। इससे बुजुर्ग डर गए और झांसे में आ गए। इसके बाद जालसाजों ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 1 करोड़ 2 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिया। इस दौरान जालसाजों ने और ठगी की वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में पीड़ित की तरफ से पुलिस से शिकायत की गई। साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। नोएडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। नोएडा सेक्टर-30 में रहने वाले 92 वर्षीय बुजुर्ग एक कॉलेज से सेवानिवृत प्रोफेसर हैं। उनके पास 26 अगस्त को एक शख्स ने कॉल की और खुद को ट्राई का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि आपका नंबर मनीकहा कि जांच के बाद क्लीन चिट मिलने पर रकम वापस कर दी जाएगी। इसके बाद बुजुर्ग को ठगी का अंदेशा हुआ और इसकी शिकायत पुलिस से की। एडीसीपी साइबर शैव्या गोयल का कहना है कि इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और उन खातों के बारे में पता किया जा रहा है। जिनमें रकम ट्रांसफर कराए गए हैं। जालसाजों ने बुजुर्ग को जब वीडियो कॉल पर लिया और बातचीत शुरू की। तब कथित सीबीआई का डायरेक्टर बनकर उन्हें जालसाजों ने डराया। इस दौरान कहना है कि इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और उन खातों के बारे में पता किया जा रहा है। जिनमें रकम ट्रांसफर पीछे कोर्ट रूम भी दिखाया गया और वकील खड़े दिखे। जालसाजों ने यह सब नकली सेटअप तैयार किया था। इस दौरान बुजुर्ग को चेतावनी दी जा रही थी कि सहयोग नहीं करने पर उनके परिवार पर खतरा आ सकता है।

NAME CHANGE
I, GAGAN S/O RAJESH SALUJA R/o 53-C LIG DDA FLATS, MOTIA KHAN PAHARGANJ, SWAMI RAM TIRTH NAGAR, DELHI-110055. have changed my name to GAGAN SALUJA.

NAME CHANGE
I, RAJESH R/o 53-C LIG DDA FLATS, MOTIA KHAN PAHARGANJ, SWAMI RAM TIRTH NAGAR, DELHI-110055. have changed my name to RAJESH SALUJA.

NAME CHANGE
I, GEETA W/O RAJESH SALUJA R/o 53-C LIG DDA FLATS, MOTIA KHAN PAHARGANJ, SWAMI RAM TIRTH NAGAR, DELHI-110055. have changed my name to GEETA SALUJA.

NAME CHANGE
I, No.- 15679810L Rank-HAV Name-DIWAKAR YADAV legal father of JANAVI KUMARI residing at- VILL-HASANPUR, PO-BELEGHAN, TEHSIL-JAUNPUR, DIST-JAUNPUR, UTTAR PRADESH-222161, have changed my minor daughter's name from JANAVI KUMARI to JANAVI KUMARI YADAV for all future purposes vide affidavit dated 25/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 17015144Y, Rank-NK Name-NIKAM AJINKYA RAMCHANDRA presently residing at- A/P-NAGEWADI, TEHSIL-KHANAPUR, DIST-SANGLI, MAHARASHTRA-415311, have changed my wife's name from NIKAM RADHIKA AJINKYA to RADHIKA AJINKYA NIKAM for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2026 before Executive magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, GRASON KSHETRI S/o KSHETRI RAJIV SINGH R/o 135/1, Gulmohar Park Road, Gautam Nagar, Delhi-110049, have changed my name to GRASON KSHETRIMAYUM permanently.

NAME CHANGE
I, HIRDESH W/o Raj Kumar R/o 39-A, Pal Mohalla, Chhota Chowk, Mandawali, Shakar Pur, Delhi-110092 have changed my name from HIRDESH to HIRDESH PAL permanently.

NAME CHANGE
I,LIAQAT ALI S/O HAKIM ALI R/o H NO-1196 A, GALI NO-13, GOVIND PURI, KALKA JI, DELHI-110019. have changed my name to LIYAKAT ALI.

NAME CHANGE
I,WAKEELA KHATOON W/O LIYAKAT ALI R/o H NO-1196 A, GALI NO-13, GOVIND PURI, KALKA JI, DELHI-110019. have changed my name to VAKILA.

NAME CHANGE
I, Syed Iftekhar Ali alias Iftekhar Ali, S/O Hakim Ali, residing at 2236, Gali Chamre Wali, Turkman Gate, Delhi - 110006, do hereby inform the general public that I have changed my name from Syed Iftekhar Ali to Iftekhar Ali for all future purposes.It is further declared that both Syed Iftekhar Ali and Iftekhar Ali represent the same and one identical person.

NAME CHANGE
I SANAWWAR ABBAS S/o QAHIR BILLA ABBASI R/o : 1764, Huaz sui Walan, Darya Ganj, New Delhi-110002 Change in my name to SANAWAR ABBASI

NAME CHANGE
I MOHAMMAD WASIM & MOHAMMAD WASIM KHAN S/O MOHAMMAD FAHIM R/O H-3/ 185 SULTAN PURI DELHI-110086 have changed my name to MOHD WASIM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I NEELAM KUMARI YADAV W/O LOKESH YADAV R/O H.NO 148 KAMRUDDIN NAGAR NANGLOI DELHI-110041 have changed my name to NEELAM YADAV Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I Akhilesh Kumar singh S/o C-2/207 Sector 16 Rohini North west Delhi 110089 have changed my name to Akhilesh Singh for all future purpose.

NAME CHANGE
I Chestha Manchanda D/o Vipin Manchanda R/o FLAT NO. SF-01, PLOT NO.4, K H NO.482. LAKEVIEW, APARTMENT, SHAKTI ENCLAVE, BURARI, North Delhi 110084 have changed my name to Cheshta Manchanda for all future purpose

NAME CHANGE
It Is For General Information That I, AYUSH SHARMA S/O SANJAY SHARMA, R/O 9/4950 B-1 Gali No 13, SHANTI MOHALLA GANDHI NAGAR EAST DELHI-110031 Declare That Name Of Mine Has Been Wrongly Written As JUGNU In My 10th & 12th Class Educational Documents. The Actual Name of Mine Is AYUSH SHARMA, Which May Be Amended Accordingly.

NAME CHANGE
I, No. 2617409F, Rank-SEP, Name-KANAKALA NANI residing at VPO & SUB DIST-NELLIMARLA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535217, have changed my father's name from KANAKALA PAIDIRAJU to KANAKALA PYDIRAJU for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2026 before Notary Public Delhi.

सूचना
मैं, अविनाश चंदर शेर पुत्र श्री ओमकार नाथ शेर तथा विजया कौल शेर पत्नी श्री अविनाश चंदर शेर, दोनों निवासी सी-13, सूरजमल विहार, नई दिल्ली-110092, यह सूचित करते हैं कि हमारे फ्लैट, जिसका पता 1804, टावर-7, गोदरेज वुड्स फेज-2, सेक्टर-43, नोएडा है, से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज कहीं गुम/खो गए हैं। खोए हुए दस्तावेजों का विवरण निम्नलिखित है-
1. पीटीएम (PTM) दस्तावेज
2. त्रिपक्षीय अनुबंध
(Tripartite Agreement)
उक्त दस्तावेजों की काफी खोजबीन करने के बावजूद उनका पता नहीं चल सका है। यदि किसी व्यक्ति को ये दस्तावेज प्राप्त हों या इनके संबंध में कोई जानकारी हो, तो कृपया हमें सूचित करने का कष्ट करें।
मोबाइल नं.- 9810084717

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सुनील गुप्ता और श्री शुभम यादव यूनिट नंबर 204, पिछली तरफ पश्चिमी हिस्से में, दूसरी मंजिल, प्लॉट नंबर 62/B (अब प्रॉपर्टी नंबर WZ-62/B), एरिया 100 वर्ग गज (बिना छत के), खसरा नंबर 71/25/3, शहरीकृत गांव पालम, पानी की टंकी के पास, नई दिल्ली (उक्त प्रॉपर्टी) के मालिक हैं और इसके कब्जे में हैं। उन्होंने यह प्रॉपर्टी श्री इंदरजीत सिंह और श्री सतबीर सिंह द्वारा उनके पक्ष में निष्पादित सेल डीड (बिक्री विलेख) के माध्यम से हासिल की है, जो दस्तावेज़ संख्या 2026/16/ढ्ढ/1669 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। खतौनी के अनुसार, श्री इंदरजीत सिंह और श्री सतबीर सिंह अन्य खातेदारों के साथ खसरा नंबर 71/25/3 के खातेदार थे। अब श्रीमती कुमारी सोनू मालिकों/विक्रेताओं श्री सुनील गुप्ता और श्री शुभम यादव से उक्त प्रॉपर्टी खरीदने जा रही हैं। इस प्रॉपर्टी को खरीदने के लिए लिए जाने वाले हाउसिंग लोन के बदले में इसे PNB हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पास गिरवी रखा जाएगा। यदि किसी को उक्त प्रॉपर्टी के संबंध में कोई आपत्ति है, तो वे इस प्रकाशन के 10 दिनों के भीतर लिखित आपत्ति पत्र और संबंधित दस्तावेजों के साथ नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करें।
आदित्य वर्मा, वकील
E-16, पहली मंजिल, E-ब्लॉक,
मानसरोवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110032।
मोबाइल नंबर 9958996685।

ईसीए कोटा में दाखिले के लिए सावधानी बरतें डीयू के कॉलेज

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध कॉलेजों को निर्देश दिया है कि वे खेल और अतिरिक्त गतिविधि (ईसीए) कोटा के तहत छात्रों के दाखिले में सावधानी बरतें और विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। यह निर्देश 25 अगस्त को न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने टेनिस खिलाड़ी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिका अदिति रावत नाम की एक छात्रा ने दायर की थी, जिन्होंने डीयू के हिंदू कॉलेज में खेल कोटा के तहत दाखिला मांगा था। सीबीएसई नेशनल्स में स्वर्ण पदक विजेता आदिति ने अपनी याचिका में हिंदू कॉलेज प्रशासन से शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए खेल कोटा के तहत एक सीट आरक्षित करने की मांग की थी। हालांकि, सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि उनको डीयू के लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वीमेन में दाखिला मिल चुका है। उनके वकील जीतेंद्र गुप्ता ने कोर्ट से अनुरोध किया कि भविष्य में डीयू से संबद्ध कॉलेजों को विश्वविद्यालय के सूचना बुलेटिन में दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए एक टिप्पणी आदेश में शामिल की जाए। बुलेटिन में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए ईसीए और खेल कोटा के तहत 5 प्रतिशत सीटों को अनिवार्य रूप से आरक्षित करने का प्रावधान है। न्यायमूर्ति महाजन ने अपने आदेश में कहा, उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए, यह अपेक्षा की जाती है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज भविष्य में ईसीए और खेल कोटा के तहत सीटों के संबंध में विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करेंगे, जो शैक्षणिक सत्र 2025-26 के सूचना बुलेटिन के अनुसार अनिवार्य है।

NAME CHANGE
I RASHMI RAMPAL W/O SANJEEV RAMPAL R/O BA - 319 NEAR DESU OFFICE TAGORE GARDEN DELHI- 110027 have changed my minor son name DIVYANSH TO DIVYAANSH RAMPAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SHAMEEN BANO W/O MOHD WASIM R/O H-3/185 SULTAN PURI DELHI 110086 have changed my name to SHAMIM BANO Permanently for all Future purpose

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अनीता देवी प्लॉट संख्या 60, क्षेत्रफल 30 वर्ग गज, खसरा संख्या 47/15/2 में से, स्थित ग्राम पालम, कॉलोनी राज नगर-II, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली की स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति उनके पक्ष में दिनांक 28.02.2012 के नोटरीकृत सामान्य मुख्तारनामा, एग्रीमेंट टू सेल, वसीयतनामा एवं अन्य संबंधित दस्तावेजों के आधार पर, जो श्री नरेश द्वारा निष्पादित किए गए थे, प्राप्त हुई है, उक्त संपत्ति को प्रस्तावित उधारकर्ता / श्री रविंदर कुमार के पक्ष में विक्रय किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति पर आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गुरुग्राम शाखा, हरियाणा द्वारा वित्तीय सहायता (होम लोन) प्रदान किया जाना प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, विवाद, बंधक, भार, ग्रहणाधिकार अथवा कोई अन्य दावा हो, तो वह अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में आवश्यक दस्तावेजों सहित इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में प्रस्तुत करें, उक्त आपत्ति/दावा अधोहस्ताक्षरी के नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक एवं ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा बाद में किया गया कोई भी दावा उक्त संपत्ति के संबंध में अमान्य एवं निरर्थक माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, AMIT KUMAR S/O RAMNATH TYAGI R/O H.No -309, Vill-Shahpur NIJ Morta, Murad Nagar, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor son AKSH TYAGI aged 14 years and he Shall hereafter be known as AKSHDEEP TYAGI.

NAME CHANGE
I, hitherto Known as RANBIR SINGH S/O GANGA RAM R/O House Number-595, Village Kuleshra, Kulesara, Kulesra, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 have changed my name and shall hereafter be known as MAHENDRA SINGH.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of my client Mrs. Sheela Devi W/o Satyapal Sing to inform the public at large that she is the lawful owner of a Residential Plot Area Measuring 1560 Sq. Ft. I.E. 145.08 Sq. Mtrs Situated In Vake Moja Sukhmalpur Nijamabad Mosuma Mohalla Krishna Nagar District Firozabad U.P., by virtue of Sale Deed dated 24.08.2009 (Document No. 145). The said property is proposed to be financed by MS Fincap Private Limited. However, the original Sale Deed Dated 28.05.2002 (Document No. 3779) has been lost / misplaced and is not traceable. Accordingly, an e-FIR dated 09/06/2026, LAR No. 20260000556776 has been lodged regarding the loss of the said document. Therefore, if any person has any claim, right, title or interest in the aforesaid property, he/she may submit objections in writing at the address given below within 7 days from the date of publication of this notice. In the absence of any such objections, it shall be presumed that the said property is free from all encumbrances, liens, charges, or disputes of any nature, and my client shall be at liberty to deal with the property accordingly.
Legal Pride LLP
Address: 553-54, Gautam Complex, School Block, Shakarpur, Laxmi Nagar, Delhi-110092.
Contact#9654780108

कार्यालय लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पण्डरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.) Email: Lspsskm@gmail.com

// ई-निविदा सूचना // Contact No. 07987900070, 09907575796
ई-निविदा सूचना कमांक- 194080, 194081, 194082, 194083, 194084, 194087, 194088, 194089, 194090
दिनांक- 25.06.2026

2500 टी.सी.डी. शक्कर कारखाना पण्डरिया में ई-निविदा सूचना कमांक- 194080 बॉयलर का वाल्व रिपेरिंग/मैन्टनेन्स कार्य, कमांक- 194081 इंजीनिरिंग सामग्री कय, कमांक- 194082 इलेक्ट्रिकल सामग्री कय 194083- इन्स्ट्रुमेन्ट सामग्री कय, कमांक- 194084 इलेक्ट्रिकल सामग्री कय (मेन्युफेक्चरर/एथोराईज्ड डीलर), कमांक- 194087 एएमसी/जॉब वर्क (मेन्युफेक्चरर/एथोराईज्ड डीलर), कमांक- 194088 इंजीनिरिंग सामग्री कय (मेन्युफेक्चरर/एथोराईज्ड डीलर), कमांक- 194089 लैब इक्युपमेंट सामग्री कय एवं कमांक- 194090 कारखाने का बीमा कराये जाने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मो/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1311/- रू. (1000/-रू. + 311/-रू. चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) में फार्म Upload किया जाना हैं।
निविदा की शर्तें व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साइट WWW.Lspssk.in में भी अवलोकन कर सकते हैं।
महाप्रबंधक (प्रशा.)

नाम परिवर्तन
मैं, यशी, पुत्री श्री यशवंत कुमार एवं श्रीमती पूजा कुमारी, निवासी 455, Pocket 4, Dwarka Sector-14, New Delhi - 110078, एतद् द्वारा घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम यशी से बदलकर यशी चौधरी कर लिया है। अब से मैं सभी उद्देश्यों, दस्तावेजों एवं अभिलेखों में यशी चौधरी नाम से जानी और पहचानी जाऊँगी।

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नितेश उक्त संपत्ति के स्वामी हैं, जो कि निर्मित भूतल, बिना छत अधिकार, संपत्ति संख्या 6 एवं 6-ए, क्षेत्रफल 44.4 वर्ग गज, खसरा संख्या 689 एवं 690, राजस्व ग्राम नवादा, दिल्ली राज्य, कॉलोनी ओम विहार, फेज-IA, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित है। उक्त संपत्ति का स्वामित्व श्री अतुल भंडारी द्वारा निष्पादित दिनांक 06.11.2024 के सामान्य मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा के आधार पर प्राप्त हुआ है, उक्त संपत्ति को इच्छुक उधारकर्ता / श्रीमती पूनम कुमारी के पक्ष में विक्रय/हस्तांतरण किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही उक्त संपत्ति पर आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गुरुग्राम शाखा, हरियाणा द्वारा ऋण सुविधा प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है, यदि किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था, कंपनी, संगठन अथवा किसी अन्य प्राधिकरण का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार, प्रभार, विवाद अथवा अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में संबंधित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी/आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के समक्ष लिखित रूप में प्रस्तुत करे, निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा/आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह माना जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा या आपत्ति नहीं है, और संपत्ति के संबंध में आगे की कार्यवाही बिना किसी अतिरिक्त सूचना के की जाएगी।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नेशनल मेडिकल कमीशन टीम ने किया नागरिक अस्पताल का दौरा

एजेंसी

जींद। नेशनल मेडिकल कमीशन की टीम नागरिक अस्पताल पहुंची। टीम ने गांव हैबतपुर में स्थित संत शिरोमणि धन्ना भगत राजकीय मेडिकल कालेज को मिली 50 मएमबीबीएस सीटों की प्रेक्टिस को लेकर जांच की। चार सदस्यीय इस टीम ने कुछ भी बताने और अपनी जांच रिपोर्ट को गुप्त रखने की बात कही और केवल इतना ही बताया कि वो अपनी जांच रिपोर्ट को नेशनल मेडिकल कमीशन को सौंपेंगे। गौरतलब है कि मई माह में गांव हैबतपुर में स्थित संत शिरोमणि धन्ना भगत राजकीय मेडिकल कालेज जींद के लिए 50 सीटों की घोषणा हुई थी। हालांकि इसका अभी तक अधिकारिक रूप से कोई पत्र जारी नहीं हुआ है। इस पत्र के जारी होने से पहले नेशनल मेडिकल काउंसिल की टीम नागरिक अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेती है। यदि नागरिक अस्पताल इन व्यवस्थाओं पर खरा उतरता है तो फिर मेडिकल कालेज में एमबीबीएस सीटों पर दाखिल हो सकेंगे। यदि नागरिक अस्पताल में ही सुविधाओं की कमी होगी तो फिर इस बार भी मेडिकल कालेज में दाखिले नहीं हो पाएंगे। जब तक नेशनल मेडिकल काउंसिल की टीम के अनुसार नागरिक अस्पताल में व्यवस्थाएं नहीं होंगे तब तक मेडिकल कालेज में दाखिलों की अनुमति नहीं मिलेगी। इस टीम की रिपोर्ट के आधार पर भी अब मेडिकल कालेज में सीटों की संख्या तय करेगी।

पौली की बेटी प्रियंका मलिक बनी बिहार में अधिकारी

जींद। जुलाना क्षेत्र के पौली गांव की बेटी प्रियंका मलिक ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा में सफलता हासिल कर जनजातीय एवं अनुसूचित जाति समाज कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित होकर गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों, परिजनों और सामाजिक संगठनों ने प्रियंका का फूल मालाओं से स्वागत कर सम्मानित किया। प्रियंका के भाई नीरज मलिक ने बताया कि उनकी बहन ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने बताया कि उनके पिता कर्मबीर मलिक का चयन दिल्ली पुलिस में एसआई पद पर हुआ था लेकिन कुछ कारणों से वह नौकरी नहीं कर सके। इसके बावजूद उन्होंने संघर्ष करते हुए अपने सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाई और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रियंका ने बताया कि उनके परिवार में आठ भाई व बहन हैं और सभी उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद सोनीपत के हिंदू गर्ल्स कॉलेज से एमकॉम की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा जारी रखते हुए नेट परीक्षा जीआरएफ के साथ उत्तीर्ण की

हरियाणा में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़, महिलाएं सुरक्षित: अर्चना गुप्ता

नारनौल। हरियाणा भाजपा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता ने महेंद्रगढ़ जिले का दौरा किया। जिला सीमा में प्रवेश करते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। बुचावास और भालखी टोल पर कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर तथा भाजपा के समर्थन में नारे लगाकर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद नारनौल स्थित सीएल फार्म हाउस में जिला स्तरीय स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अर्चना गुप्ता ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि भाजपा जनहित के मुद्दों पर पूरी सक्रियता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने का आह्वान किया। पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष ने हरियाणा की कानून-व्यवस्था को लेकर कहा कि राज्य में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ है और महिलाएं स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनता की सुरक्षा को लेकर गंभीर और संवेदनशील हैं। उन्होंने पानीपत की एक हालिया घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि अपहृत 12 वर्षीय बच्चे को पुलिस ने महज तीन घंटे में सकुशल बरामद कर अपनी तत्परता साबित की है। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार और अपराध के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर कार्य कर रही है।

कृष्णावती नदी पुनर्जीवन को 2.76 करोड़ मंजूर: आरती सिंह राव

नारनौल। हरियाणा सरकार ने कृष्णावती नदी के पुनर्जीवन, जल संरक्षण और भूजल स्तर में सुधार के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गांव राता कलां से गांव मानपुरा तक विभिन्न विकास कार्यों के लिए दो करोड़ 76 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। यह जानकारी हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने दी। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत कृष्णावती नदी में नाला खुदाई, चैनल सुधार, जल संरक्षण संबंधी कार्य, हंप रेगुलेटरों का निर्माण तथा जल प्रवाह नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण के लिए जलाशयों का विकास किया जाएगा। इन कार्यों का उद्देश्य क्षेत्र में जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना और भूजल स्तर को स्थिर बनाना है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह परियोजना नारनौल ब्रांच से आरसीसी पाइपलाइन के माध्यम से कृष्णावती नदी के पुनर्भरण की मूल योजना में हुई बचत राशि से पूरी की जाएगी।

पंजाब को ठगे हुए पंजाब से विकसित और रंगला पंजाब बनाने का समय आ गया है : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्री मुक्तसर साहिब की पावन धरती से पंजाब की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि पंजाब अपनी खोई हुई शान वापस हासिल करे और विकास, सुशासन तथा राष्ट्रहित की राजनीति को अपनाकर देश का नंबर एक राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री ने प्रथम पातशाही श्री गुरु नानक देव जी सहित सभी गुरु साहिबानों, साहिबजादों और महापुरुषों को नमन करते हुए कहा कि श्री मुक्तसर साहिब की यह पवित्र धरती चालीस मुक्तों, भाई महा सिंह जी और माई भागो जी के अद्वितीय बलिदान की साक्षी है। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा का रिश्ता साझा संस्कृति, साझा भाषा और साझा भावनाओं का रिश्ता है।वे पंजाब की जनता के बीच किसी पड़ोसी राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि छोटे भाई और शुभचिंतक के रूप में आए हैं। उन्होंने

कहा कि पंजाब की जनता ने पहले कांग्रेस और बाद में आम आदमी पार्टी को अवसर दिया, लेकिन जनता की उम्मीदों के अनुरूप परिणाम नहीं मिले। उन्होंने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, परिवारवाद और विकास को रोकने का आरोप लगाया, जबकि आम आदमी पार्टी पर वादाखिलाफी और पंजाब को राजनीतिक प्रयोगशाला बनाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज पंजाब का हर वर्ग पूछ रहा है कि वह बदलाव कहां है जिसकी बात की गई थी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 1100 रुपये प्रतिमाह देने का वादा चार वर्षों बाद भी पूरा नहीं हुआ। इसके विपरीत हरियाणा सरकार ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह की सहायता देना शुरू किया है और करोड़ों रुपये की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाई जा चुकी है।

उन्होंने पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार पर नशे, अपराध, अवैध खनन, वित्तीय कुप्रबंधन और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब का युवा रोजगार के लिए भटक रहा है और हजारों नौजवान अवैध रास्तों से विदेश जाने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब का सबसे बड़ा संकट बढ़ता हुआ नशा है, जिसने अनेक परिवारों को बर्बाद कर दिया है और युवाओं के भविष्य को खतरे में डाल दिया है।

मिशन 2036 ओलंपिक: स्कूल स्तर से तराशी जाएगी खेल प्रतिभाएं

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में लगातार पदक जीतकर पूरे विश्व में देश व प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे स्कूली विद्यार्थियों में भी अद्भुत खेल प्रतिभा छिपी हुई है, जिसे जमीनी स्तर पर और ज्यादा तराशने की जरूरत है ताकि भविष्य में पदकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अभी से रणनीति तैयार की जाए। मिशन 2036 ओलंपिक में देश के खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा पदक जीत सकें, इसके लिए स्कूलों में खेल गतिविधियों को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री हरियाणा सिविल सचिवालय में शिक्षा विभाग व खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि प्रदेश के उभरते हुए खिलाड़ियों को खेल के आधुनिक सामान, बुनियादी सुविधाएं और आवश्यक संसाधन मुहैया करवाने में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश सरकार का उद्देश्य बच्चों के शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी कुशल बनाना है।

खिलाड़ियों की तैयारी को और अधिक पुख्ता करने के लिए शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर साल स्कूलों का खेल कैलेंडर समय पर तैयार किया जाए। सभी स्कूली खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी तय कैलेंडर के अनुसार ही सुनिश्चित होना चाहिए। इसके साथ ही, प्रतियोगिताओं से पहले खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए कम से कम 10 दिनों के विशेष प्रशिक्षण शिविर (कैंप) अनिवार्य रूप से लगवाए जाएं, ताकि खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से अपनी खेल स्पर्धाओं के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।

हिसार में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई: 16,500 रुपये रिश्वत लेते निजी व्यक्ति रंगे हाथ गिरफ्तार

एजेंसी

हिसार। भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हिसार ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए नगर परिषद हांसी से जुड़े रिश्वतखोरी के मामले का भंडाफोड़ किया है। ब्यूरो की टीम ने शिकायतकर्ता से 16,500 रुपये की रिश्वत लेते हुए एक निजी व्यक्ति को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रवि कुमार (निजी व्यक्ति) के रूप में हुई है, जो नगर परिषद हांसी में कार्यरत कार्यकारी अभियंता विक्की कुमार के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था। क्या था मामला- शिकायतकर्ता ने SV&ACB, हिसार को दी गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उसके कार्यों के बिलों की मॉनिटरिंग रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने के एवज में कार्यकारी अभियंता विक्की कुमार द्वारा रवि कुमार के माध्यम से 16,500 रुपये बतौर कमीशन/रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत की सत्यता की जांच के उपरांत ब्यूरो की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी रवि कुमार को शिकायतकर्ता से 16,500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ काबू कर लिया। यह पूरी कार्रवाई गवाहों के समक्ष पूरी पारदर्शिता के साथ की गई7

इस संबंध में थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हिसार में अभियोग संख्या 21 दिनांक 24.06.2026 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 एवं 7A के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

भगवंत मान अगर सच्चे हैं तो फर्जी रिपोर्ट की जरूरत क्यों पड़ी:रेखा शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की राज्य सभा सांसद रेखा शर्मा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को विवादित वीडियो के मुद्दे पर घेरते हुए कहा है कि अगर वह सच्चे हैं तो उन्हें फर्जी रिपोर्ट बनवाने की जरूरत क्यों पड़ी।

चंडीगढ़ स्थित विधायक दल कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में रेखा शर्मा ने कहा कि इस पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। रेखा शर्मा ने कहा कि यदि किसी राज्य को कमजोर करना हो तो उसकी आस्था और उसकी युवा शक्ति पर प्रहार कर दीजिए। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज पंजाब में दोनों ही मोर्चों पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। एक ओर पंजाब का युवा चिट्टा और अन्य नशों की भयावह समस्या से जूझ रहा है, वहीं दूसरी ओर राज्य की सर्वोच्च धार्मिक संस्थाओं की गरिमा को लेकर विवाद उत्पन्न किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्टों में सामने आए तथ्यों और

शिकायतकर्ता द्वारा सार्वजनिक रूप से लगाए गए आरोप अत्यंत गंभीर हैं। आरोप है कि 16 जून 2026 को गुरुग्राम स्थित फाइव स्टार होटल क्राउन प्लाजा में एक गुप्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें लुधियाना के पुलिस कमिश्नर तथा एसपी का नाम भी सामने आ रहा है, कथित रूप से शामिल थे।

रेखा शर्मा ने कहा कि सार्वजनिक रूप से सामने आए दावों के अनुसार इस बैठक का उद्देश्य मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़े विवादित वीडियो को लेकर एक अनुकूल फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार करवाना था। मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि बैठक के सीसीटीवी फुटेज मौजूद हैं तथा कथित व्हाट्सएप चैट्स भी सामने आई हैं, जिनमें रिपोर्ट के विभिन्न हिस्सों में बदलाव, निष्कर्षों को संशोधित करने तथा रिपोर्ट को विशेष दिशा देने संबंधी चर्चाएं दिखाई गई हैं। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता जसप्रीत सिंह द्वारा जारी वीडियो में यह दावा किया गया है कि उसे एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा संपर्क किया गया, गुरुग्राम बुलाया गया और मुख्यमंत्री के पक्ष में रिपोर्ट तैयार करवाने के लिए कहा गया। शिकायतकर्ता के अनुसार उसके माध्यम से निजी साइबर विशेषज्ञों से रिपोर्ट तैयार करवाई गई, बाद में उसमें कथित रूप से बदलाव करवाए गए तथा इस कार्य के लिए 10 लाख रुपये का भुगतान भी किया गया। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि जिन संस्थाओं से रिपोर्ट ली गई, वे सरकारी मान्यता प्राप्त फोरेंसिक प्रयोगशालाएं नहीं थीं। यदि यह सब सत्य है तो यह केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि पूरी जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है।

हरियाणा में 2027 तक 2.22 लाख रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने का लक्ष्य : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए हरियाणा सरकार ने 'सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना' लागू की है। इसके तहत पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार की सब्सिडी के अतिरिक्त श्रेणीबद्ध तरीके से ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे प्रदेश में सौर ऊर्जा को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। विज ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में संशोधन संबंधी प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक प्रदेश में 2.22 लाख रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए उपभोक्ताओं को ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे प्रारंभिक निवेश का बोझ कम होगा और बिजली बिलों में उल्लेखनीय बचत सुनिश्चित होगी।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि योजना के तहत गैर-बकायेदार उपभोक्ताओं, राज्य सरकार के कर्मचारियों तथा अंत्योदय परिवारों को विशेष लाभ प्रदान किया जाएगा। पात्र उपभोक्ता अपने घरों पर 5 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कर सकेंगे, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अतिरिक्त राज्य वित्तीय सहायता का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और डिजिटल बनाया गया है। उपभोक्ता डिस्कॉम पोर्टल के माध्यम से अपनी पात्रता की जांच कर सकेंगे तथा राष्ट्रीय पोर्टल से जुड़कर आवेदन प्रक्रिया को आसानी से पूरा कर पाएंगे। विज ने कहा कि श्रेणी-1 के गैर-डिफॉल्टर उपभोक्ताओं के लिए अब तीन वर्षों तक लगातार समय पर बिजली बिल जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। संशोधित व्यवस्था के अनुसार आवेदन के समय केवल तत्काल पूर्ववर्ती बिलिंग चक्र में गैर-बकायेदार होना पर्याप्त होगा। इससे अधिक संख्या में घरेलू उपभोक्ता 5 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर संयंत्र के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के पात्र बन सकेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार, बोर्ड, निगम एवं अन्य संस्थाओं के कर्मचारी, जिनमें रोजगार सुरक्षा वाले एचकेआरएन कर्मचारी भी शामिल हैं, यदि पिछले बिलिंग चक्र में डिफॉल्टर नहीं हैं तो वे भी 5 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए योजना का लाभ उठा सकेंगे। इसी प्रकार, परिवार पहचान पत्र के अनुसार वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक वाले अंत्योदय परिवारों को 2 किलोवाट क्षमता तक के रूफटॉप सोलर संयंत्रों के लिए राज्य वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

विज ने स्पष्ट किया कि सभी श्रेणियों के आवेदकों के लिए यह आवश्यक होगा कि उनके नाम पर प्रदेश के किसी भी डिस्कॉम क्षेत्राधिकार में कोई अन्य बिजली कनेक्शन बकायेदार न हो, ताकि योजना का लाभ वास्तविक एवं पात्र उपभोक्ताओं तक ही पहुंचे। इसी क्रम में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि श्रेणी-1 और श्रेणी-2 के उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए आकर्षक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

बैंक घोटाले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कर्मचारी गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी विभागों से जुड़े कुल 661 करोड़ रुपये के बैंक निवेश घोटाले में दो आईएएस अधिकारियों को गिरफ्तार करने के बाद सीबीआई ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कर्मचारी सौरभ शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। मामले में दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद यह तीसरी प्रमुख गिरफ्तारी मानी जा रही है। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने आरोपी को पंचकूला जिला अदालत में पेश किया, जहां से उसे चार दिन की रिमांड पर भेज दिया गया। सीबीआई के अनुसार सौरभ शर्मा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अकाउंट शाखा में डाटा एंट्री ऑपरेटर के रूप में कार्यरत है। जांच एजेंसी का आरोप है कि उसने सरकारी धन के निवेश से जुड़े नियमों की अनदेखी करने, निजी बैंक को अनुचित लाभ पहुंचाने तथा मामले से जुड़े महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्यों को मिटाने में भूमिका निभाई। जांच एजेंसी अब रिमांड के दौरान यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि सरकारी धन के निवेश और बैंक खातों के संचालन से जुड़े फैसलों में सौरभ शर्मा की भूमिका क्या थी। साथ ही डिजिटल रिकॉर्ड में कथित छेड़छाड़ और दस्तावेजों के नष्ट किए जाने के पहलुओं की भी जांच होगी। सीबीआई सूत्रों का कहना है कि

आरोपी से पूछताछ से घोटाले की कार्यप्रणाली और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

तालाबों के पुनरूद्धार से जलभराव समाधान के साथ आय बढ़ाने की तैयारी में नगर निगम

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा गठित पोंड रिवाइवल कमेटी (तालाबों की पुनरूद्धार कमेटी) की कार्ययोजना सार्थक साबित हो रही है। निगम क्षेत्र के अनेक तालाबों का पुनर्जीवन कार्य पूरा किया जा चुका है। इससे एक ओर शहर के विभिन्न जलभराव प्रभावित क्षेत्रों को राहत मिली है। दूसरी ओर, इन तालाबों को मत्स्य पालन के लिए उपयोग में लाकर निगम की आय बढ़ाने की दिशा में भी संभावनाएं तलाश की जा रही हैं। नगर निगम कार्यालय में निगमायुक्त प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में आयोजित पोंड रिवाइवल कमेटी की बैठक में विभिन्न तालाबों पर किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2026 के लिए तैयार किए गए पोंड एक्शन प्लान के तहत प्राथमिकता वाले 28 तालाबों के पुनर्जीवन, गहरीकरण, डी-सिल्टिंग, जलधारण क्षमता बढ़ाने तथा वर्षा जल संचयन से जोडऩे का कार्य तेजी से किया गया है। बैठक में बताया गया कि नगर निगम ने उन तालाबों को प्राथमिकता दी है, जो जलभराव वाले हॉटस्पॉट क्षेत्रों के निकट स्थित हैं। इन तालाबों की जलधारण क्षमता बढ़ाकर तथा वर्षा जल निकासी तंत्र से जोडक़र मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित करने में सफलता

मिलेगी । कई स्थानों पर तालाबों में स्टॉर्म वाटर की उचित निकासी एवं संग्रहण व्यवस्था विकसित की गई है, जिससे अतिरिक्त वर्षा जल का संचयन संभव हो सका है। नगर निगम द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के प्रथम चरण में 28 प्राथमिकता वाले तालाबों पर कार्य किया गया है। इन तालाबों में अतिक्रमण हटाने, डी-सिल्टिंग, खुदाई, तालाबों की गहराई बढ़ाने, तटबंधों को मजबूत करने तथा वर्षा जल को तालाबों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक संरचनात्मक कार्य किए गए। इसके परिणामस्वरूप कई तालाबों की जल संग्रहण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बैठक में बताया गया कि दूसरे चरण में 52 अन्य तालाबों के सौंदर्यीकरण और सामुदायिक उपयोगिता बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि पोंड रिवाइवल अभियान से न केवल जलभराव की समस्या का समाधान हो रहा है, बल्कि भूजल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पर्यावरण संतुलन को भी मजबूती मिल रही है।

हिसार-अग्रोहा के बीच शुरू होगी इलैक्ट्रिक सिटी बस सेवा, यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

एजेंसी

हिसार। हिसार से अग्रोहा के बीच सफर करने वाले यात्रियों केलिए राहत भरी खबर है। हरियाणा रोडवेज का हिसार डिपो हिसार-अग्रोहा मार्ग पर इलैक्ट्रिक सिटी बस सेवा शुरू करेगा। इस नई सुविधा से प्रतिदिन आवागमन करने वाले विद्यार्थियों, कर्मचारियों, मरीजों और आम यात्रियों को काफी लाभ मिलेगा। बस सेवा शुरूहोने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और लोगों को सस्ती तथा सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिटी बस का संचालन सुबह 6:30 बजे से शुरू होगा। बसें दिनभर निर्धारित समय के अनुसार हिसार और अग्रोहा के बीच चलेंगी। रोडवेज की ओर से हिसार से चार फेरे तथा अग्रोहा से भी चार फेरे संचालित किए जाएंगे, जिससे यात्रियों को नियमित अंतराल पर बस उपलब्ध हो सकेगी। न्यूनतम किराया 10 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि अधिकतम किराया 45 रुपये तक रहेगा। इससेआम लोगों को किफायती दरों पर यात्रा करने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को इस सेवा से काफी सुविधा मिलेगी। हिसार और अग्रोहा के बीच प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार और अन्य कार्यों के लिए यात्रा करते हैं। अब तक कई यात्रियों को निजी वाहनों या अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था। रोडवेज की नई सिटी बस सेवा शुरू होने से उनकी यात्रा अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और सस्ती हो जाएगी। यातायात प्रबंधक प्रीतम कुमार ने बताया कि यात्रियों की मांग और क्षेत्र की जरूरत को देखते हुए यह सेवा शुरू की जा रही है। यदि यात्रियों की संख्या बढ़ती है तो भविष्य में बसों के फेरों में भी बढ़ोतरी की जा सकती है। सिटी बस सेवा सुबह 6.30 बजे हिसार से चलेगी और वापसी में 7.30 बजे अग्रोहा से आएगी।

न्याय में देरी नहीं, हर शिकायत का होगा निष्पक्ष समाधान: रणबीर गंगवा

एजेंसी

पानीपत। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, लोक निर्माण विभाग तथा श्रम विभाग मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध और निष्पक्ष न्याय उपलब्ध करवाना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा तथा जनता की शिकायतों का समाधान पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ किया जाएगा। मंत्री जिला सचिवालय सभागार में आयोजित जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कुल 13 जन शिकायतों की सुनवाई की गई, जिनमें से सात शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया, जबकि छह शिकायतों को आगामी बैठक के लिए लंबित रखा गया। बैठक में पहली शिकायत गुलशन तलवाड़ द्वारा रखी गई, जो पिछली बैठक से लंबित थी। मामले की सुनवाई के बाद इसे अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया। दूसरी शिकायत रणधीर सिंह, निवासी अनाज मंडी समालखा की थी, जो बैंक से संबंधित लंबित मामला था। सुनवाई के बाद शिकायत का समाधान कर दिया गया। तीसरी शिकायत मयंक मित्तल, गांव भैंसवाल की थी। पुलिस विभाग से संबंधित थी, सुनवाई के बाद

शिकायत को अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया। चौथी शिकायत जगदीश पाल, निवासी सेक्टर-18, हुड्डा की थी। मामले को अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया। पांचवीं शिकायत प्रदीप, निवासी हथवाला की थी,जिस पर सुनवाई के बाद इसका बैठक में निपटारा किया गया। छठी शिकायत सुरेश वर्मा, परशुराम कॉलोनी की थी। पुलिस विभाग से जुड़े इस भूमि विवाद संबंधी मामले में शिकायतकर्ता द्वारा न्याय दिलाने की मांग की गई थी। सुनवाई के बाद मामले का समाधान कर दिया गया। सातवीं शिकायत राजवीर सिंह, निवासी गांव जयधरी, जिला यमुनानगर की थी। यह प्रॉपर्टी विवाद से जुड़ा मामला था। दूसरे पक्ष के अनुपस्थित रहने के कारण शिकायत को अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया। आठवीं शिकायत रविंद्र कुमार, निवासी सेक्टर-12, हुड्डा द्वारा प्रस्तुत की गई। सुनवाई के बाद मामले को अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया। नौवीं शिकायत लाजवंती, निवासी बिशन स्वरूप कॉलोनी की थी।

तेल की कीमतों में राहत का लाभ जनता तक पहुंचाए सरकार : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई कमी का लाभ देश की जनता तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देकर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की जाती है, तो कीमतों में गिरावट आने पर उपभोक्ताओं को भी उसी अनुपात में राहत मिलनी चाहिए।

कुमारी सैलजा ने कहा कि बीते वर्षों में आम जनता लगातार बढ़ती महंगाई का सामना कर रही है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और परिवहन लागत में वृद्धि का सीधा प्रभाव खाद्य पदार्थों, कृषि लागत तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है। ऐसे में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल सस्ता हुआ है तो सरकार को पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों की समीक्षा कर जनता को राहत देने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। सांसद ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के वित्तीय परिणाम बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में उनकी आय और लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सरकार आम उपभोक्ताओं, किसानों, छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए। कुमारी सैलजा ने कहा कि देश का आम नागरिक आज बढ़ती महंगाई, रोजगार की चुनौतियों और घरेलू खर्चों के दबाव से जूझ रहा है। ऐसे समय में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में संभावित कमी न केवल आम परिवारों को राहत दे सकती है, बल्कि परिवहन और उत्पादन लागत कम होने से महंगाई पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से मांग की कि पेट्रोल, डीजल, सीएनजी तथा रसोई गैस की कीमतों की पारदर्शी समीक्षा कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई गिरावट का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाए।

पैनासोनिक का मध्य प्रदेश प्लांट बंद होने की कगार पर

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश के पीथमपुर में संचालित पैनासोनिक कंपनी का विनिर्माण संयंत्र वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के बढ़ते अनुपालन खर्च के कारण गंभीर आर्थिक दबाव में बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार कंपनी को औद्योगिक अपशिष्ट के संग्रहण, उपचार और सुरक्षित निस्तारण पर भारी राशि खर्च करनी पड़ रही है। जिससे उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रबंधन के सामने प्लांट के संचालन को लाभकारी बनाए रखना चुनौती बन गया है। बताया जा रहा है,यदि नियमों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो कंपनी उत्पादन घटाने या संयंत्र बंद करने जैसे विकल्पों पर विचार कर सकती है। इस संभावित निर्णय से क्षेत्र में रोजगार और स्थानीय औद्योगिक गतिविधियों पर असर पड़ना तय है। हालांकि कंपनी की ओर से प्लांट बंद करने को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। कंपनी ने सरकार को जरूर परेशानी से अवगत करा दिया है। सरकार ने जल्द हस्तक्षेप नहीं किया तो कंपनी प्लांट बंद करने का निर्णय ले सकती है।

विवादों में डेटाल का विज्ञापन,चीन में बायकॉट की उठी मांग

नई दिल्ली ।

ब्रिटिश हाइजीन ब्रांड डेटॉल (डेटाल) को चीन में जारी इस विज्ञापन के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस विज्ञापन का मकसद टॉक्सिक पुरुषों (खराब सोच वाले पुरुषों) की आलोचना करना था, लेकिन इसके महिलाओं के लिए अपमानजनक माना गया। कंपनी ने विज्ञापन हटाते हुए सार्वजनिक माफी मांगी। मई के आखिर में जारी किए गए पांच मिनट के विज्ञापन में एक पुरुष अपनी गर्लफ्रेंड की तुलना अपनी पुरानी पार्टनर से करता है। कहानी में वह एक ऐसी महिला की तलाश की बात करता है जो उसके अनुसार साफ और अनछुई हो। वह यह भी कहता है कि भले ही वह स्वयं वर्जिन न हो, लेकिन उसकी भावी पत्नी का वर्जिन होना जरूरी है। विज्ञापन के अंत में उसकी नई गर्लफ्रेंड को उसकी सोच का पता चलता है। वह उसकी महिला-विरोधी मानसिकता की आलोचना करते हुए उससे रिश्ता खत्म कर देती है। इसके बाद एक वॉयसओवर में कहा जाता है कि टॉक्सिक पुरुष भी कीटाणुओं की तरह होते हैं, जिन्हें खत्म करने के लिए डेटॉल की जरूरत होती है।

ओडिशा में 50,000 करोड़ का मेगा समुद्री विस्तार, नया बंदरगाह और जहाज निर्माण क्लस्टर

राज्य की सामरिक स्थिति मजबूत होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

नई दिल्ली ।

ओडिशा अपनी समुद्री क्षमता को अभूतपूर्व विस्तार देने की तैयारी में है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य लगभग 50,000 करोड़ रुपये के निवेश से गहरे समुद्र में एक नया बंदरगाह और एक जहाज निर्माण क्लस्टर विकसित करेगा। इस विशाल पहल का उद्देश्य भारत की पूर्वी तटरेखा पर ओडिशा की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा में योगदान देना और आर्थिक विकास को गति देना है। मुख्यमंत्री माझी ने बताया कि गंजम जिले के बहुदा में एक नए गहरे समुद्र बंदरगाह का विकास किया जा रहा है, जबकि केंद्रपाड़ा जिले में एक जहाज निर्माण क्लस्टर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और आर्थिक विकास के गहन संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि ये परियोजनाएं ओडिशा को भारत की उभरती हिंद-प्रशांत रणनीति के केंद्र में लाएंगी।

बहुदा में प्रस्तावित गहरे समुद्र बंदरगाह को 21,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से विकसित किया जाएगा। यह भारत के पूर्वी तट पर सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड बंदरगाह परियोजनाओं में से एक होगा, जिसकी माल ढुलाई क्षमता लगभग 15 करोड़ टन प्रति वर्ष होगी। यह खनिज समृद्ध ओडिशा और पड़ोसी राज्यों के लिए एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग प्रदान करेगा, साथ ही दक्षिणी ओडिशा में लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक क्लस्टरों को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही पारादीप के पास 24,700 करोड़ रुपये के निवेश से 12 लाख जीटी क्षमता वाला एक जहाज निर्माण और मरम्मत क्लस्टर स्थापित होगा। यह समुद्री औद्योगिक केंद्र जहाज निर्माण, मरम्मत डॉक और समुद्री उपकरण उत्पादन को बढ़ावा देगा। केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही इन परियोजनाओं के माध्यम से तटीय बुनियादी ढांचे, समुद्री रसद और जहाज निर्माण क्षमता को मजबूत करने पर केंद्रित हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और राज्य के आर्थिक परिदृश्य में परिवर्तन आएगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपय गुरुवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.34 पर बंद हुआ।

आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट से भी रुपया शुरुआती कारोबार में 31 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.24 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान ने भी रुपये को समर्थन दिया। हालांकि, विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपये की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.30 पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 31 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को 21

पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 101.50 पर रहा।

एशियाई बाजारों में जोरदार तेजी

मुंबई ।

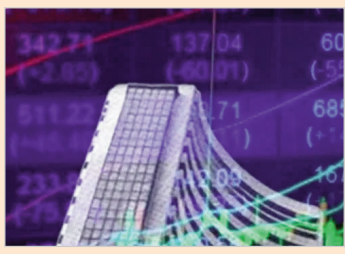

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकांश शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी देखने को मिली। इसकी बड़ी वजह अमेरिकी चिप निर्माता माइक्रान के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे और चालू तिमाही के लिए मजबूत राजस्व अनुमान रहे। जापान का निक्केई 225 करीब 3.37 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 4.89 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। एशियाई कारोबार के दौरान एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 1.68 फीसदी और नेस्डेक 100 फ्यूचर्स 0.48 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहे थे। हालांकि बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। नेस्डेक कम्पो जिट 0.43 फीसदी और एसएंडपी 500 0.10 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि डाउ जोंस 0.35 फीसदी चढ़ा।

एमेजॉन साईओ एंडी जेसी भारत में, क्विक डिलीवरी पर कंपनी का जोर

नई दिल्ली ।

एमेजॉन के मुख्य कार्यकारी एंडी जेसी अपने पहले भारत दौरे पर हैं, जहां कंपनी ने देश के तेजी से बढ़ते क्विक-कॉमर्स बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा एमेजॉन नाउ का 300 से अधिक शहरों में विस्तार करने की घोषणा की है।

उनका यह दौरा भारतीय बाजार के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साल 2021 में जेफ बेजोस के उत्तराधिकारी बनने के बाद, एंडी जेसी अभी मुंबई में हैं। उम्मीद है कि वे सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रमुखों से मुलाकात करेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की भी संभावना है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब एमेजॉन ब्लिंकइट, जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और फ्लिपकार्ट जैसे घरेलू क्विक-कॉमर्स प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रही है, जो अपने डार्क-स्टोर नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहे हैं।

इस प्रतिस्पर्धा का सीधा जवाब देते हुए एमेजॉन ने कहा है कि वह मिनटों में डिलीवरी वाला देश का सबसे बड़ा नेटवर्क बनाना चाहती है।

कंपनी के अनुसार, एमेजॉन नाउ एमेजॉन इंडिया के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाली ई-कॉमर्स इकाई है, जिसके ऑर्डर हर तिमाही में दोगुने हुए हैं। एमेजॉन इंडिया के कंट्री मैनेजर समीर कुमार ने बताया कि प्राइम सदस्यों से इसे शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, जो अपनी खरीदारी तीन गुना बढ़ा देते हैं। भारत में एक प्रयोग के तौर पर शुरू की गई यह सेवा अब दुनिया भर के कई देशों में भी विस्तारित हो रही है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 109,निफ्टी 34 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में आज दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी ही उतार-चढ़ाव बना रहने से दिन भर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 703 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 24,100 के स्तर से नीचे फिसल गया। इसके पीछे एक कारण मुनाफावसूली भी माना जा रहा है। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 109 अंक की बढ़त के साथ ही 77,100 पर और 50 अंक वाला एनएसई निफ्टी 34 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 24,056 पर बंद हुआ।

आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दोनों ही बेंचमार्क इंडेक्स लगातार ऊपर की तरफ जाने लगे। यह तेजी दोपहर तक ही रही इसके बाद बाजार

गिरने लगा। बाजार बंद होने तक सेंसेक्स करीब 703 अंक नीचे आ गय। वहीं निफ्टी 24,125 के स्तर पर खुला। बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप में 0.55 फीसदी की गिरावट देखी गई और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.47 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा तेजी इंटरग्लोब में देखने को मिल। वहीं इसके अलावा मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरो में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा नुकसान ओएनजीसी को हुआ जिसमें 2.88 फीसदी की गिरावट देखी गई। इसके अलाव पावर ग्रिड , हिंडाल्को के अलाव टेक महिंद्रा में भी गिरावट रही।

सेवा क्षेत्र की आर्थिक सेहत मापने को नया सूचकांक आधार वर्ष 2024-25 तय

पहला डेटा जुलाई 2026 में; औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की तर्ज पर करेगा काम

नई दिल्ली ।

देश के तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्र की आर्थिक सेहत का आकलन करने के लिए सांख्यिकी मंत्रालय एक नया संकेतक पेश करने जा रहा है। सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) नामक यह सूचकांक, जिसका आधार वर्ष 2024-25 होगा, हर महीने जारी किया जाएगा। यह घोषणा मंत्रालय ने बुधवार को अक्सर पूछे जाने वाले सवालों की एक सूची में की। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2026 के आंकड़ों के लिए पहला आईएसपी 14 जुलाई, 2026 को घोषित किया जाएगा। इसके बाद के आंकड़े हर महीने की 29 तारीख (अवकाश होने पर अगले कामकाजी दिन) को जारी किए जाएंगे।

मंत्रालय ने कहा कि यह सूचकांक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की तर्ज पर सेवा क्षेत्र में अल्पकालिक आर्थिक वृद्धि और बदलावों को मापने वाला एक महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक संकेतक होगा। आईएसपी को तैयार करने के तौर-तरीके मई 2025 में गठित

नीति आयोग की देबजानी घोष की अध्यक्षता वाली एक तकनीकी परामर्श समिति के साथ विचार-विमर्श के बाद तय किए गए हैं। इस सूचकांक में थोक-खुदरा व्यापार, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, दूरसंचार, होटल, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं जैसे कई प्रमुख उप-क्षेत्र शामिल होंगे। स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को निगमित सेवा क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के बाद आईएसपी ढांचे में शामिल करने का प्रस्ताव है।

बदलेंगे पेन के नियम छोटे लेनदेन में राहत, बड़े पर सख्ती

वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने को सरकार का नया कदम, उच्च-मूल्य लेनदेन में पेन अनिवार्य

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग जल्द ही पैन कार्ड नियमों में अहम बदलाव लागू करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और कर चोरी पर अंकुश लगाना है। इन नए नियमों के तहत, वित्तीय लेनदेन को छोटे और बड़े दो हिस्सों में बांटा गया है, जिसके अनुसार पेन की अनिवार्यता निर्धारित होगी। अब छोटे बैंकिंग लेनदेन, सीमित नकद भुगतान और कम मूल्य की खरीद जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए पेन कार्ड तुरंत जरूरी नहीं होगा, पर इनका रिकॉर्ड रखा जाएगा। वहीं, वार्षिक 10 लाख रुपये से अधिक नकद जमा/निकासी, 50,000 रुपये से अधिक म्यूचुअल फंड निवेश, 2 लाख से अधिक की नकद खरीदारी (जैसे आभूषण), 45 लाख से अधिक की संपत्ति खरीद और क्रेडिट कार्ड आवेदन जैसे बड़े लेनदेन के लिए पेन अनिवार्य रहेगा।

प्रमुख शहरों में कार्यालय परिसरों की पट्टा मांग में मामूली गिरावट

अप्रैल-जून तिमाही में कुल मांग 2 फीसदी घटकर 1.74 करोड़ वर्ग फुट हुई

नई दिल्ली ।

देश के शीर्ष सात शहरों में कार्यालय परिसरों को पट्टे पर लेने की सकल मांग अप्रैल-जून तिमाही के दौरान दो प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 1.74 करोड़ वर्ग फुट रह गई। एक संपत्ति परामर्शदाता द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछली तिमाही के मजबूत प्रदर्शन के बाद यह नरमी देखी गई है। हालांकि, इस दौरान विभिन्न शहरों में मांग के रुझान काफी अलग-अलग रहे। रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल-जून 2025 (संशोधित- अप्रैल-जून 2024) में पिछले वर्ष की समान अवधि के 1.78 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में यह गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और हैदराबाद में कार्यालय स्थानों की मांग में वृद्धि हुई, जबकि मुंबई, पुणे, चेन्नई और कोलकाता में गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु में सकल पट्टा मांग आठ प्रतिशत बढ़कर 52 लाख वर्ग फुट हो गई।

दिल्ली-एनसीआर में यह 23 प्रतिशत बढ़कर 27 लाख वर्ग फुट और हैदराबाद में 19 प्रतिशत बढ़कर 38 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई। इसके विपरीत, मुंबई में पट्टा मांग 29 प्रतिशत घटकर 20 लाख वर्ग फुट रह गई। चेन्नई में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ यह 20 लाख वर्ग फुट, पुणे में 25 प्रतिशत घटकर 12 लाख वर्ग फुट और कोलकाता में 17 प्रतिशत की कमी के साथ पांच लाख वर्ग फुट रही।

स्टीमहाउस इंडिया ने आईपीओ से पहले जुटाए 50 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

औद्योगिक भाप उपयोगिता सेवाएं प्रदान करने वाली स्टीमहाउस इंडिया लिमिटेड ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले निवेशक मधुसूदन केला समर्थित कोषों और निवेशाय संभव फंड से करीब 50 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने गुरुवार को जारी सार्वजनिक सूचना में बताया कि उसने 73 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 68,49,315 शेयर आवंटित किए हैं, जिससे निजी नियोजन के जरिये कुल 49.99 करोड़ रुपये जुटाए गए।इस लेनदेन के तहत सिंगुलैरिटी लार्ज वैल्यू फंड-3 ने 47.94 लाख शेयर के लिए 34.99 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं सिंगुलैरिटी इक्विटी फंड-1 ने 6.85 लाख इक्विटी शेयर खरीदकर पांच करोड़ रुपये का निवेश किया। निवेशाय संभव फंड ने 9.99 करोड़ रुपये का निवेश किया, जिसके बदले उसे 13.7 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए गए।पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों के अनुसार, आईपीओ के तहत प्रस्तावित नए शेयर निर्गम का आकार आईपीओ पूर्व नियोजन से जुटाई गई राशि के बराबर कम कर दिया जाएगा।सूरत स्थित कंपनी ने अपने प्रस्तावित आईपीओ के लिए अद्यतन दस्तावेज दिसंबर में सेबी के पास दाखिल किए थे।

अद्यतन मसौदा दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ में 345 करोड़ रुपये के नए शेयर और 80 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी अपने मौजूदा ऋण का एक हिस्सा चुकाने, अंकलेश्वर एवं पनोली स्थित संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने, दहेज विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में नई भाप उत्पादन इकाई स्थापित करने तथा सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में करेगी। नए नियमों में एक और बड़ा बदलाव किया गया है। पहले इस्तेमाल होने वाला फार्म 60 अब समाप्त कर दिया गया है और उसकी जगह फार्म 97 लागू किया गया है। हालांकि यह फॉर्म सभी जगह मान्य नहीं होगा। खासकर बड़े और हाई-वैल्यू ट्रांजैक्शन में पेन देना ही जरूरी होगा फार्म 97 की अनुमति नहीं मिलेगी।

पहले से आसान हो जाएंगे क्योंकि पेन की जरूरत कम होगी। लेकिन बड़े खर्च, निवेश और खरीदारी में अब अधिक सख्ती देखने को मिलेगी। बिना पेन के बड़ी डील करना मुश्किल हो जाएगा।

जिससे वित्तीय सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनने की उम्मीद है।

एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी का अनुमान जताया

कमजोर मानसून, ऊर्जा संकट और वैश्विक सुस्ती से जीडीपी 6.6 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी का अनुमान लगाया है। अपनी ताजा रिपोर्ट में एसएंडपी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र पर बढ़ते दबाव, कमजोर मानसून और वैश्विक अर्थव्यवस्था की सुस्त रफ्तार के कारण देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जबकि महंगाई बढ़कर 5.1 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है।

बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है।

एसएंडपी की रिपोर्ट बताती है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने पहले 7.7 फीसदी और 7.1 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की थी, लेकिन अब यह रफ्तार धीमी होगी।

अल-नीनो के कारण सामान्य से 43 फीसदी कम मानसूनी बारिश ने कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है।

भारत अपनी कच्चे तेल की 88 फीसदी जरूरत आयात करता है; पश्चिम एशिया में तनाव से अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें बढ़ने से देश का आयात बिल और औद्योगिक लागतें बढ़ी हैं। बढ़ते उर्वरक मूल्य भी खाद्य उत्पादन और महंगाई पर असर डालेंगे। एसएंडपी का अनुमान है कि उपभोक्ता महंगाई दर 5.1 फीसदी तक पहुंच सकती है। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक बढ़ती है, तो आरबीआई को वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों और निवेश पर भी असर पड़ेगा।

वैश्विक विमानन केंद्र बनेगा भारत

छह और शहरों में हब-एंड-स्पोक उड़ानें शुरू होंगी

वाराणसी ।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत को वैश्विक विमानन केंद्र बनाने के उद्देश्य से अगले छह सप्ताह में छह और शहरों में हब-एंड-स्पोक (एचएंडएस) मॉडल के तहत उड़ान सेवाएं शुरू होंगी। वाराणसी से इस मॉडल की पहली उड़ान सेवा शुरू की गई, जिसका लक्ष्य छोटे-मझोले शहरों को अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से निर्बाध रूप से जोड़ना है। इस व्यवस्था में, छोटे हवाई अड्डों (स्पोक) से यात्री बड़े हब हवाई अड्डों जैसे दिल्ली के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंचेंगे। नायडू ने वाराणसी हवाई अड्डे पर पहली 'हब-एंड-स्पोक' उड़ान (एआई1111) का शुभारंभ किया। यह उड़ान सुबह 9:30 बजे वाराणसी से रवाना हुई, जिसके यात्री दिल्ली के रास्ते दुबई, कोलंबो, जेद्दा, रियाद और फुकेत सहित नौ विदेशी गंतव्यों के लिए यात्रा करेंगे। एयर इंडिया इन सेवाओं को ईजी कनेक्ट उड़ानें

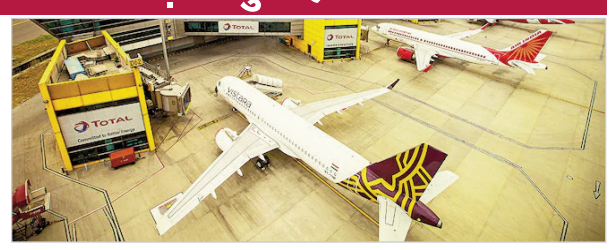

कह रही है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने बताया कि इनका विस्तार अमृतसर, अहमदाबाद, कोच्चि, गोवा, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों तक होगा। इन उड़ानों से यात्रियों को अपने प्रस्थान हवाई अड्डे पर ही सामान जमा करने और आव्रजन प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा मिलेगी। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह मॉडल छोटे शहरों को लाभ देगा और रोजगार, निवेश के अवसर पैदा करेगा।

मादक पदार्थों का बढ़ता साम्राज्य और सिमटते सपने

योगेश कुमार गोयल

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे।

ड्रग्स के दलदल में धंसती युवा पीढ़ी...

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, ऊर्जा और सृजनशीलता पर निर्भर करता है लेकिन जब यही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय संकट का रूप धारण कर लेती है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के सामने यही चुनौती खड़ी है। युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पूरी मानवता को चेताने का अवसर है कि यदि नशे के बढ़ते दुष्चक्र को समय रहते नहीं रोका गया तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतने पड़ेंगे।

भारत में नशे की समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह गांवों, कस्बों, छोटे शहरों और यहां तक कि स्कूलों तथा कॉलेजों तक पहुंच चुकी है। कभी माना जाता था कि नशीले पदार्थों का सेवन केवल संपन्न वर्ग या शहरी संस्कृति की समस्या है लेकिन आज वास्तविकता इससे कहीं अधिक भयावह है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि नशे का नेटवर्क अब समाज की हर परत तक पहुंच चुका है। आज का युवा अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, सामाजिक अपेक्षाएं, पारिवारिक तनाव, मानसिक अवसाद, अकेलापन और त्वरित सफलता की चाह उसे भीतर से कमजोर बना रही है। ऐसे में नशे के सौदागर युवाओं की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार मित्रों का दबाव, आधुनिक दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या क्षणिक सुख का आकर्षण युवाओं को नशे की ओर धकेल देता है। शुरूआत अक्सर जिज्ञासा से होती है लेकिन धीरे-धीरे यही जिज्ञासा लत और फिर विनाश का कारण बन जाती है।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जहां ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वहीं नशे के कारोबार को भी नए साधन उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स और

डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। अब नशे का सौदा किसी सुनसान गली तक सीमित नहीं बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नशे की पहुंच चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन परिसरों में देश के भविष्य का निर्माण होना चाहिए, वहां कुछ युवा अपने भविष्य को स्वयं नष्ट करने की राह पर बढ़ रहे हैं। आधुनिकता और स्वतंत्रता की गलत व्याख्या ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। कई युवाओं को यह भ्रम होता है कि नशा उन्हें अधिक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आधुनिक बनाता है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उसकी निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है, स्मरणशक्ति प्रभावित होती है, एकाग्रता घटती है और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। जो युवा अपने जीवन में बड़े सपने लेकर आगे बढ़ता है, वही नशे की गिरफ्त में आकर अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को स्वयं नष्ट कर देता है। यही कारण है कि नशे को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि मानव संसाधन के विनाश की समस्या माना जाता है।

नशीले पदार्थों का सबसे घातक प्रभाव यह है कि वे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से गुलाम बना देते हैं। एक बार लत लग जाने पर व्यक्ति उसी प्रभाव को बनाए रखने के लिए लगातार अधिक मात्रा में नशा लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका शरीर कमजोर होने लगता है, भूख कम हो जाती है, वजन घटता है, आंखें लाल रहने लगती हैं, नींद प्रभावित होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई मामलों में व्यक्ति आत्मघाती प्रवृत्तियों का शिकार भी हो जाता है। इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वालों के सामने खतरा और भी गंभीर होता है। एक ही सुई के बार-बार उपयोग से एचआईवी, हेपेटाइटिस और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है।

नशे का अवैध व्यापार दुनिया के सबसे लाभकारी अपराधों में शामिल है। अरबों-खरबों रुपये का यह कारोबार अंतर्राष्ट्रीय तस्करी, आतंकवाद, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत की भौगोलिक स्थिति इसे गोल्डन क्रेसेंट और गोल्डन ट्रायंगल जैसे नशीले पदार्थों के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण मार्ग बनाती है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों से आने वाली तस्करी की खेपें भारत के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ड्रग्स का यह अवैध कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहा है। ड्रोन, एन्क्रिप्टेड संचार माध्यम, फर्जी पहचान और डिजिटल भुगतान प्रणालियां तस्करों को नई ताकत प्रदान कर रही हैं। ऐसे में केवल पारंपरिक पुलिसिंग से इस समस्या पर नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए तकनीकी, सामाजिक और कानूनी स्तर पर व्यापक रणनीति की आवश्यकता है।

भारत में हालांकि मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन को रोकने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं लेकिन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौती अभी भी बनी हुई है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस, प्रशासन या सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों को अपने बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा। शिक्षण संस्थानों को नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक और सामाजिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। दरअसल नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार जागरूकता, शिक्षा और सकारात्मक वातावरण है। यदि युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार, खेल, कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए तो वे नशे जैसे विनाशकारी रास्तों से दूर रह सकते हैं। हमें युवाओं को केवल नशे के दुष्परिणाम बताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें जीवन का सकारात्मक उद्देश्य भी देना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के हाथों में नशे की पुड़िया नहीं, ज्ञान की पुस्तक हो; उनकी आंखों में नशे का धुंधलापन नहीं, सपनों की चमक हो; और उनकी सोच पर नशे का ग्रहण नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का उज्ज्वल प्रकाश हो। यही नशा-मुक्त भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव भी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा नशे के दुष्प्रभावों पर 1993 में पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

संपादकीय

सूखे की आहट

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कमजोर रहने की चिंताओं के बीच देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल-फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसन्न संकट की गंभीरता को भी दर्शाता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती की मॉनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मॉनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है। साथ ही कोशिश है कि किसानों के लिये बीज-उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। देश में दालों, तिलहन और मोटे अनाजों की खेती को प्राथमिकता देना जरूरी है, क्योंकि ये फसलें कम पानी में भी सामान्य उत्पादन दे सकती हैं। सुखद ही है कि अल नीनो मॉनिटरिंग सेल को सक्रिय किया गया ताकि कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिये रियल-टाइम सलाह किसानों को देकर सूखे के प्रभावों को कम किया जा सके। निश्चित रूप से पूरी तैयारी के साथ सूखे से मुकाबले का मतलब है कि हमने आधी लड़ाई जीत ली है। आज जरूरत इस बात की है कि सूखे की आशंका के बीच जल संकट से मुकाबले के लिये एक प्रभावी समग्र नीति बने। समय-समय पर इन नीतियों में सुधार किया जाए। जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन संकट के दौर में मानसून के व्यवहार में अनिश्चितता के बीच खेती की बारिश पर निर्भरता को कम करने के लिये व्यापक रणनीति तैयार की जाए। इसके लिये जरूरी है कि सूक्ष्म-सिंचाई सुविधा का विस्तार, जल निकायों के पुनरुद्धार, भूजल प्रबंधन को बेहतर बनाने और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा देने के प्रयास हों। हम मौसम के बदलते मिजाज पर हर बार प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें। हमें किसानों को आर्थिक संकट से उबारने को अपनी वरीयता सूची में शामिल करना चाहिए। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की रक्षा के लिये बीमा कवरेज अभी भी ज्यादा प्रभावी नहीं है। किसानों को फसलों को क्षति पहुंचने पर मुआवजा लेने के बारे में व्यावहारिक जानकारी अक्सर कम ही होती है। वैसे तो देश में अनाज का पर्याप्त भंडारण है और आपातकालीन व्यवस्था के चलते देश की खाद्य सुरक्षा को तुरंत कोई बड़ा खतरा नहीं है।

चिंतन-मनन

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी।

तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था।

तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रतिभा केंद्र और उज्ज्वल भविष्य की नई शक्ति

कांतिलाल मांडोत

इक्कीसवीं सदी में यदि किसी देश ने अपनी प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को प्रभावित किया है तो वह भारत है। कभी ऐसा समय था जब देश के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक इंजीनियर शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ बेहतर अवसरों की तलाश में विदेशों की ओर जाते थे। उस दौर में इसे ब्रेन ड्रेन कहा जाता था और चिंता जताई जाती थी कि देश की सबसे मूल्यवान संपत्ति विदेशों की प्रगति में योगदान दे रही है। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। भारत अब केवल प्रतिभा देने वाला देश नहीं रहा बल्कि प्रतिभाओं को वापस आकर्षित करने वाला विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

आज दुनिया के विकसित देशों में भारतीय प्रतिभा की धाक है। अमेरिका ब्रिटेन कनाडा ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों की बड़ी कंपनियों में भारतीय पेशेवर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विज्ञान इंजीनियरिंग चिकित्सा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब कहा जा रहा है। हाल के वर्षों में एक नई और उत्साहजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर विदेशों से वापस अपने देश लौट रहे हैं। वे केवल नौकरी करने नहीं आ रहे बल्कि भारत में अवसरों का नया संसार खड़ा कर रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में एक लाख बत्तीस हजार से अधिक उच्च कौशल वाले भारतीय पेशेवर अपने देश लौटे। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल सपनों का देश नहीं बल्कि सपनों को साकार करने का सबसे उपयुक्त स्थान बनता जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लौटने वाले भारतीय युवा उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो भविष्य की दिशा तय करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता डीप टेक सेमीकंडक्टर एयरोस्पेस क्लाइमेट टेक और उन्नत अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञ नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। वे रिसर्च लैब बना रहे हैं नई तकनीक विकसित कर रहे हैं और दुनिया की चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं। यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी पुनर्जागरण का संकेत है।

दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञों की संख्या सीमित है लेकिन उनमें भारतीयों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत एआई प्रतिभा उपलब्ध कराने वाले देशों में सबसे आगे है। भारतीय इंजीनियर और वैज्ञानिक वैश्विक तकनीकी विकास की रीढ़ बन चुके हैं। आज दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां भारतीय प्रतिभा के बिना अपनी कल्पना भी नहीं कर सकतीं। यह स्थिति भारत की शिक्षा व्यवस्था मेहनतकश युवाओं और ज्ञान आधारित संस्कृति की सफलता को दर्शाती है।

भारत की बढ़ती ताकत का एक कारण उसका विशाल युवा वर्ग भी है। देश की बड़ी आबादी युवा है और यह युवा वर्ग नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है। भारतीय युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहते बल्कि वे रोजगार देने वाले बनना चाहते हैं। स्टार्टअप संस्कृति ने इस सोच को नई दिशा दी है। देश में दो लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप सक्रिय हैं और इनमें से अनेक वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारत में नवाचार और उद्यमिता का वातावरण तेजी से मजबूत हो रहा है।

विदेशों से लौट रहे पेशेवरों के पीछे केवल भावनात्मक कारण ही नहीं हैं बल्कि भारत में उपलब्ध अवसर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित देशों में आर्थिक मंदी और बदलती आव्रजन नीतियों ने भी लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। दूसरी ओर भारत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मजबूत डिजिटल ढांचा और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियां प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं। अब भारतीय विशेषज्ञों को लगता है कि वे अपने देश में रहकर भी विश्व स्तरीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

भारत सरकार ने भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं। विदेशों से लौटने वाले शीर्ष वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को आकर्षक शोध अनुदान और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सस्ती सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे युवा शोधकताओं और स्टार्टअप्स को अत्यधिक लाभ मिल रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं ताकि भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रतिभा और अवसर का संगम तेजी से मजबूत हो रहा है। पहले प्रतिभा थी लेकिन अवसर सीमित थे। अब अवसर भी बढ़ रहे हैं और संसाधन भी उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली भारतीय अब यह नहीं पूछते कि भारत क्यों लौटें बल्कि वे यह सोचते हैं कि अपने भविष्य का निर्माण किसी दूसरे देश में क्यों करें। यह सोच भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और गर्व का प्रतीक है।

भारतीय प्रतिभा केवल आर्थिक विकास में योगदान नहीं दे रही बल्कि देश की वैश्विक प्रतिष्ठा भी बढ़ा रही है। जब कोई भारतीय वैज्ञानिक नई खोज करता है जब कोई भारतीय उद्यमी वैश्विक कंपनी खड़ी करता है या जब कोई भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है तब पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ता है। आज भारत ज्ञान विज्ञान और नवाचार की शक्ति के रूप में पहचाना जा रहा है। आने वाले वर्षों में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हरित ऊर्जा अंतरिक्ष विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत के पास अपार संभावनाएं हैं। यदि देश इसी गति से आगे बढ़ता रहा तो वह केवल प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला राष्ट्र नहीं रहेगा बल्कि विश्व के वैज्ञानिक और तकनीकी नेतृत्व का केंद्र बन जाएगा। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। यह ऐसा भारत है जो अपने युवाओं की क्षमता पर भरोसा करता है। यह ऐसा भारत है जो दुनिया को केवल मानव संसाधन नहीं बल्कि विचार नेतृत्व नवाचार और समाधान प्रदान कर रहा है।

क्या भारतीय महिलाओं की पहचान सोनम मुस्कान और सिया बनेंगी?

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब दो साल पहले हनीमून ट्रिप पर अपने पति राजा रघुवंशी को अपने प्रेमी के साथ मिल कर मौत के घाट उतारने वाली सोनम की तर्ज पर ही अब पुणे की एक युवती ने अपने आशिक के साथ मिलकर अपने अरबपति बिजनेसमैन मंगेतर को पहाड़ी से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद मामले की सघन जांच कर युवती सिया गोयल और उसके आशिक प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

यह वारदात समाज में पनप रहे लव अफेयर्स और प्रेमी को पाने के लिए हिंसा की ओर प्रवृत होती युवा पीढ़ी का अनावरण करती है वहीं दूसरी ओर इश्क के जुनून में बेगुनाह मंगेतर और पति के कत्ल से भी गुरेज नहीं करने वाली कथित एलीट एजुकेटेड बिंदास लड़कियों के व्यवहार में हो रहे बर्बरता भरे हिंसक व्यवहार का भी खुलासा करती है।

सावधान यदि आप किसी लड़की के रंगरूप आकर्षक शरीर सौष्ठव भोले चेहरे को देख कर अपना जीवन साथी बना रहे हैं तो पहले उसके बीते और वर्तमान दिनचर्या की ढंग से पड़ताल कर लें अन्यथा इंदौर के राजा रघुवंशी और पुणे के केतन अग्रवाल की तरह अपनी मंगेतर सिया या सोनम के हाथों जान गंवा सकते हैं।

पहले ये सब फिल्मी परदे या ओटीटी चैनल पर देखने को मिलता था लेकिन अब आए दिन कथित माडर्न लिबरल गर्ल्स से लेकर अनपढ़ गंवार समझी जाने वाली ग्रामीण युवतियां भी अपने प्रेमियों के हाथों पति का नृशंस कत्ल करा कर फर्जी कहानियां गढ़ कर मगरमच्छी आंसू बहा देती है। बाद में पुलिस इन वारदातों का अनावरण कर ऐसा सच सामने लाती है कि कलेजा कांप जाता है।

महाराष्ट्र के पुणे से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। पुणे के एक नामी रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर केतन विशाल अग्रवाल के हत्या के मामले में अब जैसे-जैसे खुलासे सामने आ रहे हैं, वैसे-वैसे ये मामला और बड़ा और भयावह बनता जा रहा हैशुरूआत से बात करें तो केतन की मौत लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से हुई और इसे पहले महज एक हादसा समझा जा रहा था, लेकिन अब जब सच सामने आया तब यह हत्या का मामला बन गया है। मामले में पुलिस ने केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही दोनों आरोपियों को सात दिन की पुलिस हिरासत भेजा गया है।

बता दें कि केतन और सिया की सगाई इसी साल फरवरी में हुई थी और नवंबर में राजस्थान के एक महल में उनकी शाही शादी होने वाली थी। दोनों 6 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए इंडोनेशिया के बाली जाने वाले थे।खबरों के मुताबिक दोनों परिवारों ने राजस्थान में शादी के लिए 17 करोड़ रुपये में एक महल बुक किया था और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए दो प्राइवेट प्लेन का भी इंतजाम किया गया था। बाली जाने के लिए जब वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे, तो बाकी सबके पासपोर्ट सुरक्षित थे, लेकिन सिर्फ केतन का पासपोर्ट गायब था। यह सिया गोयल की जानबूझकर साजिश थी ताकि पासपोर्ट न होने के कारण केतन बाली नहीं जा सका और उसे एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा। पिता का आरोप है कि यह पूरी तरह सोची-समझी साजिश थी ताकि ट्रिप कैंसिल हो जाए।जानकारी के अनुसार बाली ट्रिप कैंसिल होने के बाद सिया ने एक नया प्लान बनाया। 19 जून को सिया का जन्मदिन था। केतन के पिता के मुताबिक, सिया ने जिद की और झगड़ा करके केतन को 18 जून को ही प्री-बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए पुणे के पास लोहगढ़ किले चलने के लिए राजी कर लिया।

इसके बाद केतन 18 जून की सुबह 8:20 बजे घर से निकला। करीब ढाई घंटे बाद, सुबह 10:45 बजे सिया की मां का फोन केतन के परिवार के पास आया कि केतन लोहगढ़ किले की घाटी में गिर गया है। सिया ने पुलिस को बताया कि तेज हवाओं के कारण पैर फिसलने से केतन 400 फीट गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने भी शुरूआत में इसे एक दर्दनाक हादसा मानकर केस दर्ज किया था।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने बताया कि जब पुलिस केतन का शव लेकर आई, तो सिया के बर्ताव ने सबको चौंका दिया। उन्होंने बताया कि जब किसी महिला के मंगेतर या पति की मौत होती है, तो वह टूट जाती है। लेकिन सिया के चेहरे या व्यवहार में दुख का कोई नामोनिशान नहीं था। वह बिल्कुल सामान्य दिख रही थी। यही पहली बात थी जिसने हमें झकझोर दिया, लेकिन उस वक्त अस्पताल भागने की जल्दी में हमने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में एक बड़े कारोबारी के बेटे केतन अग्रवाल की लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से मौत हो गई, जिसे पहले हादसा समझा गया था लेकिन बाद में हत्या निकली। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर उसे मारकर खाई में धकेला था, दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

आपको बता दें इसी तर्ज पर एक साल पहले इंदौर के 29 वर्षीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की उसकी नवविवाहिता पत्नी सोनम ने अपने दोस्तों की मदद से हत्या की थी राजा रघुवंशी की शादी 11 मई 2025 को 25 वर्षीय सोनम रघुवंशी से हुई थी। शादी के बाद दोनों 20 मई 2025 को हनीमून के लिए मेघालय के शिलांग गए थे। 23 मई 2025 को चेरापुंजी (सोहरा) के पास एक होमस्टे से निकलने के बाद राजा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। शुरूआत में इसे सामान्य गुमशुदगी या लूटपाट का मामला दिखाने की कोशिश की गई।बाद में सोनम और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह

मेरठ का सबसे चर्चित और रूह कंपा देने वाला मामला है। इसमें मुख्य आरोपी मुस्कान रस्तोगी नाम की महिला है।मार्च 2025 में मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की बेरहमी से हत्या कर दी। सौरभ को पहले नशीली दवा दी गई, फिर चाकू और उस्तरे से उसका गला रेता गया। शव को कई टुकड़ों में काटकर एक नीले ड्रम में डाला गया और बदबू छिपाने के लिए उसे सीमेंट और रेत के मिक्चर से जमा दिया गया। सौरभ अपनी बेटी को अपने साथ लंदन ले जाना चाहता था, लेकिन मुस्कान मेरठ में अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती थी।

सवाल उठता है कि भारतीय समाज किधर जा रहा है। भारतीय समाज में एक आदर्श महिला का चरित्र पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक प्रगति का एक अनूठा संगम है। इसे मुख्य रूप से त्याग, सहनशीलता, संस्कार, पारिवारिक एकजुटता, और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। क्या भारतीय महिलाओं की पहचान अब सीता गार्गी कुन्ती तारा शबरी मंदोदरी द्रोपदी मैत्रेयी मदालसा देवहूति अरूंधती से न होकर सोनम मुस्कान और सिया गोयल जैसी पथभ्रष्ट युवतियों से होगी?

संक्षिप्त समाचार

भारतीय-बांग्लादेशी मजदूरों का हंगामा: महीनों से नहीं मिला वेतन, रोजमर्रा का खर्च चलाना भी मुश्किल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में काम कर रहे भारत और बांग्लादेश के करीब 400 प्रवासी मजदूर इन

दिनों मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। इन मजदूरों का आरोप है कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने रोजमर्रा का खर्च चलाना भी चुनौती बन गया है। यह मामला तब सामने आया जब करीब 100 मजदूरों ने सिंगापुर के श्रम मंत्रालय से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद मंत्रालय ने केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज नाम की दो कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी। जांच शुरू होने के बाद और भी मजदूर सामने आए, जिससे प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बढ़कर लगभग 400 तक पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, दोनों कंपनियों का संचालन एक ही डायरेक्टर से जुड़ा हुआ है। यह भी सामने आया है कि वह कई अन्य कंपनियों से भी संबद्ध है। इस बीच, कंपनियों के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि मजदूरों को खाना उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने भी भुगतान न मिलने के कारण सप्लाई रोक दी है। ऐसे में कई मजदूरों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया। राहत की बात यह है कि प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले कुछ गैर-सरकारी संगठन आगे आए हैं और प्रभावित श्रमिकों को भोजन व अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर ने 300 से ज्यादा मजदूरों से मुलाकात कर उन्हें मदद का भरोसा दिया है। वहीं, अधिकारियों ने मजदूरों को सलाह दी है कि वेतन विवाद के निपटारे तक वे नई नौकरी तलाश सकते हैं। इसके लिए उन्हें विशेष पास भी दिया जा सकता है, जिससे वे कानूनी रूप से सिंगापुर में रह सकें।

जर्मनी में रेल सेवाएं ठप, संचार प्रणाली में आई खराबी; स्टेशनों पर फंसे हजारों यात्री

बर्लिन, एजेंसी। संचार प्रणाली में आई तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार देर रात जर्मनी की

रेल सेवाएं ठप हो गईं। इसके चलते देशभर में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेनें रुक जाने से कई यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंस गए। अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे यात्रियों की स्टेशन सूचना केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं, जहां वे आगे की यात्रा के बारे में जानकारी लेने पहुंचे थे। जर्मनी की प्रमुख राष्ट्रीय रेल कंपनी डॉयचे बान ने बताया कि जीएसएम-आर डिजिटल संचार प्रणाली में देशव्यापी समस्या आने के कारण सभी ट्रेनों को स्टेशनों पर रोक दिया गया। यह प्रणाली रेलवे नेटवर्क के भीतर आंतरिक संचार के लिए इस्तेमाल की जाती है। डॉयचे बान ने आधी रात जारी बयान में कहा कि समस्या की वजह का पता लगा लिया गया है, लेकिन यह नहीं बताया कि खराबी किस कारण हुई। कंपनी ने कहा, 'तकनीशियन समाधान निकालने के लिए गहनता से काम कर रहे हैं।' कंपनी ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को टैक्सी और होटल वाउचर उपलब्ध कराए जाएंगे। जहां संभव होगा, वहां स्टेशनों पर खड़ी ट्रेनों को यात्रियों के बैठने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी ने स्थिति के लिए खेद भी जताया। खराबी की सूचना मिलने के करीब दो घंटे बाद नेटवर्क के कुछ हिस्सों में ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। बर्लिन के कम्यूटर रेल नेटवर्क ने कहा कि ट्रेनें चल रही हैं, लेकिन यात्रियों को अभी भी देरी और रद्द होने की आशंका के लिए तैयार रहना चाहिए। पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय रेल सेवाएं संचालित करने वाली डीबी रेजियो मिट्टे ने भी बताया कि सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में कूदे 40 लोग सभी की डूबने से मौत

लंदन , एजेंसी। यूरोप में जारी भीषण गर्मी अब जानलेवा साबित हो रही है। फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों में हीटवेव के चलते अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में उतरे करीब 40 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में अधिकांश युवा बताए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भीषण गर्मी से परेशान होकर कई लोग असुरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों में नदी में नहाने के लिए उतर गए थे। हालांकि, तेज बहाव और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये लोग हादसे का शिकार हो गए। विशेषज्ञ इसे यूरोप में चल रही भीषण गर्मी के खतरनाक प्रभावों का संकेत मान रहे हैं।

सबसे गर्म रात के बाद बुलाई गई आपात बैठक

फ्रांस में रिकॉर्ड स्तर की गर्म रात दर्ज किए जाने के बाद मंगलवार को सरकार ने आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में लोगों को गर्मी से बचाव और सुरक्षा उपायों को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के बाद फ्रांसीसी मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने

कहा कि डूबने से जान गंवाने वालों में अधिकांश युवा थे। उन्होंने इन मौतों को ÷दुखद आपदा÷ बताते हुए कहा कि ये लोग उस संकट के पहले शिकार हैं, जिसका सामना पूरा देश कर रहा है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि हीटवेव के दौरान किसी भी प्रतिबंधित या असुरक्षित जल क्षेत्र में तैराकी करने से बचें। गर्मी का कहर केवल जल दुर्घटनाओं तक सीमित नहीं रहा। दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के कारपेंट्रास इलाके में दो और चार वर्ष की उम्र के दो बच्चों की मौत की सबसे संभावित वजह हीट स्ट्रोक बताई गई है। दोनों बच्चे अपने घर के बाहर खड़ी कार में बेहोश पाए गए थे। इसके अलावा, बोर्डो क्षेत्र में गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 80 से 95 वर्ष आयु वर्ग के तीन बुजुर्गों की भी मौत हो गई। 1947 के बाद सबसे गर्म रात दर्ज

फ्रांस की मौसम एजेंसी ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की रात 1947 से रिकॉर्ड रखे जाने के बाद की सबसे गर्म रात साबित हुई। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, देश का औसत तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 2019 में बने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हीटवेव की वजह से बोर्डो, पोइटियर्स समेत कई शहरों में तापमान ने नए रिकॉर्ड बना दिए। बढ़ती गर्मी से बिजली आपूर्ति और सार्वजनिक सेवाओं पर भी भारी दबाव देखने को मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौसम विभाग ने फ्रांस के 54 शहरों में हीटवेव अलर्ट जारी किया है।

नीरव मोदी को बड़ा झटका: ब्रिटिश कोर्ट का आदेश- बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा

लंदन, एजेंसी। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटिश कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब नीरव मोदी को बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश साइमन टिंकलर ने नीरव को व्यक्तिगत गारंटी के तहत देनदार ठहराया। खबरों के मुताबिक नीरव पर 4.1 मिलियन डॉलर (लगभग 38.9 करोड़ रुपये) की मूल राशि बकाया है। बैंक इसमें निर्धारित ब्याज भी जोड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को (ब्रिटिश टाइम) हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान नीरव या उनके वकील ने अपने बचाव में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। नीरव ने तर्क दिया था कि गारंटी लागू करने योग्य नहीं थी। उसने बैंक से वैध मांगें कभी प्राप्त नहीं की थीं। बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई 2012 में नीरव की कंपनी फायरस्टार डायमंड एफजेडई को दुबई में कर्ज दिया था। नीरव ने 3 अगस्त 2013 को इसकी व्यक्तिगत गारंटी दी थी। 2018 की शुरुआत में, जब नीरव द्वारा पंजाब नेशनल बैंक में कथित धोखाधड़ी की खबर फैली, तो बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज वापस मांगने का फैसला किया। मार्च और अप्रैल 2018 में फायरस्टार और नीरव को भेजे गए नोटिस का जवाब नहीं मिला। 8 मार्च 2024 को बैंक ऑफ इंडिया ने 4.1 मिलियन डॉलर की मूल राशि और ब्याज के लिए सारांश निर्णय प्राप्त किया। बैंक ने अक्तूबर 2025 में नीरव को एक और मांग भेजी। न्यायाधीश टिंकलर ने कहा कि फरवरी 2018 से फायरस्टार समूह की हर कंपनी प्रभावित हुई थी। न्यायाधीश टिंकलर ने बताया कि 17 फरवरी 2018 को नीरव ने बैंक को ईमेल भेजा था। इसमें उसने मीडिया की हलचल से संचालन बंद होने की बात कही थी। उसने समूह की बैंकों को बकाया चुकाने में असमर्थता भी बताई थी। नीरव ने अप्रैल 2018 और अक्तूबर 2025 की मांगें मिलने से इन्कार किया।

कैलिफोर्निया की लाइब्रेरी में 18 साल के लड़के ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 2 की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया से एक बेहद दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां चिको शहर की एक पब्लिक लाइब्रेरी में 18 साल के एक सिरफिरे लड़के ने पूरी प्लानिंग के साथ अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस खौफनाक हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई है। राहत की बात यह रही कि अमेरिकी पुलिस ने सूचना मिलने के महज 4 मिनट के भीतर ही जान की बाजी लगाकर शूटर को जिंदा दबोच लिया जिससे लाइब्रेरी के अंदर

मौजूद दर्जनों अन्य लोगों की जान बच गई। अधिकारियों के अनुसार संदिग्ध ने लाइब्रेरी के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक व्यक्ति को गोली मार दी और फिर इमारत के भीतर घुसकर एक महिला की भी गोली मारकर हत्या कर दी। चिको के पुलिस प्रमुख बिली एल्ड्रिज ने बताया कि सोमवार शाम ब्यूट काउंटी लाइब्रेरी की चिको शाखा से संबंधित आपातकालीन फोन कॉल में गोलियों की आवाजें और लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के दो मिनट के भीतर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। एल्ड्रिज ने जान-माल के और नुकसान को रोकने पर पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए कहा, पहली आपातकालीन कॉल मिलने से लेकर संदिग्ध को हिरासत में लेने तक की पूरी कार्रवाई चार मिनट से भी कम समय में पूरी हो गई।

पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से ही रचा ली शादी, फिर 1 साल बाद हो गई बोर

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। रिलेशनशिप में बार-बार धोखा खाने और पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से शादी (करने वाली लंदन की एक मशहूर मॉडल अब एक नए कारण से सुर्खियों में हैं। मर्दों से तंग आकर खुद को अपना जीवनसाथी बनाने वाली 36 वर्षीय ब्राजीलियन इन्फ्लुएंसर सुलेन कैरी ने शादी के ठीक एक साल बाद अब खुद से ही तलाक ले लिया है। सुलेन का कहना है कि वह खुद के साथ इस रिश्ते को निभाते-निभाते इतनी थक गई और बोर हो गई कि अब उन्हें खुद से ही ब्रेकअप करना पड़ा।

बता दें कि पिछले साल सुलेन कैरी की इस अनोखी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। पुरुषों के साथ बेहद कड़वे अनुभवों के बाद सुलेन ने फैसला किया था कि वह किसी और के भरोसे रहने के बजाय खुद को ही अपनी सोलमेट बनाएगी। उन्होंने लंदन में एक शानदार पार्टी रखी, सफेद वेडिंग गाउन पहना, केक काटा और खुद से हमेशा प्यार करने का वादा किया। शादी के बाद सुलेन खुद ही अकेले डेट पर जाती थीं, खुद को महंगे तोहफे देती थीं और अपनी खुशियां खुद तय करती थीं। शादी के 12 महीनों बाद सुलेन ने

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद चौंकाने वाली पोस्ट शेयर की जिसने इंटरनेट पर नई बहस छेड़ दी है। सुलेन ने लिखा कि शुरुआत में सब कुछ बहुत अच्छा और आज़ाद था लेकिन धीरे-धीरे खुद के साथ चौबीसों घंटे रहना एक दबाव बनने लगा। वह अंदर से बेहद अकेलापन महसूस करने लगीं।

मॉडल ने अपनी पोस्ट में कुबूल किया, मैं खुद से शादी करके खुश थी लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं खुद को ही एग्जॉस्ट (मानसिक रूप से थका) कर रही हूं। मुझ पर खुद को हमेशा परफेक्ट रखने का इतना प्रेशर था कि मैं खुद को भी सहन नहीं कर पा रही थी। सुलेन के इस सेल्फ-डिवोर्स की खबर आते ही सोशल मीडिया यूजर्स दो गुटों में बंट गए हैं। कुछ लोग इसे केवल सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स बटोरने का एक पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं जबकि कुछ यूजर्स मजे लेते हुए लिख रहे हैं– जब मैडम से खुद का साथ सहन नहीं हो रहा, तो वो किसी और पुरुष को कैसे झेल पातीं? वहीं रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि सोलोगैमी यानी खुद से शादी करना आत्म-सम्मान के लिहाज से एक अच्छा विचार लग सकता है लेकिन लंबे समय तक इंसानी स्वभाव अकेले नहीं रह सकता। इंसान एक सामाजिक प्राणी है। किसी भी रिश्ते में जो भावनात्मक सपोर्ट और सुख-दुख साझा करने के लिए दूसरे पार्टनर की जरूरत होती है वह इंसान खुद अकेले रहकर कभी पूरी नहीं कर सकता।

27 वर्षीय भारतीय महिला ने जीता फ्री लग्जरी अपार्टमेंट

दुबई , एजेंसी। दुबई में रहने वाली 27 वर्षीय भारतीय महिला की किस्मत उस समय चमक गई जब उसने एक शॉपिंग कैंपेन के जरिए मुफ्त में एक स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया। केरल मूल की आयशा अमीर इस विशेष आवासीय अभियान की पहली विजेता बनी हैं, जिसे दुबई में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए शुरू किया गया है।

जानकारी के अनुसार, आयशा ने शहर में खरीदारी के दौरान एक लकी ड्रॉ में हिस्सा लिया था। इस अभियान के तहत ग्राहकों को भाग लेने वाले स्टोर्स से कम से कम 500 दिरहम की खरीदारी करनी होती है। इसके बाद क्यूआर कोड स्कैन कर खरीदारी की रसीद अपलोड करनी होती है, जिससे उनका नाम ड्रॉ में शामिल हो जाता है।

आयशा ने बताया कि उन्हें इस अभियान की जानकारी उनके पति ने दी थी। उन्होंने मॉल और सोशल मीडिया पर इसके विज्ञापन देखे थे, जिसके बाद आयशा ने भी इसमें हिस्सा लेने का फैसला किया। जब उन्हें जीत की सूचना देने के लिए फोन आया तो शुरुआत में उन्हें विश्वास नहीं हुआ। उन्हें लगा कि शायद कोई धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि बाद में आयोजकों की ओर से आधिकारिक ईमेल और जरूरी जानकारी मिलने के बाद उन्हें यकीन हुआ कि उन्होंने वास्तव में एक लग्जरी स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया है। आयशा और उनके पति पिछले साल विवाह बंधन में बंधे थे और भविष्य में अपना घर खरीदने की योजना बना रहे थे। लेकिन इस साल क्षेत्रीय परिस्थितियों और अनिश्चितताओं के कारण उन्होंने फिलहाल अपना फैसला टाल दिया था। ऐसे में

मुफ्त अपार्टमेंट जीतना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग दूसरों को बड़े इनाम जीतते हुए देखते हैं और सोचते हैं कि ऐसा उनके साथ कभी नहीं होगा। लेकिन उनकी जीत यह साबित करती है कि कभी-कभी किस्मत अप्रत्याशित तरीके से भी दरवाजा खटखटा सकती है। इस अभियान के तहत कुल 12 अपार्टमेंट विजेताओं को दिए जाएंगे। अगस्त के अंत तक हर सप्ताह नए विजेताओं की घोषणा की जाएगी। इस पहल में करीब 1,000 ब्रांड और 4,000 से अधिक रिटेल आउटलेट शामिल हैं। आयोजकों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ खरीदारी को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि दुबई के निवासियों और ग्राहकों को खास अनुभव देना भी है। सरल प्रक्रिया और आकर्षक इनामों के कारण यह कैंपेन लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

ग्रीन कार्ड धारकों की बढ़ीं मुश्किलें, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला- अपराध किया तो मिलेगा देश निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक अहम फैसला दिया, जिससे अमेरिका में रहने वाले ग्रीन कार्ड धारकों की परेशानी बढ़ना तय है। दरअसल इस फैसले के बाद अगर कोई ग्रीन कार्ड धारक नैतिक पतन से जुड़ा अपराध करता है तो उसे स्थायी नागरिक होने के बाद भी अमेरिका से निर्वासित किया जा सकेगा। अमेरिका के सीमा सुरक्षा अधिकारियों को अब ऐसे लोगों को अमेरिका से निकालना आसान होगा। अमेरिकी न्यायाधीश क्लेरेंस थॉमस ने फैसले में कहा कि आव्रजन अधिकारियों को अब स्पष्ट सबूतों की जरूरत नहीं होगी और अगर उन्हें लगता है कि अपराध हुआ है तो भी वे कार्रवाई कर सकते हैं। जज ने कहा कि अप्रवासन और नेशनलिटी एक्ट में सबूतों की जरूरत की बात नहीं है। दरअसल एक याचिकाकर्ता मुक चोइ लाउ ने अपनी याचिका में बताया कि वह चीनी नागरिक है, लेकिन उसके पास अमेरिका में स्थायी निवास के लिए ग्रीन कार्ड है। ट्रेडमार्क में जालसाजी के आरोप में लाउ को साल 2012 में चीन से लौटते समय न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवेश नहीं दिया गया था। हालांकि उस समय उन्हें सशर्त प्रवेश की मंजूरी दी गई। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लाउ ने बाद में जाली नोट बनाने के आरोपों को भी स्वीकार किया। जिसके बाद उसे देश से निर्वासित करने का

मिसाइलों के दम पर बचा ईरान

राष्ट्रपति पेजेशकियन बोले- यूएस के साथ समझौते में शामिल नहीं हमारा मिसाइल कार्यक्रम

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम अमेरिका के साथ हुए 14 सूत्रीय समझौते का हिस्सा नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी मिसाइलों को लेकर ऐसा कोई समझौता नहीं होगा। पेजेशकियन ने यह बात पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मीडिया वार्ता के दौरान कही। राष्ट्रपति ने अपने देश के मिसाइल कार्यक्रम का पुरजोर बचाव किया। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें ईरान की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं। उनके मुताबिक, अगर ईरान के पास ये मिसाइलें नहीं होतीं, तो इस्त्रायल और अमेरिका अब तक ईरान को पूरी तरह बर्बाद कर चुके होते। उन्होंने मिसाइल क्षमता और अमेरिका के साथ हुए समझौते के बीच किसी भी तरह के जुड़ाव को सिरे से खारिज कर दिया। पेजेशकियन इन दिनों पाकिस्तान के दौरे पर हैं। वहां वे पाकिस्तानी नेताओं के साथ आपसी संबंधों और क्षेत्र के हालातों पर चर्चा कर रहे हैं। यह बयान स्विट्जरलैंड में हुई तकनीकी बातचीत के खत्म होने के बाद आया है। इस 14 सूत्रीय समझौते का मुख्य उद्देश्य इलाके में जारी तनाव और दुश्मनी को खत्म करना है। पिछले हफ्ते ही अमेरिका ने इस समझौते का आधिकारिक मसौदा सबके सामने रखा था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते में कई अहम बातें शामिल हैं। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का प्रावधान है। साथ ही ईरान पर लगी कुछ आर्थिक पाबंदियों को कम करने की बात भी कही गई है। समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भविष्य में तकनीकी बातचीत करने की रूपरेखा भी तैयार की गई है।

हालांकि, इस आधिकारिक दस्तावेज में ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर किसी भी तरह की रोक का जिक्र नहीं है। इसमें हथियारों से जुड़ी सिर्फ एक ही शर्त है।

रूस से तेल-कोयले की सप्लाई के लिए भारत का नया दांव, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर बना नई लाइफलाइन

मास्को , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होरमुज़ जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक शृंखलाओं पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे समय में भारत और रूस के बीच विकसित किया गया ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक व्यापार मार्ग के रूप में उभर रहा है। यह समुद्री मार्ग भारत के चेन्नई बंदरगाह को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से जोड़ता है और इसे आर्थिक तथा सामरिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने वर्ष 2024 में इस मार्ग को सक्रिय किया था, जब लाल सागर क्षेत्र में हमास-इजरायल संघर्ष के प्रभाव के चलते यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना बनाया जा रहा था। अब अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनाव

तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित व्यवधान ने इस समुद्री गलियारे की उपयोगिता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईएमसी के जरिए रूस से भारत आने वाले जहाजों का ट्रांजिट समय लगभग 24 दिन रह जाता है, जबकि पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग से यही यात्रा 40 दिनों से अधिक समय ले सकती है।इससे भारत को रूस से कच्चा तेल, कोकिंग कोल और अन्य महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों की तेज और अपेक्षाकृत कम लागत वाली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।भारत की इस्पात और ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में रूस से निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना रणनीतिक आवश्यकता बन गया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो ईएमसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता इससे रूस से आने वाले कच्चे माल और ऊर्जा संसाधनों को भारतीय बंदरगाहों से देश के विभिन्न हिस्सों तक तेज़ी और कम लागत में पहुंचाना संभव होगा। यह समुद्री गलियारा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप भी माना जा रहा है। इसके माध्यम से भारत पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अपनी आर्थिक और सामरिक भागीदारी मजबूत कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की भारत की व्यापक रणनीति का भी हिस्सा है।

शरीर में पोटेशियम कितना जरूरी

- पोटेशियम आपके तंत्रिका तंत्र और रक्त संचार को सुचारू बनाए रखने में मदद करता है
- शरीर के कुछ अंगों में हमेशा झनझनाहट, पोटेशियम की कमी के कारण होती है
- कब्ज की शिकायत भी हो सकती है क्योंकि पाचन प्रक्रिया सुचारू नहीं हो पाती

पोटेशियम की कमी की वजह से कई लोगों को तनाव हो जाता है

पोटेशियम की कमी होने के लक्षण

मांसपेशियां कमजोर: अगर आपको रोज ही मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और टीस रहती है तो शायद आपके शरीर में पोटेशियम की कमी हो गई है।

झनझनाहट : शरीर के कुछ अंगों में हमेशा झनझनाहट, पोटेशियम की कमी के कारण होता है, क्योंकि पोटेशियम ही आपके तंत्रिका और रक्त संचार को सुचारू रूप से होने में मदद करता है।

दिल तेजी से धड़कना : पोटेशियम की कमी से हार्ट की मांसपेशियों में संकुचन आ जाता है। जिसकी वजह से वह सामान्य रूप से नहीं धड़क पाता।

कब्ज : पोटेशियम की कमी से व्यक्ति को कब्ज की शिकायत हो सकती है क्योंकि पाचन प्रक्रिया सुचारू नहीं हो पाती है।

मानिसक दबाव: पोटेशियम की कमी से मानिसक दबाव होने लगता है और कई बार व्यक्ति तनाव में रहने लगता है। अवसाद की स्थिति में पोटेशियम की कमी ही कुछ हद तक जिम्मेदार होती है।

हाइपरटेंशन: शरीर में पोटेशियम कम होने पर रक्त वाहिकाओं में समस्या आने लगती है और मस्तिष्क तक रक्त का संचार ठीक ढंग से नहीं हो पाता है और व्यक्तिको सोचने व समझने में दिक्कत होती है। यह एक गंभीर स्थिति होती है।

मतली: अगर आपको बिना वजह ही मतली आती रहती है तो पोटेशियम की कमी आपके शरीर में हो चुकी है। आपको शीघ्र ही शरीर में पोटेशियम तत्व भरपूर करने वाले खाद्यो की पूर्ती करनी चाहिए।

हमारा शरीर पांच तत्वों से बना है। हमारे शरीर को सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत होती है। हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए हर प्रकार के पोषक तत्व की आवश्यकता होती है। इन्हीं में से एक पोटेशियम नामक तत्व भी होता है। अगर शरीर में इसकी कमी हो जाती है तो कई प्रकार के रोग और विकार, मनुष्य के शरीर को घेर लेते हैं। इसकी कमी की वजह से कई लोगों को तनाव भी हो जाता है। इसीलिए आपने देखा होगा कि तनावग्रस्त लोगों को काला नमक डालकर केला खाने की सलाह दी जाती है।

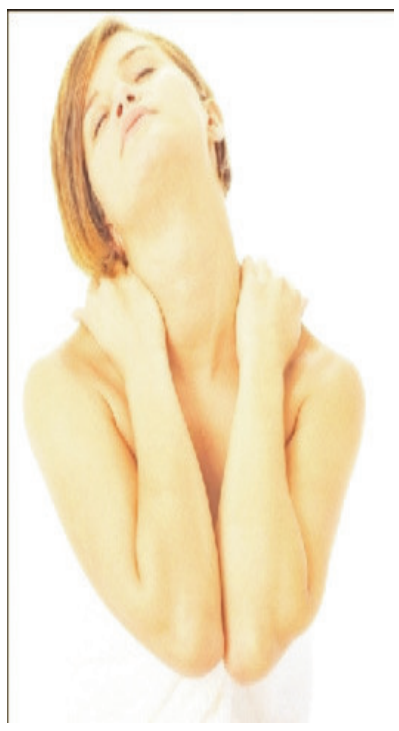

नीम की चाय बीमारियों को करे गुड बाय

नीम नाम सुन कर ही हमें कड़वेपन का ऐहसास होने लगता है। जिस तरह सच्ची बात हमेशा ही कड़वी होती है, उसी तरह नीम भी कड़वापन लिए आपकी बीमारियों के लिए सच्ची तरह दूर करने में सहायक होता है। यूं तो नीम की पत्तियों और दांतून आपकी दांतो और त्वचा की देखभार करता ही है पर अब यदि आप नीम की चाय या फिर नीम का काढ़ा बना कर पींए तो आपका स्वास्थ्य और भी ज्यादा निखर सकता है। जाने कैसे :

1. **बैक्टीरिया और वायरस का करता है नाश :** नीम शरीर में बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में असरदार है। यह आपके शरीर की बीमारियों को जड़ से निकालने की कोशिश करता है।

2. **सांसो की बदबू दूर करे:** यदि सांसो से बदबू आने की समस्या है तो नीम की चाय से आपकी यह प्रॉब्लम भी दूर हो सकती है। नीम दांतों की सड़न से भी बचाती है।

3. **कब्ज दूर करे :** यदि आपको कब्ज की समस्या है तो आप नीम से बनी हुई चाय पी सकते हैं। यह आपकी पाचन क्रिया को दुरूस्त करके आपकी कब्ज की प्रॉब्लम दूर करता है।

4. **खून साफ करे:** नीम को खून साफ करने में महारत हांसिल है। यह खून को साफ कर के हमें निरोगी बनाती है। नीम की चाय बड़ी-बड़ी बीमारियां जैसे, निमोनिया, मलेरिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और दिल के रोग से बचाती है। नीम की चाय कैसे बनती है और इसे पीते वक्त क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए।

नीम की चाय बनाने की विधि:- जरूरत के हिसाब से पानी उबाल लें। एक कप में मुठ्ठीभर नीम की पत्तियां डालें और ऊपर से उबला पानी डालें। नीम की पत्तियों को पानी में 5-7 मिनट तक भिगोए रखने के बाद पत्तियों को छान लें। फिर कप के पानी में शहद या नींबू का रस मिक्स करें। आप चाहें तो नीम की पत्तियों के अलावा नीम की पत्तियों का पॉवडर भी डाल सकते हैं।

नीम की चाय का साइड इफेक्ट:

1. वैसे तो नीम की चाय स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती है पर इसके कुछ साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। यदि कोई महिला गर्भवती हैं या फिर गर्भवती होने वाली है, तो इस चाय को पीने से बचें। यह चाय आपका गर्भपात कर सकती है।
2. नीम की चाय केवल दो कप ही पीनी चाहिए क्योंकि यह बहुत तेज होती है इसलिए इसे ज्यादा पीने से आपको उल्टी जैसा महसूस हो सकता है।
3. नीम की चाय रोज न पीएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्झचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्झचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

लॉफिंग ज़ोन

एक बार एक कंजूस सेठ किराये की टैक्सी मे बैठा जा रहा था कि अचानक ही ड्राइवर बोला- साहब मेरी गाडी के ब्रेक फेल हो गये हैं.

इस पर सेठ जल्दी से बोला- अरे ब्रेक फेल हो गये हैं तो क्या हुआ पहले जल्दी से टैक्सी का मीटर तो बंद कर.

☺ ☺ ☺

एक पाठक ने किसी पत्रिका में एक प्रश्न पूछा कि पापड़ और झापड़ में क्या अंतर है?

संपादक ने उत्तर दिया - 'बेकार में दिमाग खपाने से कुछ नहीं होता. दोनों खाकर देख लीजिए, फर्क अपने आप समझ में आ जाएगा.'

☺ ☺ ☺

मनोज (दुकानदार से)- 'कैसी कुर्सियां बनाते हो? पिछले हफ्ते कुर्सी खरीदी थी, दो दिन भी नहीं चली.'

दुकानदार (मनोज से)- माफ कीजिएगा साहब, कुर्सी चलने के लिए नहीं होती, बैठने के लिये होती है.

☺ ☺ ☺

राकेश (मुकेश से)- 'फांसी के फंदे और शादी के फंदे में क्या अन्तर है?'

मुकेश (राकेश से)- 'फांसी के फंदे के बाद तमाम मुसीबतें खत्म हो जाती है और शादी के फंदे के बाद मुसीबतों की शुरूआत होती है.'

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4095

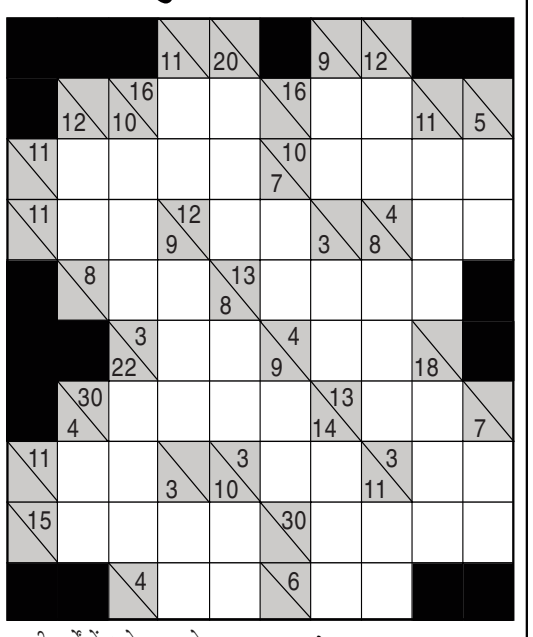

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

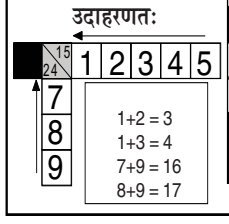

काकुरो - 4094 हल

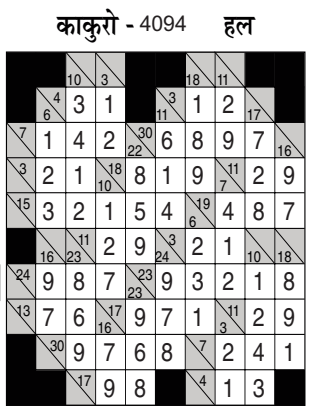

फिल्म वर्ग पहेली- 4095

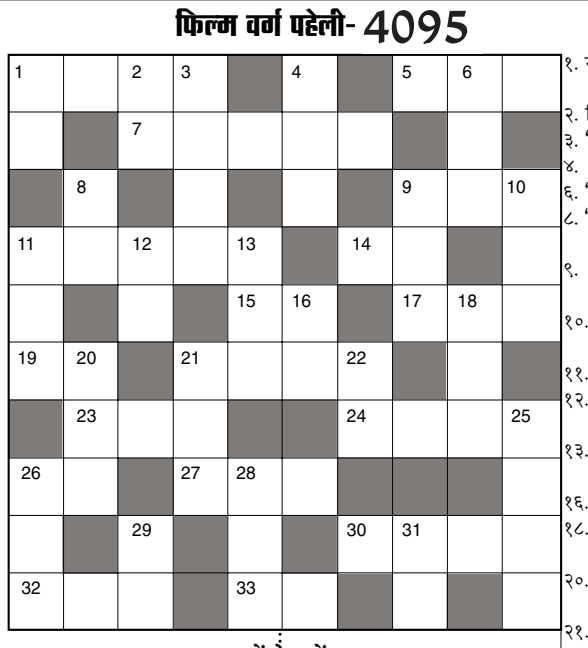

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कैंवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया: का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4094

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गी		द		आ	शी	र्वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		रा
म	नो	ज		जीं		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		ड़		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

सूडोकु -4095

	9	7			6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4094 हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली -4095

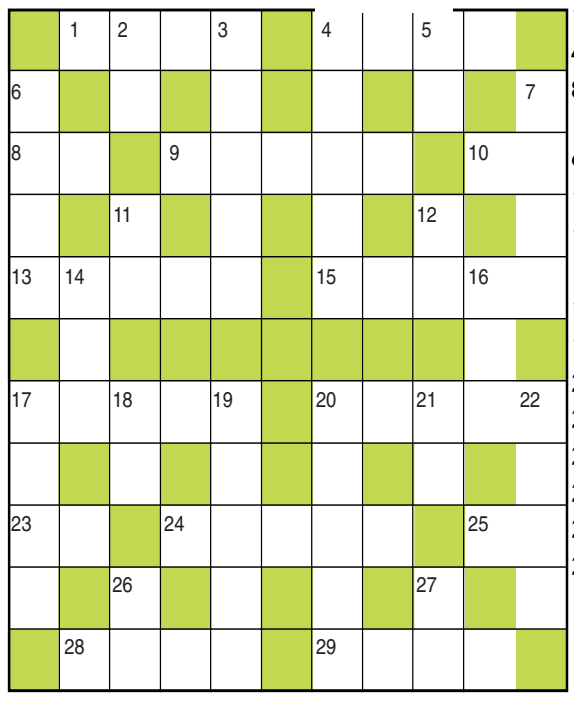

बाएँ से दाएँ

1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त,अकाल-5
20. प्रयास,कोशिश-5
23. टोंटी,नलका-2
24. कामदेव,पुष्कर-2,3
25. डर,भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2. बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा,नुकसान-2
6. मूर्ख,बेवकूफ-4
7. बिना कारण,बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम,संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह,किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. भलमानसता-4
26. सद्,अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -4094 हल

	अ	ल	ख				मु	स्का	न	
ग	ा		रा	त	की	रा	नी		बी	च
ल			ब	ल		ह	म			म
त	न	खा		ना	मि	त		र	ह	न
	र	ज	नी		त्र		क	स	म	
	क		ड	ल		दा	म		व	
	गा	फि	ल		पा		ला	न	त	
स	मी	र		सु	रा	ही		म	न	न
म			म	म		न	र			र
य	क्ष		हा	ति	म	ता	ई		आ	म
	मा	लि	न				स	ई	स	

महाराष्ट्र के पुणे में महिला ने दो बच्चों के साथ की आत्महत्या

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र के तथावड़े इलाके में आर्थिक तंगी से परेशान एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ कथित रूप से जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मामले की जांच वाकड़ पुलिस कर रही है। वाकड़ पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलक ने बताया कि मृतकों की पहचान कल्पना बिपिन सूर्यवंशी (35), उनकी पुत्री सुभाश्री बिपिन सूर्यवंशी (17) और पुत्र दादू बिपिन सूर्यवंशी (10) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में विषाक्त पदार्थ के सेवन की आशंका व्यक्त की गई है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस के अनुसार, कल्पना सूर्यवंशी अपने दोनों बच्चों के साथ तथावड़े स्थित जी.जी. इंटरनेशनल स्कूल के पीछे एक किराये के मकान में रहती थीं। उनकी मां यवतमाल में रहती हैं, जबकि पति और ससुराल पक्ष संभाजीनगर में रहते हैं। उसी इमारत के भूतल पर उनकी बहन अपने परिवार के साथ निवास करती है। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब सोमवार को पूरे दिन कल्पना और उनके बच्चे घर से बाहर नहीं निकले। इस पर उनकी बहन को संदेह हुआ। वह उनके घर पहुंची और दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद उसने अपने पति को बुलाया। खिड़की से देखने पर तीनों घर के अंदर पड़े दिखाई दिए।

देश में एक जुलाई से वीबी-जी राम जी अधिनियम होगा लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आगामी 01 जुलाई 2026 से विकसित भारत-रोज़गार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम- 2025 यानी (वीबी-जी राम जी अधिनियम) लागू करने जा रही है। यह अधिनियम हर वित्त वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के रोज़गार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक इसके तहत गांवों के विकास के लिए अलग-अलग मंत्रालयों और सरकारी योजनाओं को एक साथ जोड़कर काम किया जाएगा, ताकि विकास कार्य तेजी से और बेहतर तरीके से पूरे हो सकें। इसी तैयारी के तहत ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें 18 मंत्रालयों और विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सरकार की योजना है कि हर गांव अपनी जरूरतों के अनुसार विकास योजना तैयार करें। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के धन और संसाधनों को जोड़कर उन कामों को पूरा किया जाएगा। इसे 'एक योजना, कई स्रोतों से फंड' मॉडल कहा गया है। नई व्यवस्था के तहत ग्राम सभाएं और पंचायतें विकास की प्राथमिकताएं तय करेंगी। इनमें पानी की उपलब्धता, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाएं, रोजगार और आजीविका बढ़ाने के काम तथा बाढ़, सूखा और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपाय शामिल होंगे।

स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला, 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना साझा लक्ष्य : नड्डा

देहरादून। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य अब पूरे देश का साझा संकल्प बन चुका है। आज हर नागरिक के सामने एक सामान्य लक्ष्य है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने। देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि 'सेहत अच्छी होगी तो आर्थिक विकास होगा,क्योंकि इससे उत्पादकता बढ़ेगी। इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष ध्यान देना समय की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा कि देश के आर्थिक विकास की नींव बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था पर टिकी है और स्वस्थ नागरिक ही विकसित भारत के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब देश में 'हम कर सकते हैं और हम करेंगे' की भावना विकसित हुई है, जिसने विकास और सुशासन को नई दिशा दी है। केंद्रीय मंत्री ने देश की राजनीतिक और सामाजिक सोच में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब आम नागरिकों ने यह मान लिया था कि व्यवस्था में कोई बदलाव संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि लगभग 12-13 वर्ष पहले लोगों के मन में यह धारणा घर कर गई थी कि परिस्थितियां नहीं बदलेंगी, लेकिन पिछले एक दशक में देश की राजनीतिक सोच में व्यापक परिवर्तन आया है।

केदारनाथ में श्रद्धालुओं की कुल संख्या 13.21 लाख के पार

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम में 8,618 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। इसके साथ ही इस वर्ष की यात्रा में अबतक दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 13.21 लाख से अधिक हो गई है।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 23 जून की सायं पांच बजे से 24 जून की सायं पांच बजे तक 4,654 पुरुष, 3,909 महिला तथा 55 बच्चों ने मंदिर में दर्शन किए। इस अवधि में किसी भी विदेशी श्रद्धालु के दर्शन के लिए पहुंचने का रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ। यात्रा प्रशासन के अनुसार केदारनाथ धाम में अब तक कुल 13,21,067 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की जा रही हैं और श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव केदारनाथ धाम में इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा सीजन के दौरान स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है।

तमिलनाडु में 300 नई बसों का शुभारंभ, मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने किया उद्घाटन

एजेंसी

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने चेन्नई में तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम की ओर से संचालित 300 नई बसों की सेवाओं का उद्घाटन किया। यह सार्वजनिक परिवहन बेड़े में एक बड़ी बढ़ोतरी है। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने सचिवालय में आयोजित समारोह में 300 नई डीजल और सीएनजी बसों को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद, उन्होंने नई बस में सवार होकर सफर किया। मुख्यमंत्री ने ड्राइवरों का अभिवादन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। जोसेफ विजय बस में आगे बैठकर सफर करते हुए वीडियो रिकॉर्ड करते हुए भी नजर आए। गौरतलब है कि तमिलनाडु में आठ राज्य-स्वामित्व वाली परिवहन निगम संचालित होती हैं, जिनमें चेन्नई स्थित मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एमटीसी), तमिलनाडु

राज्य परिवहन निगम की अलग-अलग इकाइयां (विल्लुपुरम, कुंभकोणम, सलेम, कोयंबटूर, मदुरै और तिरुनेलवेली) और राज्य एक्सप्रेस परिवहन निगम (एसईटीसी) शामिल हैं, जो लंबी दूरी की अंतर-शहर सेवाएं संचालित करती है। नई शामिल की गई बसों का बेड़ा इन आठ में से सात परिवहन निगमों के लिए खरीदा गया है, जिसमें राज्य एक्सप्रेस परिवहन निगम शामिल नहीं है। इन बसों को राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को मजबूत करने और रोजाना सफर करने वालों के लिए यात्रियों कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए शुरू किया गया है।

इस बेड़े में डीजल और सीएनजी दोनों प्रकार की बसें शामिल हैं, जो सरकार के सार्वजनिक परिवहन के आधुनिकीकरण और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं के विस्तार के प्रयासों को दर्शाती हैं। उम्मीद है कि इन नई बसों के आने से पुरानी गाड़ियां हटाई जा सकेंगी और राज्य परिवहन उपक्रमों की ओर से चलाई जाने वाली यात्री सेवाओं की विश्वसनीयता, सुरक्षा और आराम में सुधार होगा। शुरुआत में इन बसों का शुभारंभ मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के जन्मदिन यानी 22 जून को किया जाना था। कार्यक्रम की तैयारी के लिए, नई बसों को तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों से चेन्नई लाया गया था और कोयंबेडु और किलांबक्कम बस टर्मिनलों सहित प्रमुख जगहों पर खड़ा किया गया था। हालांकि, बाद में उद्घाटन का कार्यक्रम बदल दिया गया था।

तरुण चुघ ने पंजाब के राज्यपाल को लिखा पत्र, भगवंत मान की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पत्र की प्रति पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव को भी भेजी गई है।तरुण चुघ ने कहा कि पंजाब के इतिहास में शायद ही कभी ऐसा शर्मनाक और अमर्यादित दौर आया हो, जब एक मौजूदा मुख्यमंत्री पहले गुरुओं का अपमान करता है। फिर श्रीअकाल तख्त साहिब के सचिवालय में जाकर झूठ बोलता है और उसके बाद स्वयं श्रीअकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को चुनौती देने का दुस्साहस करता है। चुघ ने कहा कि वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि भगवंत मान ने सिख गुरुओं के प्रति अत्यंत आपत्तिजनक, अमर्यादित और अस्वीकार्य बेदबी वाला व्यवहार किया। जब पूरी दुनिया में बसे सिख समुदाय एवं नानक नाम लेवा संगत की भावनाएं आहत हुईं, तब श्री अकाल तख्त साहिब ने उन्हें स्पष्टीकरण का अवसर दिया, लेकिन उन्होंने सत्य स्वीकार करने के बजाय यह दावा किया कि वीडियो एआई से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रीअकाल तख्त साहिब द्वारा दो फॉरेंसिक एजेंसियों के नाम देने का अवसर दिए जाने के बावजूद भगवंत मान ने सहयोग नहीं किया। बाद में स्वतंत्र जांच के बाद जब सच्चाई सामने आई तो उन्हें 'गुरु-दोखी' और 'पंथ-विरोधी' घोषित किया गया तथा सामाजिक बहिष्कार का आदेश जारी किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी चार जुलाई को राष्ट्र को समर्पित करेंगे पचपदरा रिफाइनरी

एजेंसी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चार जुलाई को बालोतरा जिले के पचपदरा पहुंचेंगे। इस दौरान वे एचआरआरएल (एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड) रिफाइनरी का उद्घाटन करेंगे तथा जयपुर मेट्रो फेज-2 सहित प्रदेशभर की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों में भाग लेंगे। साथ ही विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा एवं कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करने के लिए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूरी की जाएं। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी सेवा में नियुक्ति पत्र प्राप्त करना प्रत्येक युवा के जीवन का गौरवपूर्ण क्षण होता है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी जिलों में विशेष आयोजन कर नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं तथा आमजन को प्रधानमंत्री के मुख्य कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जोड़ा जाए, ताकि वे भी इस अवसर के सहभागी बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक आयोजित कार्यक्रमों में युवाओं, जनप्रतिनिधियों और आमजन की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विकास, रोजगार और जनभागीदारी का उत्सव बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी प्रदेश के औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण परियोजना है। ऐसे में उद्घाटन कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूर्ण की जाएं। मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ करने तथा प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी प्रबंधन को कार्यक्रम के अवसर पर सघन पौधारोपण अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से ईंधन संरक्षण और ऊर्जा बचत के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर भी बल दिया। साथ ही रिफाइनरी में कार्यरत श्रमिकों की कार्यक्रम में सार्थक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, एचआरआरएल तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

निवेश प्रोत्साहन नियमों पर काम कर रही पश्चिम बंगाल सरकार, पड़ोसी राज्यों के बराबर होगी सहायता : स्वपन दासगुप्ता

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार नए निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक नियम तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को दी जाने वाली सरकारी सहायता और प्रोत्साहन पड़ोसी राज्यों ओडिशा तथा असम के स्तर के अनुरूप होने चाहिए ताकि निवेश आकर्षित करने में पश्चिम बंगाल को समान अवसर मिल सके।

एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया के एक कार्यक्रम में दासगुप्ता ने कहा कि राज्य को अपनी प्रोत्साहन व्यवस्था इस तरह तैयार करनी होगी कि असम को असंगत लाभ न मिले और ओडिशा भी केवल पश्चिम बंगाल की नीतिगत कमियों के कारण आगे न निकल जाए। उन्होंने कहा कि निवेश के लिए सभी पड़ोसी राज्यों के बीच समान प्रतिस्पर्धी वातावरण आवश्यक है। वित्त मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल को ओडिशा और असम की तुलना में उद्योगों को अधिक प्रोत्साहन देने की जरूरत पड़ सकती है, क्योंकि राज्य औद्योगिक विकास के मामले में पीछे रह गया है। उन्होंने कहा कि राज्य को अपनी पिछली कमियों की भरपाई के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। उन्होंने सोमवार को राज्य की नई भारतीय जनता पार्टी सरकार का पहला बजट पेश करते हुए पश्चिम बंगाल निवेश प्रोत्साहन रूपरेखा शुरू करने की घोषणा की थी। इस रूपरेखा का उद्देश्य आर्थिक वृद्धि को गति देना, औद्योगिक निवेश बढ़ाना और रोजगार के अवसर पैदा करना है। इसके तहत औद्योगिक गलियारों के आसपास समूह आधारित औद्योगिक विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा। उद्योग संगठनों ने पूर्व में राज्य में औद्योगिक प्रोत्साहन बहाल करने की मांग की थी। उनका कहना था कि पूर्व तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा प्रोत्साहन वापस लिए जाने से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ और नीतिगत स्पष्टता कम हुई। दासगुप्ता ने पिछली राज्य सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल को औद्योगिकीकरण में गिरावट का सामना करना पड़ा, जो किसी राज्य के लिए असामान्य स्थिति है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वित्त के खराब प्रबंधन के कारण राज्य पर भारी सार्वजनिक ऋण का बोझ बढ़ा और कारोबारी माहौल भी उद्योगों के अनुकूल नहीं रहा। वित्त मंत्री ने कहा कि नई सरकार का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व यह भरोसा दिलाना है कि पश्चिम बंगाल की सार्वजनिक संस्कृति में बड़ा बदलाव आया है।

एनआईए ने राम मंदिर पर हमले की साजिश के आरोप में सहारनपुर के युवक को किया गिरफ्तार

एजेंसी

सहारनपुर । राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने अयोध्या राम मंदिर पर हमले की साजिश के आरोप में सहारनपुर के एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी कर्नाटक के दावणगेरे क्षेत्र से हुई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी पर लंबे समय से नजर थी और उसके कुछ संदिग्ध संगठनों व व्यक्तियों से संपर्क होने की जानकारी सामने आई थी।

एनआईए ने उत्तर प्रदेश एटीएस के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए उसे गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि मोहम्मद सुहैल कर्नाटक के दावणगेरे क्षेत्र में अपनी पहचान छिपाकर पेंटर का काम कर रहा था। जांच के दौरान एजेंसियों को उसके पास से और डिजिटल उपकरणों से कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। सूत्रों के अनुसार सुहैल की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें वह हथियारों के साथ दिखाई दे रहा है। इन तस्वीरों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। प्रारंभिक जांच में आरोपी के कथित पाकिस्तान कनेक्शन की भी पड़ताल की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि उसके संपर्क किन लोगों से थे और क्या वह किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा था। बताया जा रहा है कि वह कई संदिग्ध ऑनलाइन ग्रुप्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी जुड़ा हुआ था। जानकारी के अनुसार, एनआईए को मिले इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जांच एजेंसियों का दावा है कि आरोपी अयोध्या के राम मंदिर को निशाना बनाने की योजना से जुड़ा हो सकता है। हालांकि मामले में अभी विस्तृत जांच जारी है और एजेंसियां विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। उधर, उत्तर प्रदेश में भी सुहैल के संपर्कों और गतिविधियों की जांच शुरू कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां उसके सहारनपुर समेत प्रदेश के अन्य जिलों में संभावित नेटवर्क, सहयोगियों और वित्तीय लेन-देन की जानकारी जुटाने में लगी हैं।

साइबर खतरों को समझना और सावधानी ही उनसे बचने का सबसे बड़ा रास्ता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सायबर खतरा एक ऐसा अदृश्य दुश्मन है, जो बिना दस्तक दिए हमारे घरों तक पहुंच रहा है। साइबर खतरों को समझना ही उनसे बचने का सबसे बड़ा रास्ता है। सावधानी ही सुरक्षा है और जानकारी ही बचाव है। डिजिटल अरेस्ट, डीप-फेक, फेक प्रोफाइल, हैकिंग, डेटा ब्रीचिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी धोखाधड़ी, ऑनलाइन शॉपिंग ठगी, रैनसमवेयर हमले और फर्जी निवेश लिंक जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार शाम को भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित 'राज्य व्यापी साइबर जागरूकता अभियान' के तहत सेफ क्लिक 2.0'' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह अभियान 24 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक प्रदेश के 10 संभाग, 55 जिलों और 50 हजार से अधिक गांव में एक साथ चलेगा। इस अभियान के तहत सायबर ठगी और अन्य अपराधों से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने प्रदेश की जनता को साइबर सुरक्षा के तीन महत्वपूर्ण सूत्र 'जागरूकता, सावधानी और सहभागिता' के बारे में बताकर कहा कि जो लोग साइबर सुरक्षा की जानकारी रखते हैं, वे दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने साइबर जागरूकता अभियान के पोस्टर, स्कूली बच्चों के लिए तैयार की गई साइबर जागरूकता बुकलेट्स तथा अभियान के ऑफिशियल वीडियो का विमोचन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने साइबर जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान के संचालन के लिए मध्य प्रदेश पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि संकट के समय प्रदेश पुलिस हमेशा संकटमोचक हनुमान की भूमिका में रहती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश में विभिन्न साइबर जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से 33 लाख से अधिक नागरिकों को जागरूक किया गया। अब अभियान का विस्तार पंचायतों, स्कूलों, बैंकों, बाजारों, धार्मिक स्थलों और सरकारी कार्यालयों तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के 56 विभागों की लगभग 1700 सेवाएं एकीकृत पोर्टल पर उपलब्ध हैं और इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने प्रदेशवासियों से साइबर सुरक्षा को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में साइबर खतरे अदृश्य रूप में हमारे जीवन में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन और कंप्यूटर के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों से बचाव के लिए सावधानी और जागरूकता ही सबसे प्रभावी हथियार है।

मप्र हाईकोर्ट का ईंधन बचत की दिशा में बड़ा कदम, वाहन पूलिंग और वकीलों से वीसी के जरिए पैरवी की अपील

एजेंसी

जबलपुर। मप्र उच्च न्यायालय ने वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए पेट्रोल-डीजल की बचत के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत कार पूलिंग को बढ़ावा देने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग और मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है, ताकि ईंधन की खपत को कम किया जा सके। जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की मुख्य खंडपीठ ने देश में ईंधन संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और न्यायिक कार्यों को प्रभावित हुए बिना संचालित करने के उद्देश्य से नई एडवाइजरी जारी की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया के आदेश पर लागू यह व्यवस्था जबलपुर मुख्यपीठ, इंदौर और ग्वालियर खंडपीठ सहित प्रदेश की सभी जिला अदालतों, न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ताओं पर लागू होगी। उच्च न्यायालय ने निर्देश दिए हैं कि न्यायालयों में उपलब्ध सरकारी वाहनों का उपयोग केवल न्यायिक और प्रशासनिक कार्यों के लिए किया जाए। अधिकारियों और कर्मचारियों के निवास स्थान के आधार पर रूट और लोकैलिटीवार वाहन योजना बनाई जाएगी तथा वाहनों की पूरी क्षमता का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। व्यक्तिगत वाहन सुविधा केवल

आपातकाल, सुरक्षा, प्रोटोकॉल या चिकित्सीय जरूरत की स्थिति में ही दी जाएगी उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं और कर्मचारियों से सार्वजनिक परिवहन, कार पूलिंग और टू-व्हीलर पूलिंग अपनाने की अपील की है। नई गाइडलाइन में कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर व्यस्त मार्गों पर मिनी बस, ट्रैवलर या अन्य साझा परिवहन सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा सकती हैं। गाइडलाइन में वकीलों से विशेष रूप से कहा गया है कि जहां संभव हो, वे अपने मामलों की सुनवाई और पैरवी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से करें। प्रशासनिक बैठकों और आधिकारिक चर्चाओं को भी वर्चुअल माध्यम से आयोजित करने पर जोर दिया गया है। उच्च न्यायालय ने वाहनों की ईंधन खपत की दैनिक निगरानी के निर्देश भी दिए हैं। वाहनों का उपयोग कार्य की आवश्यकता और प्राथमिकता के आधार पर तय किया जाएगा तथा इसकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। रजिस्ट्री ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था फिलहाल अस्थायी रूप से लागू की गई है, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन संरक्षण के प्रयासों में न्यायपालिका भी योगदान दे सके और न्यायिक कामकाज प्रभावित न हो। गौरतलब है कि उच्च न्यायालय से पहले मध्य प्रदेश सरकार ने 20 जून को मितव्ययिता और संसाधनों के बेहतर उपयोग को लेकर नए निर्देश जारी किए थे। इसके तहत अब आईएएस, आईपीएस और सचिव स्तर के अधिकारियों को दिल्ली, अन्य राज्यों या विदेश की शासकीय यात्रा से पहले मुख्य सचिव की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। सरकार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा देने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग, बिजली बचत, पीएनजी विस्तार, प्राकृतिक खेती और खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए 90 दिवसीय जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए थे।

सामूहिक प्रयत्न से भारत बनेगा विश्वगुरु : जतिन कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, दिल्ली प्रान्त के पिछले 15 दिन से चल रहे संघ शिक्षा वर्ग - स्कूल विद्यार्थी का समापन समारोह पूर्ण प्रज्ञा पब्लिक स्कूल, वसंत कुंज, दिल्ली में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र प्रचारक जतिन कुमार जी मुख्य वक्ता तथा उड़ान की अध्यक्ष एवं निदेशक मधु सूरी जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र प्रचारक श्री जतिन कुमार जी ने कहा कि संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने समाज जीवन के अनुभवों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला था कि भारत का पुनरुत्थान व्यक्ति निर्माण से ही संभव है। इसीलिए उन्होंने दैनिक शाखा के रूप में एक अभिनव पद्धति का विकास किया। जिसके द्वारा व्यक्ति को शारीरिक, बौद्धिक और मानसिक तौर पर राष्ट्र सेवा के लिए तैयार किया जाता है। अब समाज की सज्जन शक्ति के सहयोग के द्वारा राष्ट्र के लिए उपयोगी समर्पित और संवेदनशील नागरिक तैयार करने की गति बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इसमें सफल नागरिकों के द्वारा नागरिक कर्तव्य और शिष्टाचार को अपने जीवन में आत्मसात करने का समय आ गया है। हम सभी के मिलकर काम करने से ही देश आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर शिक्षार्थियों

द्वारा साहस का निर्माण करने वाले भारतीय पारंपरिक खेलों, नियुद्ध, दंड-युद्ध, व्यायाम-योग, योगासन तथा घोष का सामूहिक प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि शेमरॉक जगत एवं मेक्सफोर्ट स्कूल की पूर्व प्रधानचर्या एवं निदेशक एवं 'उड़ान' की वर्तमान अध्यक्ष मधु सूरी ने भी संबोधित किया।

वक्ताओं ने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा कि युवा ही देश का भविष्य है एवं इनके द्वारा ही देश एवं समाज का निर्माण व नेतृत्व होगा। सम्पूर्ण समाज को अपने जीवन में पंच परिवर्तन- सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली, नागरिक कर्तव्य पालन एवं स्वदेशी को अपनाकर उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिल्ली प्रान्त संघचालक डॉ. अनिल अग्रवाल एवं इस संघ शिक्षा वर्ग के सर्वाधिकारी सुरेन्द्र राणा की भी उपस्थिति रही।

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी ने भारत को परम वैभव पर ले जाने के ध्येय से 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। इस ध्येय को प्राप्त करने की दृष्टि से सुयोग्य कार्यकर्ताओं के निर्माण हेतु ही संघ शिक्षा वर्गों का आयोजन किया जाता है। 15 दिन तक चले इस वर्ग में शिक्षार्थियों को विभिन्न प्रकार के औपचारिक प्रशिक्षण दिए गए। शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनाने हेतु प्रतिदिन सुबह शाम शारीरिक प्रशिक्षण हुआ। मानसिक एवं वैचारिक स्पष्टता हेतु उन्हें बौद्धिक प्रशिक्षण दिया गया। संघ शिक्षा वर्ग में कार्यकर्ताओं ने सामूहिक जीवन का प्रशिक्षण प्राप्त किया अर्थात सबके साथ समरस होकर सबको सहयोग करते हुए निश्चित व्यवस्था अनुसार अपने सभी काम पूर्ण करना। शिक्षार्थियों को पंच परिवर्तन के प्रशिक्षण के साथ ही उनमें संवेदनशीलता एवं सेवाभाव को और विकसित करने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

ब्रिक्स देशों के लिए 'स्पेस इकोनॉमी' का प्रस्ताव, डॉ. जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष सहयोग को बताया वैश्विक विकास का नया आधार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान तथा अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने ब्रिक्स देशों से मिलकर एक मजबूत 'स्पेस इकोनॉमी' विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बनने जा रहा है और ब्रिक्स देशों के पास इसे नई दिशा देने की क्षमता मौजूद है। बेंगलुरु में आयोजित ब्रिक्स देशों की अंतरिक्ष एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का भविष्य किसी एक देश के प्रयासों से नहीं बल्कि साझेदारी, साझा नवाचार और सामूहिक महत्वाकांक्षा से तय होगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के पास विशाल जनसंख्या, मजबूत वैज्ञानिक आधार, उन्नत तकनीकी क्षमताएं और औद्योगिक संसाधन हैं, जिनके बल पर वे वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के प्रमुख स्तंभ बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज अंतरिक्ष तकनीक केवल रॉकेट और उपग्रहों तक सीमित नहीं है बल्कि यह संचार, नेविगेशन, कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएं, खाद्य एवं जल सुरक्षा और सतत शहरीकरण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरिक्ष आधारित समाधान पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं। चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग, आदित्य एल 1 के माध्यम से सूर्य के अध्ययन तथा मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मिशनों ने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय में नई पहचान दिलाई है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि ब्रिक्स देशों को केवल विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि सह-विकास, सह-नवाचार और सह-निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्योगों, स्टार्टअप्स और युवा नवोन्मेषकों को एक मंच पर लाकर ब्रिक्स देश वैश्विक चुनौतियों के समाधान विकसित कर सकते हैं, नई आर्थिक संभावनाएं पैदा कर सकते हैं और साझा समृद्धि का मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में व्यापक सुधार किए गए हैं, जिससे निजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और शैक्षणिक संस्थानों के लिए नए अवसर खुले हैं।

आज होगा वैभव का डेब्यू!

अभिषेक-सैमसन में कौन होगा बाहर? टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर बड़ा सस्पेंस

02 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगे भारत व आयरलैंड

लंदन, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के सफल अभियान के बाद भारतीय टीम अब आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में दो मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतरेगी। इस सीरीज के साथ श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी। हालांकि, कप्तानी से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि क्या 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिलेगा। भारत-आयरलैंड के बीच पहला टी20 26 जून को और दूसरा टी20 28 जून को खेला जाएगा। दोनों मैच शाम छह बजे से शुरू होंगे।

वैभव सूर्यवंशी पर पूरे देशभर की टिकी हैं निगाहें...

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से धमाका करते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके बाद हाल ही में श्रीलंका में हुई इंडिया-ए त्रिकोणीय सीरीज में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन की पारी खेली और लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया। यही वजह है कि उनके भारतीय टीम में डेब्यू को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ रही है।

जगह बनाना आसान नहीं

वैभव को सीधे प्लेइंग-11 में शामिल करना टीम प्रबंधन के लिए आसान फैसला नहीं होगा। भारत के पास पहले से ही संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा जैसी सफल ओपनिंग जोड़ी मौजूद है। टी20 विश्व कप में सैमसन ने शुरुआत में बेंच पर बैठने के बाद वापसी की और टूर्नामेंट के अंत में तीन यादगार पारियां खेलकर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बने। दूसरी ओर अभिषेक शर्मा का विश्व कप अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने लगातार तीन शून्य से शुरुआत की, लेकिन अंत में 21 गेंदों पर 52 रन की तेज पारी खेलकर लय हासिल कर ली। 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से वह फुल मेंबर देशों के खिलाड़ियों में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

किसकी जगह खेलेंगे

अगर सूर्यवंशी को मौका दिया जाता है तो भारत को अपनी बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ सकता है। टीम में ईशान किशन भी मौजूद हैं, जबकि श्रेयस अय्यर के नंबर-चार पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। ऐसे में सूर्यवंशी के आने पर सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन में से केवल दो खिलाड़ियों के लिए ही जगह बच सकती है।इसका मतलब यह हो सकता है कि किसी मौजूदा खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी स्थिति बदलनी पड़े या फिर प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़े। टी20 विश्व कप जीतने के तुरंत बाद ऐसा बदलाव कठोर लग सकता है, लेकिन टीम में जगह के लिए प्रतिस्पर्धा का स्तर यही दिखाता है। सूर्यकुमार यादव का कप्तानी और टीम दोनों से बाहर होना भी यह संकेत देता है कि चयनकर्ता कठिन फैसले लेने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

क्या सैमसन को लोअर ऑर्डर में खेलना पड़ेगा?

कागज पर देखें तो संजू सैमसन को नंबर-छह पर उतारना सबसे आसान समाधान नजर आता है। सैमसन पहले भी टी20 क्रिकेट में नंबर-चार और नंबर-पांच पर बल्लेबाजी कर चुके हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम में ये दोनों स्थान लगभग तय माने जा रहे हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के नंबर-चार और उपकप्तान तिलक वर्मा के नंबर-पांच पर खेलने की संभावना सबसे अधिक है। ऐसी स्थिति में सैमसन के लिए नंबर-छह का विकल्प बचता है। हालांकि यहां एक नई चुनौती सामने आती है। टी20 क्रिकेट में यह स्थान आमतौर पर ऐसे खिलाड़ी के लिए रखा जाता है जो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सके। शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी इसी भूमिका के प्रमुख दावेदार हैं। अगर भारत सैमसन को नंबर-छह पर खिलाने का फैसला करता है, तो टीम संयोजन पर उसका असर पड़ सकता है। ऐसे में टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो सकती है, जिसका असर संतुलन पर पड़ सकता है। यह भी हो सकता है कि एक टी20 में वैभव को बैठाया जाए।

न्यूजीलैंड के बड़े खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर

नॉटिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड को चोट के कारण दो बड़े झटके लगे हैं। स्ट्राइक बॉलर मैट हेनरी और मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स टीम से बाहर हो गए हैं।

टीम ने बताया कि पिछले हफ्ते ओवल में न्यूजीलैंड की दूसरे टेस्ट में जीत के दौरान 11 विकेट लेने वाले हेनरी को उस मैच के दौरान पिंडली (ष्ठुद्यद्ध) में खिंचाव आ गया था और वे अभी तक ठीक नहीं हो पाए हैं। ओवल में पहली पारी में अहम शतक लगाने वाले फिलिप्स साइड स्ट्रेन (पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव) के कारण बाहर हो गए हैं।

यूएस ओपन बैडमिंटन

किदांबी श्रीकांत दूसरे दौर में

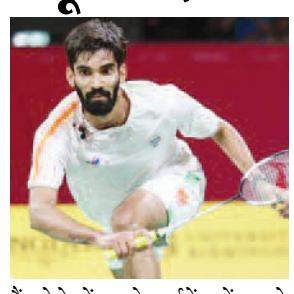

नई दिल्ली। पूर्व विश्व नंबर-1 भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत ने यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहले दौर में भारत के ही दयानंद सनीथ को सीधे गेमों में 21-14, 21-12 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। महज 30 मिनट में मिली इस जीत के साथ 33 वर्षीय श्रीकांत ने अगले दौर का टिकट कटाया, जहां उनका सामना मलेशिया के स्टार खिलाड़ी ली जी जिया से होगा।

लक्ष्य सेन के टूर्नामेंट से ऐन वक्त पर हटने के बाद किदांबी श्रीकांत भारतीय एकल खिलाड़ियों में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। ऐसे में उनसे टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ गई हैं।पुरुष एकल में रौनक चौहान ने भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। उन्होंने हमवतन शंकर सुब्रमण्यम को 23-21, 21-16 से हराया। रौनक ने मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए पहले दो क्वालिफाइंग मुकाबले भी जीते थे और अब उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है।

साई सुदर्शन ने श्रीलंका-ए के खिलाफ शतक बनाया

गॉल। इंडिया-ए के ओपनर साई सुदर्शन ने गॉल में श्रीलंका-ए के खिलाफ खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट में शतक जड़ दिया। उन्होंने 19 चौके की मदद से 175 गेंद पर 132 रन बनाए। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का नौवां शतक है।साई के शतक की बदौलत भारत ने पहली पारी में 4 विकेट खोकर 218 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल और शेख रशीद क्रीज पर हैं। आयुष पांडे 25, देवदत्त पडिक्कल 12 और ऋतुराज गायकवाड ने 22 रन बनाए। इस समय पहले दिन का दूसरा सेशन चल रहा है। इस मैच से पहले तक साई सुदर्शन ने 40 फर्स्ट क्लास मैचों की 68 पारियों में 2672 रन बनाए थे। उन्होंने 8 शतक और 10 अर्धशतकों लगाए थे। उनका औसत 39.29 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर 213 रन रहा है।इंडिया-ए के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टॉस के दौरान उन्होंने कहा कि हम बड़ा स्कोर बनाकर श्रीलंका-ए पर दबाव बनाना चाहते हैं। इंडिया-ए को साई सुदर्शन और आयुष पांडे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 गेंद में 78 रन जोड़े। इसके बाद साई ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की। इससे टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचा।

स्विट्जरलैंड-कनाडा अंतिम-32 में पहुंचे

बोस्निया ने जीत से जीवित रखीं नॉकआउट की उम्मीद

वैंकूवर/सिएटल। एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप बी के अंतिम मुकाबलों के बाद नॉकआउट चरण की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। वैंकूवर में खेले गए मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिएटल में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से मात देकर अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। तीन मैचों के बाद स्विट्जरलैंड सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहले स्थान पर रहा, कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और दोनों टीमों ने सीधे अंतिम-32 में जगह बना ली। वहीं, बोस्निया भी चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा और अब सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर आगे बढ़ने की उम्मीद लगाए हुए है। कतर सिर्फ एक अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

स्विट्जरलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप में मारी बाजी

वैंकूवर के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए ग्रुप बी के निर्णायक मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप विजेता बनने का गौरव हासिल किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और 45 मिनट का खेल गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। कनाडा और स्विट्जरलैंड दोनों ने मौके बनाए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता नहीं मिली।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने मैच का रुख बदल दिया। 46वें मिनट में रूबेन वर्गास ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में 20 वर्षीय जोहान मंजाम्बी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। मंजाम्बी ने पूरे मैच में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और स्विस आक्रमण की धुरी बने रहे। कनाडा ने हार नहीं मानी और 76वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी प्रॉमिस डेविड ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम मिनटों में कनाडा ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन स्विस रक्षा पंक्ति ने कोई और मौका नहीं दिया। आखिरकार स्विट्जरलैंड ने 2-1 की जीत दर्ज कर सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहला स्थान हासिल कर लिया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया।

बोस्निया ने कतर को हराकर जिंदा रखीं नॉकआउट की उम्मीदें

सिएटल स्टेडियम में खेले गए दूसरे मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना ने क़तर को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। मैच के पहले हाफ में बोस्निया ने आक्रामक शुरुआत की और 29वें मिनट में 18 वर्षीय केरिम अलाजबेगोविच ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बोस्निया की बढ़त 34वें मिनट में दोगुनी हो गई जब कतर के सुल्तान अलब्राके ने एडिन जेको के क्रॉस को क्लियर करने के प्रयास में अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गेंद पहुंचा दी। हालांकि कतर ने वापसी की कोशिश की और 42वें मिनट में अनुभवी हसन अलहायदोस ने गोल कर अंतर 2-1 कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में कतर ने बराबरी के लिए जोर लगाया और कुछ अच्छे मौके भी बनाए, लेकिन बोस्निया ने संयम बनाए रखा। मैच के 80वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी एरमिन माहमिक के डिफ्लेक्टेड शॉट ने कतर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस गोल के साथ बोस्निया ने 3-1 की निर्णायक जीत सुनिश्चित कर ली। इस जीत के साथ बोस्निया के भी चार अंक हो गए, लेकिन गोल अंतर और अन्य मानकों के कारण टीम तीसरे स्थान पर रही। अब उसकी निगाहें अन्य समूहों के परिणामों पर टिकी रहेंगी, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर अंतिम-32 में जगह बना सकती है।

ग्रुप-बी का हाल

ग्रुप बी से स्विट्जरलैंड ने सात अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर सीधे अंतिम-32 में प्रवेश किया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया। बोस्निया-हर्जेगोविना ने अंतिम मैच जीतकर अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है और अब वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों की सूची में जगह बनाने की कोशिश करेगा। वहीं कतर का अभियान एक अंक के साथ समाप्त हो गया।

फीफा विश्वकप के बीच नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन पर गिरी गाज!

लॉजेन। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) ने तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े फीफा नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह फैसला नेपाली फुटबॉल के गवर्नेंस को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बाद आया है। इससे पहले, नेपाल की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने एएनएफए को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि बाद में उस फैसले को वापस ले लिया गया था। फीफा ने अपने बयान में कहा कि काउंसिल के ब्यूरो ने फीफा नियमों के आर्टिकल 14 पैराग्राफ 1(आई) और 3 के तहत तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है।

फीफा के सर्कुलर के मुताबिक, 24 जून 2026 से एएनएफए ने फीफा नियमों के आर्टिकल 13 में दिए गए सभी सदस्यता अधिकार अगले आदेश तक खो दिए हैं। इसके चलते अब एएनएफए के प्रतिनिधि और क्लब टीमें तब तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगी, जब तक उनका निलंबन वापस नहीं लिया जाता।

इस निलंबन का मतलब है कि नेपाल की राष्ट्रीय टीमें और क्लब अब फीफा और एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) द्वारा आयोजित किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इसके साथ ही ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए), उसके सदस्य संगठनों और अधिकारियों को फीफा औरएएफसी की वित्तीय सहायता भी नहीं मिलेगी।

फीफा ने यह भी स्पष्ट किया है कि निलंबन के दौरान एएनएफए और इसके किसी भी सदस्य या अधिकारी को फीफा और एएफसी के किसी भी विकास कार्यक्रम, कोर्स या प्रशिक्षण में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, सभी संबंधित पक्षों को यह भी निर्देश दिया गया है कि जब तक एएनएफए पर निलंबन लागू है, तब तक उनके साथ या उनकी टीमों के साथ किसी भी प्रकार का खेल संबंध (स्पोर्टिंग कॉन्टैक्ट) न रखा जाए।

नेमार की वापसी अफ्रीका ने रचा इतिहास

मोरक्को-ब्राजील नॉकआउट में

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 का 14वां दिन रोमांच से भरपूर रहा। ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनाई, जबकि नेमार ने चोट से वापसी करते हुए टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेला। मोरक्को ने हैती के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर अगले दौर की उम्मीदें मजबूत कर लीं। वहीं, ग्रुप-ए में दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को हराकर इतिहास रच दिया और विश्वकप के इतिहास में पहली बार नॉकआउट में जगह बनाई। वहीं, मेक्सिको से हारकर चेकिया विश्वकप से बाहर हो चुका है।

ग्रुप चरण के आखिरी दौर में एक साथ हो रहे मुकाबले

फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण के अंतिम दौर में अब एक ही समय पर दो मुकाबले खेले जा रहे हैं। फीफा ने ग्रुप स्टेज के आखिरी दौर में एक ग्रुप के दोनों मुकाबलों को एक साथ शुरू कराया है ताकि कोई भी टीम दूसरे मैच के परिणाम का फायदा न उठा सके।पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। स्टार विंगर विनीशियस जूनियर ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विनीशियस ने मैच के सातवें मिनट में पहला गोल किया और फिर हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल दाग दिया। उनके साथ मैथियस कुन्हा ने भी एक गोल किया। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खबर नेमार की वापसी रही। पिंडली की चोट के कारण शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाने वाले नेमार 76वें मिनट में मैदान पर उतरे। स्टेडियम में मौजूद ब्राजीलियाई प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। ब्राजील ने ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि स्कॉटलैंड एक बार फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रहा।

मोरक्को से हारकर हैती के सपनों पर फेरा पानी

मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराकर ग्रुप-सी में दूसरे स्थान के साथ नॉकआउट दौर में जगह बना ली। हैती ने मुकाबले में दो बार बढ़त हासिल की थी। लेनी जोसेफ ने 10वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। इसके बाद अचरफ हाकिमी ने 39वें मिनट में बराबरी दिलाई, लेकिन कुछ ही मिनट बाद विल्सन इसिडोर ने फिर हैती को बढ़त दिला दी। हालांकि मोरक्को ने हार नहीं मानी। इस्माइल सैबारी ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी सूफियान रहीमी ने 78वें मिनट में निर्णायक गोल किया और 89वें मिनट में गेस्सीम यासीन ने चौथा गोल दागकर हैती की उम्मीदें समाप्त कर दीं। कतर विश्वकप 2022 की सेमीफाइनलिस्ट मोरक्को टीम ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस बार भी लंबी दौड़ तय करने की क्षमता रखती है।

न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा

फिल्ममेकर अनिल शर्मा का कहना है कि जैसे ही उनके हाथ 'गदर : एक प्रेम कथा' की स्क्रिप्ट आई, उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी हिट बन सकती है। 25 साल बाद, कई रिकॉर्ड बनाने और एक हिट फ्रेंचाइज बनने के बाद भी अनिल शर्मा खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि यह फिल्म आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने फिल्म को याद करते हुए कहा, 'जिस दिन फिल्म के राइटर शक्तिमान तलवार ने मुझे इसकी कहानी सुनाई, उसी दिन मुझे समझ आ गया था कि यह भारत की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन सकती है, और ऐसा हुआ भी। 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम' और 'शोले' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं, और मैंने कोशिश की कि यह फिल्म भी उसी लेवल की बने। यह फिल्म टॉप फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई। ब्लॉकबस्टर कमाई के अलावा, इस फिल्म को करीब 10 करोड़ दर्शकों ने देखा, जो आज तक कोई फिल्म हासिल नहीं कर पाई। यहां तक कि 'गदर 2' का फुटफॉल भी इसका आधा ही था।'

लगान से टक्कर पर फिल्ममेकर का बयान

रिलीज के दिन 'लगान' से टक्कर पर वह कहते हैं, 'आज हम कहते हैं कि 'लगान' से मुकाबला था, लेकिन उस समय ऐसा कुछ नहीं था। उस दौर में दो-तीन बड़ी फिल्में एक साथ रिलीज होती थीं और सभी अच्छा चलती थीं। लोग एक फिल्म देखने के बाद दूसरी फिल्म भी देखने जाते थे। वो मार्केटिंग का नहीं, दिल का दौर था।' कास्टिंग को लेकर अनिल शर्मा कहते हैं, 'लोग पूछते हैं कि क्या कोई और विकल्प था, लेकिन सनी देओल, अमरीश पुरी या बाकी कलाकारों के लिए हमारे पास दूसरा कोई विकल्प था ही नहीं।'

क्या 'गदर 3' बनेगी

गदर 3 बनने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'जब उत्कर्ष बड़ा हुआ तो लोग कहने लगे कि जीते की कहानी लाओ। लेकिन मेरे लिए अगर 'गदर' एक बम थी, तो 'गदर 2' के लिए मुझे एटम बम जैसी कहानी चाहिए थी, और उसने इतिहास बना दिया। अब अगर मुझे न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी, तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा। हम इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और अगर सब सही रहा तो अगले साल इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है।' बता दें कि पहले पार्ट में सनी देओल, अमीषा पटेल और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म 15 जून 2001 को आमिर खान की 'लगान' के साथ रिलीज हुई थी।

मानवी गगरू ने सुनाया करियर के शुरुआत का किस्सा

मुझे 'कंप्रोमाइज' का मतलब ही समझ नहीं आया

अभिनेत्री मानवी गगरू ने हाल ही में मनोरंजन जगत में नए कलाकार के तौर पर अपने कुछ अजीब और असहज अनुभवों के बारे में बात की है। उन्होंने वह अनुभव याद किए, जब उन्हें इशारों-इशारों में अजीब ऑफर दिए गए। साथ ही कास्टिंग से जुड़ी अजीब शब्दावली का भी जिक्र किया, जो शुरुआत में उनकी समझ में नहीं आई थी। उन्होंने बताया कि एक आउटसाइडर होने के नाते सिनेमा में आगे बढ़ना उनके लिए सीखने वाली प्रक्रिया रही।

मानवी ने बताई करियर की अजीब घटना

हाल ही में मानवी ने 'टू गर्ल्स एंड टू कप्स' शो में बताया कि करियर की शुरुआत में उनके साथ एक बहुत अजीब घटना हुई थी। उन्हें एक प्रोजेक्ट के लिए 'एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइजट का ऑफर देने वाला मैसेज मिला। उन्होंने कहा, 'यह मेरे करियर के शुरुआत की बात है, इसलिए मैंने जवाब में पूछा कि 'कॉम्प्रोमाइज?' दरअसल, मुझे इसका मतलब नहीं पता था'। मानवी ने माना कि शुरू में उन्हें इस शब्द का मतलब समझ नहीं आया था और उन्होंने वह मैसेज एक ऐसे कास्टिंग डायरेक्टर को भी दिखाया जिन पर उन्हें भरोसा था।

मैसेज भेजने वाले की हिम्मत ने हैरान किया

मानवी ने कहा, 'मैंने इसे एक कास्टिंग डायरेक्टर को दिखाया, जो मेरे लिए एक मेंटर की तरह थे। उन्होंने कहा, बस उसे डिलीट करो, ब्लॉक करो'। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई कि मैसेज भेजने वाले ने इतनी हिम्मत दिखाई कि ऐसा ऑफर भी लिखकर भेजा। उन्होंने कहा, 'मैं हैरान रह गई, यार। लोग आमतौर पर सोचते हैं कि कोई सबूत नहीं होना चाहिए। वे फोन पर बातें करते हैं, ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। लेकिन यहां तो टेक्स्ट में ही एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइज की बात कही गई थी'। बता दें कि मानवी गगरू चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने टीवीएफ पिचर्स, टीवीएफ ट्रिपलिंग और फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी सीरीज में काम किया है। इसके अलावा वे 'नो वन किल्ड जेसिका', 'पीके', 'तू है मेरा संडे' और 'उजड़ा चमन' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

नए स्टार्स के साथ ऐसा ही होता है

वह किस्सा याद कर मानवी को हंसी आ गई कि उन्होंने उस मैसेज का मतलब कितनी मासूमियत से समझा था। उन्होंने कहा, 'मुझे पहले लगा कि 'कॉम्प्रोमाइज' का मतलब है कि बजट में कॉम्प्रोमाइज करेंगे या नहीं। मुझे लगा शायद यह कोई फाइनेंशियल बात है। जैसे जीएसटी, पता है न? एक लाख रुपये प्लस जीएसटी, शायद कुछ कॉम्प्लिमेंट्री भी हो। साथ में कॉम्प्रोमाइज। मुझे पता नहीं था'। अभिनेत्री ने कहा कि जो लोग नए-नए इंडस्ट्री में आते हैं और वहां की भाषा समझने की कोशिश करते हैं, उनके साथ ऐसी गलतफहमियां होना आम बात है। मानवी के मुताबिक, 'जो लोग फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते उनके साथ ऐसा ही होता है।

नयनतारा ने सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' की सफलता का मनाया जश्न

सामंथा रुथ प्रभु अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मा इंटी बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। एक्शन कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। नयनतारा ने फिल्म की सफलता को लेकर सामंथा को बधाई दी है। उन्होंने पूरी टीम को प्यार और सफलता की शुभकामनाएं देते हुए एक प्यारा संदेश भी लिखा है।

फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को देखते हुए साउथ अभिनेत्री नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक खास पोस्टर शेयर किया। उन्होंने सामंथा को 'सैम' कहकर बधाई दी और लिखा कि वह इस सफलता की हकदार हैं। उन्होंने पूरी टीम को भी शुभकामनाएं दीं।

बॉक्स ऑफिस पर दो दिनों की कमाई

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की नई तेलुगु फिल्म 'मां इंटी बंगारम' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।

'मां इंटी बंगारम' एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसे नंदिनी रेड्डी ने निर्देशित किया है। फिल्म 18 जून, 2026 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 'यशोदा', 'घाटी' और 'द गर्लफ्रेंड' के पहले दिन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म में सामंथा के साथ गुलशन देवैया और दिगंथ मंचले भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े उठाएंगे मिलावटखोरी का मुद्दा

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है, जिसके बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। 'द इंडिया स्टोरी' फिल्म खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है और एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा पेश करने वाली है। पोस्टर में श्रेयस तलपड़े एक बीमार छोटी बच्ची को गोद में उठाए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में बॉम्बे हाई कोर्ट दिखाया गया है। साथ ही एक कीटनाशक (पेस्टिसाइड) का सिलेंडर गवाह के बॉक्स में रखा हुआ नजर आता है, जो इस बात का इशारा करता है कि फिल्म में कानूनी लड़ाई अहम भूमिका निभाएगी। यह पोस्टर साफ दिखाता है कि फिल्म खाने में मिलावट के खतरनाक असर को दिखाएगी और बताएगी कि यह समस्या देश के लाखों परिवारों को कैसे प्रभावित करती है। फिल्म का मकसद लोगों को इस गंभीर मुद्दे के प्रति जागरूक करना है, जो अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और इसे सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है। फिल्म में भारत के एक बड़े लेकिन कम चर्चा में रहने वाले पब्लिक हेल्थ इश्यू को दिखाया जाएगा।

बॉक्स ऑफिस हिट के बिना इंडस्ट्री गंभीरता से नहीं लेती

'स्त्री' और 'स्त्री 2' की सफलता के बाद अब ऑडियंस को इस हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार है। 'स्त्री' में जना का किरदार निभाने वाले अभिषेक बनर्जी भी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार कर रहे हैं। अमर उजाला से खास बातचीत में अभिषेक ने कहा, 'यह फिल्म बननी भी चाहिए। मुझे पूरी उम्मीद है कि यह सिलसिला आगे चलता रहेगा।'

फ्रेंचाइजी को चाहिए नई और युवा एनर्जी

फ्रेंचाइजी की कास्टिंग को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'जहां तक कास्ट की बात है, फिलहाल तो मेरी यही दुआ है कि अगले कुछ साल तक यही टीम (राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक) बनी रहे। लेकिन आखिरकार हर चीज का एक समय होता है। किसी भी इंडस्ट्री में, चाहे आप किसी भी मुकाम पर हों, एक समय ऐसा आता है जब नई पीढ़ी को आगे आने के लिए जगह देनी पड़ती है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस तरह की फिल्मों में एक खास तरह की यंग एनर्जी की जरूरत होती है। अगर हम 55 या 60 साल की उम्र में भी वही किरदार निभाते रहें तो ऑडियंस को उतना मजा नहीं आएगा इसलिए जब तक हम उस किरदार की ताजगी और एनर्जी को बनाए रख सकते हैं, तब तक जरूर इसका हिस्सा बने रहना चाहेंगे। हां, जिस दिन हमारे निर्माता या निर्देशक को लगेगा कि अब किसी नई एनर्जी की जरूरत है, तो वह फैसला भी हमें स्वीकार करना होगा। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।'

फ्रेंचाइजी के अगले भाग को लेकर अभिषेक ने कहा, 'इसका इंतजार मैं भी उतना ही कर रहा हूं जितना ऑडियंस कर रही है। उम्मीद है कि 2028 तक फैंस को 'स्त्री' की एक नई पेशकश देखने को मिल जाएगी। फिलहाल तो यही कहूंगा कि यह यूनिवर्स लगातार बड़ा और मजबूत होता जा रहा है, इसका अगला भाग 'शक्ति शालिनी' भी अभी बन रहा है।'

बातचीत के दौरान अभिषेक ने यह भी माना कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे अहम फिल्मों में से एक रही है। उनके मुताबिक, इसकी सफलता के बाद इंडस्ट्री में उन्हें देखने का नजरिया बदल गया। अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि 'स्त्री' मेरे करियर की सबसे बड़ी गेम चेंजर रही। जब यह फिल्म आई और उसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, तब चीजें बदलनी शुरू हुईं। मेरा मानना है कि हमारी इंडस्ट्री में जब तक आपकी फिल्में पैसा नहीं कमातीं, तब तक आपको उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता। टैलेंट अपनी जगह है, लेकिन आखिर में बॉक्स ऑफिस और बिजनेस भी बहुत मायने रखता है। हम सब यह बात जानते हैं।'

मनोज बाजपेयी ने सिनेमा के बदलते कल्चर पर उठाए सवाल

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में बढ़ते पेड रिव्यू ट्रेंड, स्टार्स की बड़ी टीम और बदलते वर्क कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों का प्रमोशन किस तरह करते हैं?

फिल्मों के पेड रिव्यू और जबरदस्ती अच्छा माहौल बनाने के ट्रेंड पर मनोज बाजपेयी ने बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'आजकल कोई भी फिल्म जो बुरी भी होती है, उसको अच्छा बताया जाता है। उस एक्टर की पूरी टीम लग जाती है ये साबित करने में कि फिल्म अच्छी है...उनका परफॉर्मेंस बहुत कमाल का है। तो जो चीज बुरी है, उसको अच्छा साबित करने के लिए पूरी टीम लगी रहती है जी। और ये सब मैंने भी पढ़ा है, देखा नहीं। मैं जिस तरह का काम करता हूं, उसमें ये सब तो होता नहीं है।'

मेरे फैसले मैं खुद लेता हूं

आज कई कलाकारों के फैसले उनकी टीम तय करती है। लेकिन मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा अपने फैसले खुद लिए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ तो ऐसा नहीं है। मैं अपने फैसले खुद लेता हूं। स्क्रिप्ट पढ़ता हूं या फिर उसका नरेशन लेता हूं। ज्यादातर मैं स्क्रिप्ट पढ़ना पसंद करता हूं। आखिर में फैसला मेरा ही होता है।' मनोज बाजपेयी ने कहा कि काम के दौरान वह अपनी निजी टीम को सेट से दूर रखते हैं और इसे डिसिप्लिन का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप मेरे सेट पर आकर देखें, तो आपको मेरी टीम का कोई आदमी आसपास दिखाई नहीं देगा। मीडिया इंटरैक्शन के दौरान भी आप देख रहे हैं- प्रोडक्शन के लोग हैं, कैमरा टीम है, लेकिन मेरी टीम का कोई सदस्य यहां मौजूद नहीं है, क्योंकि हमने एक डिसिप्लिन बनाया हुआ है।' आगे उन्होंने कहा, 'जब हम काम कर रहे होते हैं, मेरा स्टाफ उस दायरे से बाहर रहता है। वहां कैमरा है, डायरेक्टर है, मेरे साथ दूसरे कलाकार हैं। वो एक अलग जोन होता है। उसमें मेरा बॉय, असिस्टेंट या मेकअप मैन तभी आएगा जब उसे बुलाया जाएगा। उनका काम कहीं और है, इस स्पेस में नहीं।'

मुझे बड़ी टीम के साथ चलने की जरूरत नहीं पड़ती

जहां कई कलाकार बड़े सपोर्ट सिस्टम के साथ चलते हैं, वहीं मनोज का कहना है कि उन्हें इसकी जरूरत महसूस नहीं होती। उन्होंने कहा, 'अब हर किसी को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी है। मैं किसी को जज नहीं करता। जो बात आप कर रही हैं, उसके बारे में मैं कभी-कभी पढ़ लेता हूं, लेकिन वो दुनिया मेरे लिए काफी अनजान है। हो सकता है किसी अभिनेता को इतने सपोर्ट सिस्टम की जरूरत हो, मुझे नहीं है। मैं अपने लिए काफी हूं। मेरा कॉस्ट्यूम, मेरा मेकअप, बहुत सारी चीजें मैं खुद संभाल लेता हूं।' कई बार हेयर स्टाइलिस्ट भी साथ नहीं ले जाता मनोज का कहना है कि वह फिल्मों में दिखावे के बजाय जरूरत के हिसाब से चीजें तय करते हैं।

मैं जरूरत के हिसाब से काम करता हूं

अभिनेता ने कहा कि वह ज्यादातर छोटी और मीडियम बजट की फिल्मों में काम करते रहे हैं, इसलिए हर चीज जरूरत देखकर तय करते हैं। उन्होंने कहा, 'सच्चाई ये है कि मैं ज्यादातर छोटी या मीडियम बजट की फिल्में करता रहा हूं। इसलिए मैं हर चीज फिल्म की जरूरत के हिसाब से तय करता हूं। जो लोग बड़ी फिल्मों में काम करते हैं, उनके तरीके अलग हो सकते हैं। वहां अगर मेकर्स उस पूरे सेटअप की इजाजत देता है, तो फिर बाद में उसे शिकायत करने का भी कोई हक नहीं है।'

मैं सिर्फ अपनी फिल्मों का प्रमोशन करता हूं, बाकी चीजों में नहीं पड़ता

मनोज कहते हैं कि वह अपनी फिल्मों का प्रमोशन जरूर करते हैं, लेकिन चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने में यकीन नहीं रखते। उन्होंने कहा, 'हम अपनी फिल्मों को प्रमोट करते हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारी फिल्म को लेकर जागरूक हों। उसके बाद फिर हम अगली फिल्म में चले जाते हैं। और मैं इस बात पर यकीन करता हूं कि जो होगा, वो होगा। अपना काम शिद्दत से कीजिए, क्योंकि आपके भाग्य का कोई कुछ नहीं ले जा सकता।'

यों होती हैं महिलाएं बातूनी

पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं ज्यादा बातूनी होती हैं। अभी तक तो यह सिर्फ आम धारणा ही थी, मगर अब यह बात प्रमाणित हो चुकी है। महिलाएं पुरु षों की तुलना में तीन गुना ज्यादा गपशप करती हैं

कैलिफोर्निया

यूनिवर्सिटी की मनोचिकित्सक डॉ. लॉन ब्रिजेडीन ने अपनी किताब ''द फीमेल माइंड' में महिलाओं के ज्यादा बातूनी होने का खुलासा किया है। उन्होंने अपनी क्लीनिक में ''फीमेल मूड एंड हार्मोन' को लेकर एक हजार लोगों के मस्तिष्क का वैज्ञानिक अध्ययन किया है। उसके मुताबिक, महिलाएं बातचीत करने में अपने दिमाग का ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। दिनभर में एक महिला औसतन 20 हजार शब्द बोलती हैं। जबकि इसके अनुपात में एक पुरुष दिनभर में केवल 7000 हजार शब्द ही बोल पाता है। यानी महिलाओं से 13000 हजार शब्द कम। डॉ. ब्रिजेडीन के मुताबिक, महिलाओं में बोलने का नशा जैसा होता है। उनके मस्तिष्क में पाए जाने वाले एक खास किस्म के कैमिकल की अधिकता से उनके बोलने की प्रवृत्ति ज्यादा ही होती है। महिलाओं को ज्यादा बातूनी बनाने में सेक्स हार्मोन टेस्टोस्टेरोन की अहम भूमिका है। ब्रिजेडीन का कहना है कि मस्तिष्क के जिस हिस्से में संप्रेषण, भावना और स्मरण ही क्षमता होती है, यह टेस्टोरेटेरोन पुरु ष के मस्तिष्क के उस हिस्से के कम होता है। यही वजह है कि पुरु ष अपनी भावनाएं व्यक्त करने में महिलाओं की अपेक्षा कमजोर होते हैं। महिलाओं और पुरु षों के मस्तिष्क की क्षमताओं में जन्मजात अंतर पाया जाता है।

इस शोध से अलग, चेकोस्लोवाकिया के समाजशास्त्रियों ने एक अध्ययन दल ने दूसरा अधिक बातूनी या गपोड़ी होने का अभियोग बच्चों पर लगाया है। अध्ययन से प्राप्त रिपोर्ट से पता चलता है कि पांच से दस वर्ष तक के बच्चे सबसे अधिक चहकते हैं। जब वे बोलते हैं, तो उन्हें पता नहीं कि वे कितना कुछ बोल गए। इस आयु वर्ग के बच्चे औसतन 14000 शब्द प्रतिदिन बोलते हैं। बच्चों के बाद दूसरे नंबर पर मल्लाह या नाविक आते हैं, क्योंकि उन्हें समुद्र से लंबी यात्रा से लौटकर अपनी यात्रा का लंबा विवरण जो सुनाना पड़ता है। तीसरे नंबर पर 10 से 25 वर्ष के आयु के युवक आते हैं, जो रोजाना औसतन दस हजार शब्द बोलते हैं।

जाने कब यह मान्यता बनी कि महिलाएं कभी-भी बात करते नहीं थकतीं और ज्यादातर महिलाएं बहुत गपोड़ी होती है। टोरंटो की वर्जिनिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का यह भी कहना है महिलाएं भले ही गपोड़ी मानी जा रही हों, पर सच तो यह है कि पुरु ष महिलाओं से कहीं ज्यादा गपशप करते हैं। वे अपने गुप्त संबंधों, प्रेमिकाओं व अधिक वेतन प्राप्त करने वालों के बारे में ज्यादा गपशप करते हैं, इससे उनका विास बढ़ता है। लंदन बिजनेस स्कूल के मनोवैज्ञानिक प्रो. निजल निक्लसन कहते हैं कि पुरुष तो आजकल गपशप को नेटवर्किंग कहने लगे हैं। महिलाओं की अपेक्षा पुरु ष गप्पबाजी में ज्यादा लाभान्वित भी होते हैं। जब वे दूसरों से व्यवहार की आलोचना करते हैं, तो उनकी अपने प्रति भावना अच्छी हो जाती है और वे स्वयं को दूसरों से ऊपर मानने लगते हैं। वे दूसरों को यह भी बताते हैं कि उन्हें सही व गलत का ज्ञान उनकी अपेक्षा अधिक है।

वैज्ञानिकों की माने तो महिलाओं में लेंग्वेज प्रोटीन का स्तर अधिक होता है। 2001 में पाया गया था कि ''एफओएक्सपी 2' नामक जीन भाषा को बनाने के लिए जिम्मेदार होता है। वैज्ञानिकों ने बच्चों के दिमाग विश्लेषण किया और पाया कि लड़कियों के दिमाग में इस प्रोटीन की मात्रा लड़को से 30 प्रतिशत का अंतर था।

मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं के अनुसार भी एक महिला दिन में करीब 20000 शब्द बोलती है जबकि पुरुष 7000 हजार शब्द। इसके मान से महिलाएं ज्यादा बोलती हैं और बोलने में दौरान अधिक दिमाग लगाती है।

-किरण बाला

स्टाइल स्टेटमेंट बना आईना

कहते हैं महिलाएं दिनभर में जितनी देर दर्पण की ओर देखती हैं उतनी देर तो अपने बच्चे को भी नहीं देखती होंगी। खैर, ये तो हुई मजाक की बात। लेकिन यह सच है कि महिलाएं आदिकाल से ही घंटों दर्पण में अपना सौंदर्य निखारने के लिए ''विख्यात' रही हैं। मेकअप के सामान में दर्पण न हो, ऐसा संभव नहीं। लेकिन जहां पहले दर्पण को सिर्फ रूप निहारने के ''उपकरण' के तौर पर ही इस्तेमाल किया जाता था, वहीं अब यह घर, दफ्तर या शोरूम के लिए परफेक्ट स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है।

आप भी अपने आशियाने में बेडरूम से लेकर बाथरूम तक को निखारने के लिए तरह-तरह के आकार और प्रकार के आईने इस्तेमाल कर सकती हैं-

फ्रेमलेस मिरर

आईना खरीदते वक्त सबसे महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखें कि इसका शेप कमरे में मौजूद दूसरी चीजों से मैच करता हुआ हो। आजकल साज-सज्जा वाले मॉडर्न रूम्स में फ्रेमलेस मिरर गजब के लगते हैं। इनकी सबसे अच्छी खासियत यह है कि इन्हें दीवार पर टांगना जरूरी नहीं, इन्हें आप अपने बेडरूम के कोने में, जहां बहुत रोशनी न हो, लगाकर फुल लेंथ ड्रेसिंग मिरर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

रॉड आइरन मिरर-

इन दिनों ये मिरर काफी पॉपुलर हैं। कई तरह के डिजाइनों में उपलब्ध होने के कारण ये कहीं भी अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। बच्चों का रूम हो या थीम बेस्ड बेडरूम, ये हर जगह सुंदर लगते हैं। अगर बेडरूम को आपने खुले आसमान की थीम से सजाया है तो वहां अर्धचन्द्राकार डिजाइन वाले रॉट आइरन मिरर लगा सकती हैं। इस तरह के मिरर फैशनेबल होने के साथ-साथ अफोर्डेबल भी हैं, इसलिए इन्हें खूब पसंद किया जाता है।

फाइन आर्ट मिरर

कमरे की कलात्मक अपील को बढ़ाने वाले ये मिरर इंटीरियर डेकोरेटर्स की खास पसंद हैं। ये लाइट रिफ्लेक्ट करने के साथ-साथ खुद एक कलात्मक सजावटी पीस का काम भी करते हैं। फाइन आर्ट मिरर हर तरह के इंटीरियर के साथ फिट एंड फाइन लगते हैं चाहे व मॉडर्न रूम हो या ट्रेडिशनल। ये मिरर हॉट केक की तरह बिकते हैं।

ऑर्नेट एवं कर्लड मिरर

आप चाहें तो हैंड हैर्मड कॉपर फ्रेम या नैचुरल टिन फ्रेम्ड मिरर चुन कर अपने कमरे को रस्टिक या स्पैनिश कॉलोनियल लुक दे सकती हैं। ऑर्नेट मिरर कमरे को गहराई और रोशनी देते हैं। अगर बजट सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं, तो आप एंटीक वेनेटियन स्टाइल के हैंडमेड रिप्रोडक्शन वाले कर्लड मिरर चुन सकती हैं। कर्लड वैराइटी ये आप कमरे के रंग से मैच करते या कॉन्ट्रास्ट वाले रंग चुन सकती हैं।

- अंजू जैन

बाल नजर आएं फैशनेबल

भागदौड़ भरी इस लाइफ में जब मेकअप के लिए भी पर्मानेंट ऑप्शन्स उपलब्ध हैं, तब भला बाल कैसे पीछे रह सकते हैं। बिना किसी परेशानी के बाल चुटकियों में मैनेज होने के साथ-साथ फैशनेबल भी नजर आएं, इसके लिए जानते हैं हेयर स्टाइलिंग के पर्मानेंट टिप्स

रिबांउडिंग- कर्ली बालों को सीधा करने का यह एक पर्मानेंट सॉल्यूशन है जिससे बाल कम से कम 8 महीने से लेकर साल भर के लिए बिल्कुल स्ट्रेट हो जाते हैं। हालांकि यूं तो बालों को प्रेसिंग मशीन के जरिए भी टेम्परेरी तौर पर स्ट्रेट किया जा सकता है लेकिन टेम्परेरी स्ट्रेटनिंग आपक रज-रज करनी पड़ती है जिससे बार-बार हीट लगने से बाल खराब भी हो जाते हैं। जबकि पर्मानेंट स्ट्रेटनिंग यानी रिबांउडिंग में यूज होने वाले प्रोडक्ट से बालों की कंडीशनिंग होती है और बाल लंबे दिखने के साथ-साथ खूबसूरत भी नजर आते हैं। इसे करवाने के कम से कम 3 दिन, और हो सके तो हफ्ते भर तक बालों को टाई न करें और न ही बार-बार कान के पीछे ले जाएं। इसके साथ ही स्वीमिंग, स्टीम, सॉउना और जिम से जुड़ी एक्टिविटीज को ज्यादा से ज्यादा अवॉइड करें। जब भी सोएं बाल सीधे लटकाकर सोएं और कम से कम तीन दिन तक बालों में शैंपू न करें।

स्मूदनिंग- लैस स्ट्रेटनिंग के साथ-साथ बालों को नैचुरली सॉफ्ट स्मूद लुक देने व साथ ही उन्हें मैनेजेबल बनाएं रखने के लिए स्मूदनिंग करवाना एक अच्छा ऑप्शन है। इससे बाल बिल्कुल भी आर्टीफिशियल नजर नहीं आते हैं और इतने सिल्की हो जाते हैं कि आप जब चाहें फिंगर कम्ब करके ही अपने बालों को संवार सकती हैं। स्मूदनिंग बहुत ज्यादा कर्ली बालों पर नहीं बल्कि वेवी बालों पर अच्छे से होती है। क्योंकि हमारे यहां अक्सर लड़कियों के बाल हेवी होते हैं, ऐसे में स्मूदनिंग करवा लेने से उनके बालों को एक अच्छा चेंज मिल जाता है। बस, स्मूदनिंग के बाद अच्छी क्वालिटी का शैंपू व कंडीशनर इस्तेमाल करना चाहिए। चाहें तो स्मूदनिंग को खूबसूरती से रिफलेक्ट करने के लिए कोई अच्छा सा स्टाइलिश हेयर कट भी करवा सकती हैं। स्मूदनिंग को मेनटेन करने के लिए भी रिबांउडिंग वाले स्टेप्स को फॉलो करना चाहिए।

पर्मिंग- बेशक स्ट्रेट बाल इन दिनों लाखों दिलों की चाहत बन गए हों लेकिन अपनी चीज भला किसे अच्छी लगती हैं। खूबसूरती का ये तोहफा जिन्हें कुदरती तौर पर मिला है और जो इसके कारण खुद से बोर हो चुके हैं, उनके लिए पर्मिंग..एक बेस्ट ऑप्शन है। इसके अंतर्गत आपके बालों को रोलर्स व अन्य पर्मानेट सॉल्यूशंस द्वारा कलर कर दिया जाता है जिससे बाल मुड़े हुए दिखाई देते हैं। जिनके बाल पतले हैं, उनके लिए भी पर्मिंग स्टाइल काफी अच्छी है क्योंकि इससे बाल काफी घने नजर आते हैं। पर्मिंग में इस्तेमाल होने वाले केमिकल से बाल रूखे हो जाते हैं इसलिए सबसे अहम है, इसकी आफ्टर केयर। बालों के रूखेपन को कम करने के लिए ये पैक बना लें। इसके लिए एक केले को मिक्सी में मैश कर लें, फिर इसमें 3 चम्मच दूध, शहद और जैतून का तेल मिक्स करके अपने बालों में लगाएं। कुछ घंटे बाद बालों को सादे पानी से धो दें। ध्यान रहे इस पैक के बाद बालों को शैंपू तुरंत नहीं बल्कि कम से कम दो घंटे बाद ही करें साथ ही शैंपू के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें।

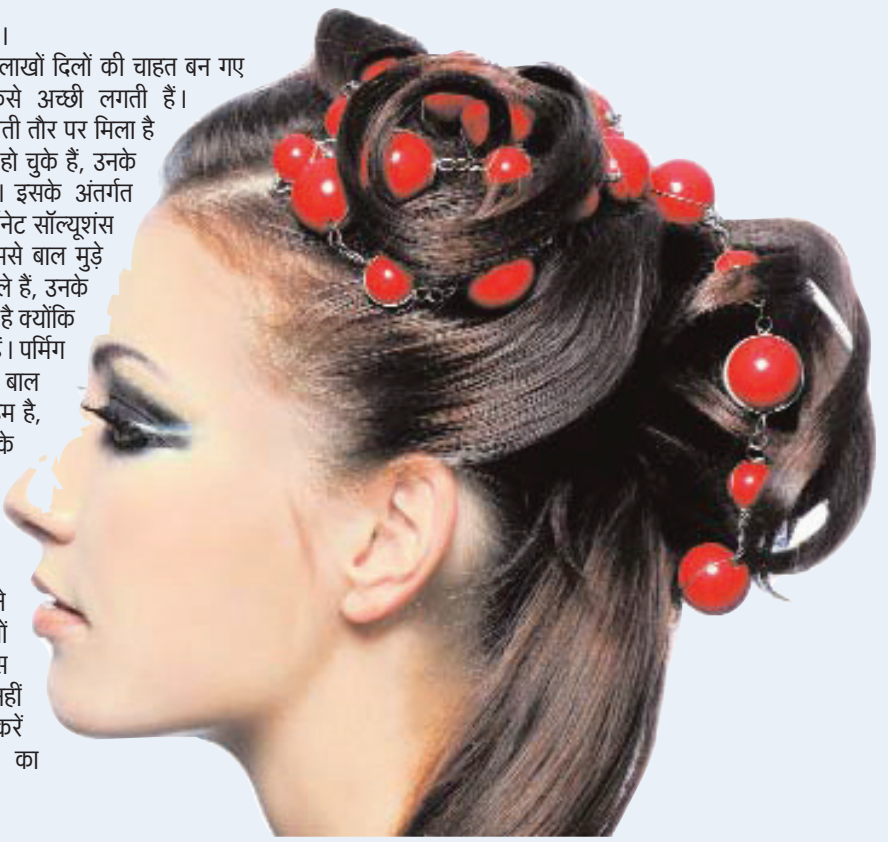

खाना - खजाना

चावल की टिक्की

सामग्री

1/4 कप उबले चावल, नमक स्वादानुसार, 2 टीस्पून बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून बारीक कटा अदक, 2 टीस्पून बारीक कटी हरी धनिया, 1 टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून पुदीने की चटनी, 2 टेबलस्पून कॉर्न स्टार्च, 2 टेबलस्पून तेल पैन में लगाने के लिए, भरावन के लिए - 1/2 कप मुरमुरे, 1टीस्पून बारीक कटा हरा धनिया, 1टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून बारीक कटा अदरक, 1टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, सजाने के लिए - इमली की चटनी आवश्यकतानुसार, बारीक कटे चेरी टमाटर आवश्यकतानुसार, धनिया पत्ती आवश्यकतानुसार।

विधि

मिश्रण बनाने के लिए एक बाउल में उबले चावल, नमक, बारीक कटा प्याज, बारीक कटा अदरक, बारीक कटी हरी धनिया, बारीक कटी मिर्च, पुदीने की चटनी और कॉर्न स्टार्च को मसल लें। भरावन के लिए एक बाउल में मुरमुरे, बारीक कटी धनिया, बारीक कटी हरी मिर्च, अदरक और लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। मिशण्रका छोटा भाग लेकर इसके बीच में थोड़ा सा भरावन रखकर उसे अच्छी तरह बंद कर दें। इसी तरह से और भी टिक्की बना लें। पैन में तेल लगा लें और टिक्कियों को दोनों ओर से सेंक लें। उसके बाद टिशू पेपर पर निकाल लें। इमली की चटनी को प्लेट पर निकालें और उस पर चावल की टिक्की रखें। बारीक कटे चेरी टोमैटो और धनिया पत्ती से सजाएं।

लेंटिल पैनकेक बर्गर

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 2 टीस्पून बारङ्गी कटी लहसुन, 2 टीस्पून बारीक कटी अदरक, 1 टेबलस्पून बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून बारीक कटी अजवाइन, नमक स्वादानुसार, डेढ़ टीस्पून बारीक कटा गाजर, डेढ़ टीस्पून बारीक कटे फ्रेंच बीन्स, 2 टेबलस्पून उबले और कद्दूकस किये आलू, 1/2 कप उबली हुई मिक्स दालें, 1 टेबलस्पून ब्रेडक्रम्स, 2 टीस्पून बारीक कटी धनिया, 2 टीस्पून तेल पैन में लगाने के लिए 3-4 प्याज के टुकड़े, 1/2 टुकड़ा टमाटर, 1/2 खीरे का टुकड़ा, 2-3 गर्किन (छोटे खीरे), पैनकेक घोल के लिए - 1/2 कप मैदान, डेढ़ टेबलस्पून बेसन, 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर, कुटी काली मिर्च स्वादानुसार, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप दूध, 1 टीस्पून बेकिंग सोडा, सर्व करने के लिए टोमैटो कैचप आवश्यकतानुसार।

विधि

एक पैन में तेल गर्म करके इसमें बारीक कटा अदरक, लहसुन, प्याज, हरी मिर्च, अजवाइन, नमक , गाजर और बारीक कटे फ्रेंच बीन्स डालकर भूनें। भरावन के लिए एक बाउल में भुनी सब्जियां, उबले और कद्दूकस किये आलू, उबली हुई मिक्स दालें, ब्रेडक्रम्स और बारीक कटी हरी धनिया डालकर मिलाएं। पैनकेक का घोल तैयार करने के लिए एक बाउल में मैदा, बेसन, हल्दी पाउडर, कुटी काली मिर्च, नमक, दूध और बेकिंग सोडा डालकर फेंट लें। एक गर्म पैन में तेल डालें। इसमें भरावन की पैटी तैयार करें। दोनों ओर से सेंक लें। दूसरे पैन में घोल डालें और पैनकेक तैयार करें। जब पक जाए तो पैन से निकाल कर रिंग मोल्ड से काट लें। ऐसा ही एक और बना लें। एक पैन केक को प्लेट पर रखें। उस पर प्याज के टुकड़े, बनाई गयी पैटी, पतले कटे टमाटर, खीरा, गर्किन रखकर दूसर पैन केक से ढक बर्गर जैसा बनाएं। लेंटिल पैन केक वर्गर को टोमैटो कैचप के साथ सर्व करें।

मैंगलोर बोंडा

सामग्री

1 कप टंगा दही, 1/4 कप बारीक कटा प्याज, 1 टेबलस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 2 टेबलस्पून बारीक कटी हरी धनिया, नमक स्वादानुसार, डेढ़ टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबलस्पून मैदा, एक चुटकी बेकिंग सोडा, तलने के लिए तेल, कोट करने के लिए तेल, अनन्नास के टुकड़ों को तैयार करने के लिए - 1 टेबलस्पून मक्खन, 5 अनन्नास के टुकड़े, नमक स्वादानुसार, 1-2 टीस्पून पिसी चीनी, कुटी काली मिर्च आवश्यकतानुसार, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, सजाने के लिए -
फेंटा हुआ दही आवश्यकतानुसार,
एक चुटकी लाल मिर्च पाउडर,
1 डंठुल हरी धनिया

विधि

एक बाउल में टंगा दही, बारीक कटा प्याज, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, मैदा, बेकिंग सोडा डालकर अच्छी तरह मिलाएं। 2-3 मिनट के लिए अलग रख दें। फाइंग पैन में तेल गर्म करें। बनाये गये मिशण्रसे बॉल्स तैयार करें और डीप फाई कर लें। फिर टिशू पेपर पर निकालें। मक्खन को पैन में गर्म करें। इसमें अनन्नास के टुकड़े, नमक, पिसी चीनी, कुटी काली मिर्च, लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। एक केले के पत्ते को प्लेट पर रखें और फिर उस पर अनन्नास के टुकड़ों को रखकर बनाये गये बोंडा को उस पर रखें। पाइपिंग बैग में फेंटे हुए दही को भर और बोंडा को इससे डेकोरेट करें। ऊपर से लाल मिर्च पाउडर छिड़कें और धनिया पत्ती से सजाकर कर सर्व करें।